RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:214 ता. 09 फरवरी 2024, शुक्रवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

चेन्नई में ईमेल पर बम से उड़ाने की धमकी

चेन्नई । चेन्नई में उस वक्त दहशत का माहौल बना, जब कई निजी स्कूलों के ईमेल पर बम से उड़ाने की धमकी मिली। स्कूलों में दहशत का माहौल है, स्कूली बच्चों को वापस घर भेजा। पुलिस सूत्रों ने कहा कि साइबर क्राइम विंग उस आईपी पते का पता लगाने के लिए जांच कर रही है जिससे ईमेल भेजा गया था और आरोपी को जल्द ही पकड़ लिया जाएगा। स्कूलों से सूचना मिलने या स्थानीय टीवी चैनलों पर समाचार देखने के बाद अभिभावक इन इलाकों में स्कूलों में पहुंचे। स्कूलों के आसपास भीड़ और भ्रम के कारण ग्रेटर चेन्नई पुलिस (जीसीपी) को जनता से घबराने की अपील नहीं करनी पड़ी। जीसीपी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, जीसीपी सीमा में कुछ शैक्षणिक संस्थानों में बम की धमकी वाले ई-मेल प्राप्त हुए थे।

भारत-म्यांमार सीमा पर मुक्त आवागमन की व्यवस्था समाप्त

नई दिल्ली । केंद्रीय गृह मंत्रालय ने देश की आंतरिक सुरक्षा को सुनिश्चित करने और म्यांमार सीमा से लगे देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र में सुरक्षा कायम रखने के मकसद से म्यांमार के साथ खुली आवागमन व्यवस्था को समाप्त करने का फैसला किया है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरूवार को इसकी जानकारी दी। केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प देश की सीमाओं को सुरक्षित करना है। उन्होंने कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा को सुनिश्चित करने और म्यांमार सीमा से लगे भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में जनसांख्यिकीय संरचना को कायम रखने के उद्देश्य से गृह मंत्रालय ने म्यांमार के साथ मुक्त आवागमन व्यवस्था को खत्म करने का फैसला किया।

पेट्रोल में एथेनॉल मिलावट 20 प्रतिशत करने का लक्ष्य : सरकार

नई दिल्ली। सरकार ने कहा है कि पेट्रोल डीजल पर आयात कम करने के लिए जरुरी कदम उठाए जा रहे हैं और पेट्रोल डीजल में इथेनॉल के मिश्रण से आयत पर निर्भरता को कम करने का प्रयास किया जा रहा है। जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने लोकसभा में एक पूरक प्रश्न के जवाब में यह जानकारी देते हुए बताया कि आयत निर्भरता कम करने और विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ाने की लिए पेट्रोल डीजल में ईथेनॉल के मिश्रण को 14 प्रतिशत से बढ़कर अब 20 प्रतिशत तक करने का लक्ष्य तय झरने पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पेट्रोल में एथेनॉल के मिश्रण से 24000 करोड रुपए की विदेशी मुद्रा की बचत हुई है और इस पैसे का इस्तेमाल सरकार किसानों की स्थिति में सुधार के लिए कर रही है। भविष्य में इस दिशा में और प्रयास किया जा रहे हैं। हाइड्रोकार्बन ईंधन क्षेत्र में 10 वर्षों में निर्भरता बढ़ने की बात स्वीकार करते हुए उन्होंने कहा कि इस अवधि में हाइड्रोकार्बन ईंधन की खपत बढ़ी है और खपत बढ़ने से इस क्षेत्र में निर्भरता का बढ़ना भी स्वाभाविक था। उनका कहना था की सरकार पर्यावरण मानकों को ध्यान में रखते हुए गैस तथा पेट्रोल का उत्पादन बढ़ा रही है।

सोरेन के खिलाफ जांचर्ईडी ने धन शोधन मामले में पूछताछ के लिए कांग्रेस सांसद धीरज साहू को तलब किया

रांची/नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी से जुड़े धनशोधन मामले में पूछताछ के लिए कांग्रेस सांसद धीरज प्रसाद साहू को तलब किया है। अधिकारिक सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। झारखंड से राज्यसभा सदस्य साहू (64) उस समय चर्चा में आए थे जब पिछले साल दिसंबर में आयकर विभाग ने उनके परिवार द्वारा प्रवर्तित ओडिशा स्थित बौध डिस्टिलरी प्राइवेट लिमिटेड (बीडीपीएल) के खिलाफ छापेमारी के दौरान 351.8 करोड़ रुपये नकद बरामद किए थे, जो अब तक की सबसे बड़ी जब्ती है। समझा जाता है कि साहू को रांची स्थित ईडी के दफ्तर में 10 फरवरी को पेश होने के लिए तलब किया गया है। सूत्रों ने कहा कि ईडी सोरेन के साथ उनके कथित संबंधों और एक बीएमडब्ल्यू एसयूवी (स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल) के संबंध में साहू से पूछताछ करना और उनका बयान दर्ज करना चाहती है। यह गाड़ी एजेंसी ने पिछले महीने दिल्ली में झामुमो नेता के आवास से जब्त की थी। सूत्रों ने बताया कि एजेंसी ने बुधवार को गुरुग्राम के करदारपुर गांव में उस परिसर पर भी छापा मारा, जिसके पते पर हरियाणा नंबर प्लेट वाला वाला यह वाहन पंजीकृत था। इसी मामले में बुधवार को कोलकाता में भी दो स्थानों पर तलाशी ली गयी।

विपक्षी सरकारों के खिलाफ युद्ध छेड़ रहा है केंद्र, अरविंद केजरीवाल का आरोप

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बृहस्पतिवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए उस पर विपक्षी दलों के नेतृत्व वाली राज्य सरकारों के खिलाफ युद्ध छेड़ने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के नेतृत्व में केरल के वाम लोकतांत्रिक मोर्चा के नेताओं और सांसदों ने बृहस्पतिवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। केजरीवाल ने विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया। प्रदर्शन में शामिल हुए केजरीवाल ने कहा, 'विपक्षी दलों के नेतृत्व वाली सरकारें देश के 70 करोड़ लोगों का प्रतिनिधित्व करती हैं। भाजपा ने विपक्ष शासित राज्यों के खिलाफ जंग छेड़ रखी है। उन्होंने हमारे लिये भारत-पाकिस्तान जैसी स्थिति बना दी है।

लोकसभा में 'श्वेत पत्र' लाई मोदी सरकार, यूपीए सरकार का खोला काला चिट्ठा

– गुरुवार को लोकसभा में एनडीए सरकार की ओर से श्वेत पत्र जारी कर दिया है। इस पर शुक्रवार को दोपहर 12 बजे चर्चा होगी।

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में एनडीए सरकार की ओर से केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने श्वेत पत्र जारी कर दिया है। जिसमें क्रसरकार के कई घोटालों का जिक्र है। इसके अलावा मोदी सरकार के 10 साल और यूपीए सरकार के 10 के कार्यकाल की समीक्षा की गई है। इस श्वेत पत्र में मोदी सरकार की ओर से यूपीए कार्यकाल में किए गए कई कथित घोटालों को उजागर किया गया है। वहीं, व्हाइट पेपर के विरोध में कांग्रेस 'ब्लेक पेपर' लाने की बात कर रही है। इस पर शुक्रवार दोपहर 12 बजे चर्चा होगी।

यूपीए ने अर्थव्यवस्था को कर दिया था ध्वस्त

वहीं, राज्यसभा में भी श्वेत पत्र पर शनिवार को चर्चा होनी है। इस 'श्वेत पत्र' में मोदी सरकार की ओर कहा गया है कि 10 साल के कार्यकाल में यूपीए ने देश की इकोनॉमी को कैसे नॉन-परफॉर्मिंग बना दिया। इसमें बताया गया है कि कैसे अटल बिहारी वाजपेयी की अगुवाई वाली एनडीए सरकार में एक मजबूत अर्थव्यवस्था की नींव रखी गई और उसे यूपीए ने अपने 10 साल के कार्यकाल में लगभग ध्वस्त कर दिया था।

2009-2014 के बढ़ी महंगाई का जिक्र

श्वेत पत्र में आगे कहा गया है कि एनडीए की रखी मजबूत अर्थव्यवस्था की नींव को कैसे यूपीए के कार्यकाल में लगभग ध्वस्त हो गयी थी। इसमें रेखांकित किया गया है कि साल 2009 से लेकर 2014 के बीच महंगाई कैसे आसमान छुई और आम आदमी को इसका खामियाजा कैसे भुगतना पड़ा।

श्वेत पत्र में या-या लिखा है?

- श्वेत पत्र में कहा गया है कि यूपीए सरकार ने देश की आर्थिक नींव कमजोर की।
- यूपीए के 10 साल के कार्यकाल में रुपये में भारी कमी दर्ज हुई।
- बैंकिंग सेक्टर संकट में था।
- विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट आई थी।
- भारी कर्ज लिया गया था।
- राजस्व का मनमाना प्रयोग किया गया था।

अमृत काल में राष्ट्र समृद्धि में सहयोग दें : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को राज्यसभा ने कहा कि देश अमृत काल में समृद्धि की नई ऊंचाइयां छू रहा है और इसे समाज तक ले जाने में सभी को योगदान करना चाहिए। श्री मोदी ने सदन में सेवानिवृत हो रहे 68 सदस्यों के विदाई के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राज्यसभा में प्रति दो वर्ष के बाद नए सदस्य आते हैं और पुराने विदा लेते हैं। यह सदन निरंतरता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह सदन प्रति दो वर्ष के बाद नई ऊर्जा अर्जित करता है और अपने कार्यों का निर्वहन पूरा करता है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री और सेवानिवृत हो रहे डॉ मनमोहन सिंह का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके जीवन से सभी सदस्यों को प्रेरणा लेनी चाहिए। एक सांसद के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्माण करते हुए उन्होंने न केवल संसदीय कार्यों को पूरा किया है बल्कि लोकतंत्र को भी मजबूती दी है।

उन्होंने कहा कि देश अमृत काल के दौर में है और देश समृद्धि की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। सेवानिवृत हो रहे सदस्यों को इस समृद्धि को समाज के प्रत्येक तबके तक ले जाने में मदद करनी चाहिए। इन सदस्यों के पास अनमोल अनुभव होता है जिसे वे समाज के कल्याण में प्रयोग कर सकते हैं। प्रधानमंत्री ने कोविड काल के दौरान सदन में विभिन्न प्रतिबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि सभी सदस्यों ने इसमें सहयोग किया और राष्ट्र सेवा को सर्वोपरि समझा। उन्होंने पिछले कुछ वर्षों में सदन की कई घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सदन में फैशन शो भी हुआ और काले कपड़े पहनने का अनुभव भी देखा। उन्होंने कहा है कि देश में नई समृद्धि आ रही है। हमारे यहां अच्छे काम के समय काला टीका लगाने की परंपरा है। अमृत काल में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़र्गे काला टीका लगाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मैं इसका स्वागत करता हूं।' श्री मोदी ने संस्कृत के एक श्लोक का उल्लेख करते हुए कहा कि गुणी व्यक्तियों के साथ रहने से गुण बढ़ जाते हैं जबकि निर्गुण व्यक्तियों के साथ रहने से दोष बढ़ जाते हैं। नदियों का जल तभी तक पीने योग्य होता है जब तक वह बहता रहता है। इसलिए सदस्यों को निरंतर चलते रहने का प्रयास करना चाहिए समाज में अपना योगदान देते रहना चाहिए।

कांग्रेस ने मोदी सरकार की 'विफलताओं' के खिलाफ जारी किया 'ब्लैक पेपर'

नई दिल्ली। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की 10 साल की 'विफलताओं' को जनता के समक्ष उजागर करने के मकसद से बृहस्पतिवार को एक 'ब्लैक पेपर' जारी किया। पार्टी ने इस 'ब्लैक पेपर' में महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की दुर्दशा, महिलाओं की स्थिति और कई अन्य मुद्दों पर सरकार पर विफल रहने का आरोप लगाया है। उसने इसे '10 साल, अन्याय काल' नाम दिया है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने यह 'ब्लैक पेपर' जारी किया और कहा कि देश को आजाद कराने वाली कांग्रेस 2024 में देश को भाजपा के 'अन्याय के अंधकार' से बाहर निकालेगी। कांग्रेस ने यह 'ब्लैक पेपर' ऐसे समय जारी किया है जब सरकार ने संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) के 10 साल के कार्यकाल पर एक 'श्वेत पत्र' जारी करने की घोषणा की है। खरगे ने सरकार और प्रधानमंत्री मोदी पर उनकी विफलतायें छिपाने का आरोप लगाया और कहा कि ऐसे में इस सरकार के खिलाफ 'ब्लैक पेपर' लाने का फैसला किया गया। कांग्रेस अध्यक्ष ने संवाददाताओं से कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी जब भी संसद में अपनी बात रखते हैं तो अपनी विफलताओं को छिपाते हैं। वहीं, जब हम सरकार की असफलताओं के बारे में बोलते हैं, तब उसे महत्व नहीं दिया जाता है। इसलिए हम 'ब्लैक पेपर' निकालकर जनता को सरकार की विफलताओं के बारे में बताना चाहते हैं।' उन्होंने दावा किया कि देश में सबसे बड़ा मुद्दा बेरोजगारी है, लेकिन मोदी सरकार इसकी बात कभी नहीं करती। खरगे ने कहा कि सरकार हमेशा अपने 10 साल के कार्यकाल की तुलना संप्रग सरकार से करती है, लेकिन पंडित जवाहरलाल नेहरू और कांग्रेस की उपलब्धियों के बारे में कभी नहीं बताती। उन्होंने सरकार पर विपक्षी पार्टियों के शासन वाले राज्यों के साथ भेदभाव का आरोप लगाया।

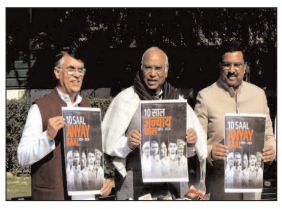

बंगाल में विपक्ष के हंगामे के बीच बजट पेश, विपक्ष की नारेबाजी से ममता दीदी हुई लाल

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की विधानसभा में गुरुवार को राज्य सरकार वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अपना बजट पेश किया है। सदन में विपक्षी पार्टी बीजेपी और वाम दल इस दौरान हंगामा करते नजर आए। सदन में वित्त राज्य मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य बजट पढ़ रहे थे, लेकिन भाजपा विधायकों की विधानसभा के भीतर नारेबाजी के कारण वहां ऐसा नहीं कर पा रहे थे। जिससे मुख्यमंत्री ममता बनर्जी गुस्से में आ गईं। वे अपनी सीट पर खड़ी हो गईं। उन्होंने विपक्ष पर हमला कर कहा कि धिक्कार है आप लोग बजट तक नहीं पढ़ने दे रहे। विधानसभा में बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री भट्टाचार्य ने कहा कि केंद्र पर बंगाल का 1.18 लाख करोड़ रुपये बकाया है, इस लेकर हंगामा शुरू हो गया। बंगाल सरकार के बजट में लोकसभा चुनाव 2024 से ठीक पहले महिलाओं को मिलने वाले लक्ष्मी भंडार में बढ़ोतरी करने का फैसला किया। पश्चिम बंगाल में महिला वोटर बड़ी संख्या में हैं, जिसे साधने के लिए ममता सरकार ने यह बड़ा ऐलान किया है। महिला वोटर करीब 49 प्रतिशत हैं, महिलाओं के साथ ही एससी/एसटी को भी साधने की कोशिश पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य के बजट में मई 2024 से राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए अतिरिक्त 4 प्रतिशत डीए की घोषणा की। बजट में ममता सरकार ने श्रमिकों के 100 दिनों के काम के बकाए के लिए 3700 करोड़ रुपये आवंटित किए। राज्य अपने श्रमिकों को 100 दिनों के काम के लिए एक वर्ष से अधिक समय तक केंद्रीय आवंटन के निलंबन को पूरा करने के लिए बकाया वेतन का भुगतान करेगा। अकुशल श्रमिकों का कर्ज चुकाने में कम से कम 3000 करोड़ आवंटित किए जाएंगे।

राजस्थान सरकार ने पेश किया लेखानुदान, 70,000 पदों पर भर्तियों की घोषणा

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान की वित्त मंत्री दीया कुमारी ने बृहस्पतिवार को विधानसभा में लेखानुदान या अंतरिम बजट पेश किया जिसमें उन्होंने 70,000 पदों पर भर्तियां करने, गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना के तहत एक लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त अल्पकालिक ऋण देने, जयपुर के निकट 'हाईटेक सिटी' विकसित करने, 'लाडो प्रोत्साहन योजना' के तहत गरीब परिवारों की बालिकाओं के जन्म पर एक लाख रुपये का सेविंग बॉन्ड देने सहित कई घोषणाएं की गईं। पिछले साल दिसंबर में सत्ता में आई भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार का यह पहला अंतरिम बजट था।

उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उसके कार्यकाल में राज्य जहां एक ओर विपरीत वित्तीय स्थिति में आ गया, वहीं दूसरी ओर गलत नीतियों, भ्रष्टाचार, लचर कानून व्यवस्था, कुशासन एवं तुष्टिकरण के कारण प्रदेश के विकास की गति भी मंद हुई। उन्होंने कहा, 'इन चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना करते हुए हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार के सहयोग के साथ-साथ, हमारी सरकार की ठोस कार्ययोजना, सुशासन एवं कठिन परिश्रम से प्रदेश को सतत विकास के मार्ग पर ले जायेंगे।'

उन्होंने कहा कि पूर्व सरकार के कार्यकाल में राज्य पर कुल ऋण भार दोगुना होकर लगभग 5.79 लाख करोड़ रुपये हो गया। उन्होंने कहा कि पूर्व सरकार ने 2.24 लाख करोड़ रुपये का कर्ज लिया लेकिन पूंजीगत व्यय केवल 93,577 करोड़ रुपये रहा।

वित्त मंत्री ने कहा कि वर्ष 2024-25 के वार्षिक वित्तीय विवरण तथा अन्य बजट पत्रों के साथ कुछ अधिसूचनायें जारी की जा रही हैं तथा अनुदान मांगें भी प्रस्तुत की जा रही हैं। उन्होंने कहा, 'चूंकि आगामी लोकसभा चुनाव के कारण बजट प्रस्तावों पर विधानसभा में चर्चा कराकर 31 मार्च, 2024 से पूर्व वार्षिक बजट पारित कराया जाना संभव नहीं है। अत मैं, वित्त वर्ष 2024-25 के पहले चार महीनों के लिए यथा-31 जुलाई, 2024 तक व्यय हेतु लेखानुदान का प्रस्ताव प्रस्तुत कर रही हूं।' यानी वित्त वर्ष 2024-25 का पूर्ण बजट जुलाई में पेश किया जाएगा। बाद में सदन ने राजस्थान विनियोग (संख्या-1) विधेयक, 2024 तथा राजस्थान विनियोग (लेखानुदान) (संख्या-2) विधेयक, 2024 को ध्वनिमत से पारित कर दिया।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान में 2004 से ही वित्त विभाग मुख्यमंत्री के पास रहता आया है। यानी मुख्यमंत्री ही वित्त मंत्री के रूप में बजट पेश करते थे, लेकिन इस बार इस बार परिपाटी बदल गई।

इस दौरान की गई प्रमुख घोषणाओं में भर्तियां भी हैं। मंत्री ने कहा, 'युवाओं को सम्बल प्रदान कर उनके लिए रोजगार के अधिकाधिक अवसरों का सृजन करना हमारी सरकार की प्राथमिकता है। इस क्रम में, युवाओं को रोजगार को आगामी वर्ष में सरकार के अधीन लगभग 70 हजार पदों पर भर्तियां किये जाने की मैं, घोषणा करती हूं। साथ ही, युवाओं की काउंसलिंग और मार्गदर्शन के माध्यम से निजी क्षेत्र में उनके स्वर्णिम करियर निर्माण के लिए राज्य के समस्त संभाग मुख्यालयों पर युवा साथी केन्द्र स्थापित किये जाने का भी प्रस्ताव है। इस पर 10 करोड़ रुपये खर्च होंगे।'

वित्त मंत्री ने सभी वंचित वर्गों तक भी शिक्षा की पहुंच को सुलभ करने की दृष्टि से, आगामी वर्ष से अल्प आय वर्ग, लघु/सीमांत/बटाईदार किसानों और खेतिहर श्रमिकों के परिवार के छात्र-छात्राओं को केजी से पीजी तक निशुल्क शिक्षा प्रदान करने की घोषणा की। इसी तरह आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के कक्षा एक से आठवीं तक के समस्त विद्यार्थियों तथा कक्षा नौ से बारहवीं तक की छात्राओं को स्कूल बैग, किताबें तथा यूनिफॉर्म के लिए आगामी वर्ष प्रति विद्यार्थी एक हजार रुपये की सहायता दी जाएगी। इससे लगभग 70 लाख (सत्तर लाख) विद्यार्थी लाभान्वित हो सकेंगे।

अन्याय को बढ़ावा देना और नफरत फैलाना भाजपा के दो सूत्री कार्यक्रम : राहुल गांधी

रायगढ़ (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा और कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी के दो सूत्री कार्यक्रम हैं -अन्याय को बढ़ावा देना और नफरत तथा हिंसा फैलाना।

राहुल की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' ओडिशा से छत्तीसगढ़ पहुंची, जहां उन्होंने रायगढ़ जिले के रेंगालपाली गांव में एक जनसभा को संबोधित किया। छत्तीसगढ़ विधानसभा के लिए नवंबर 2023 में हुए चुनाव और पार्टी की सत्ता से विदाई के बाद राहुल गांधी का राज्य का यह पहला दौरा है।

कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर भी निशाना साधा और दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जन्म अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से ताल्लुक रखने वाले परिवार में नहीं हुआ, क्योंकि उनकी जाति 'घांची' को गुजरात की भाजपा सरकार ने 2000 में ओबीसी में शामिल किया था।

राहुल गांधी ने कहा कि एक साल पहले, भाजपा के 'नफरत फैलाने और हिंसा का माहौल बनाने' के कृत्य के खिलाफ 'भारत जोड़ो यात्रा' ने कन्याकुमारी से कश्मीर तक (2022-23 में) लगभग 4,000 किलोमीटर की दूरी तय की थी। उन्होंने कहा कि अब भारत जोड़ो न्याय यात्रा लोगों के न्याय की मंशा के साथ शुरू हुई है।

राहुल गांधी ने कहा कि 'भारत जोड़ो यात्रा' से खूबसूरत नारा 'नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान' निकला। यह नारा कांग्रेस की विचारधारा को प्रकट करता है। केरल के वायनाड से लोकसभा सदस्य ने कहा, ''उन्होंने नफरत की दुकान खोली है और हमने मोहब्बत की दुकान। वे हिंसा का बाजार चलाते हैं, हम अहिंसा की दुकान।' कांग्रेस नेता ने कहा, 'लोगों की मांग पर, हमने यात्रा का दूसरा संस्करण शुरू करने का फैसला किया और इसमें 'न्याय' शब्द जोड़ा और इस प्रकार यह 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' है। पहली यात्रा में हमने पाया कि विभिन्न वर्गों, भाषाओं, राज्यों, महिलाओं, किसानों और मजदूरों के साथ अन्याय हो रहा है। अन्याय और नफरत-हिंसा के बीच एक संबंध है। अन्याय के बिना नफरत नहीं फैल सकती।' उन्होंने कहा, ''भाजपा के दो सूत्री कार्यक्रम हैं। अन्याय को बढ़ावा देना और नफरत तथा हिंसा फैलाना।'

उन्होंने कहा कि यात्रा का दूसरा संस्करण न्याय के लिए है, जो आर्थिक और सामाजिक संदर्भ में है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने दावा किया कि देश पिछले 40 साल के उच्चतम बेरोजगारी दर का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि महंगाई बढ़ रही है, सार्वजनिक उपक्रमों का निजीकरण किया जा रहा है, आदिवासियों की जमीन छीनी जा रही है और लोग 'आर्थिक अन्याय' का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''यह बेरोजगारी क्यो हैं? यह इसलिए है, क्योंकि सबकुछ अडाणी को दिया जा रहा है। आपकी संपत्ति उनके सुपुर्द की जा रही है। आप जीएसटी (माल एवं सवा कर) भरते हैं और वह सीधे अडाणी की जेब में चला जाता है।'

देश में जाति आधारित गणना कराने की पार्टी की प्रतिबद्धता दोहराते हुए राहुल ने कहा, 'जब मोदी जी कहते हैं कि देश में केवल दो ही जातियां हैं-गरीब और अमीर, तो फिर वह ओबीसी कहां से हो गए? मोदी जी का जन्म अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से ताल्लुक रखने वाले परिवार में नहीं हुआ। मोदी जी की जाति 'घांची' को वर्ष 2000 में गुजरात की तत्कालीन भाजपा सरकार ने ओबीसी (सूची) में शामिल किया था। आपके प्रधानमंत्री ओबीसी नहीं हैं। वह अपनी पहचान ओबीसी के रूप में बताते रहें, लेकिन वह ओबीसी नहीं हैं, बल्कि सामान्य श्रेणी से हैं।'

इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के इमीग्रेशन एरिया में होगा बदलाव

नई दिल्ली ।इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के इमीग्रेशन एरिया में जल्द ही एक नया बदलाव होगा है ।यह बदलाव इमीग्रेशन एरिया में लगने वाली लंबी कतारों को कम कर मुसाफिरों की जद्दोजहद को कम करेगा। बदलाव के तहत इमीग्रेशन एरिया में एक खास कॉरिडोर तैयार किया जाएगा, जिसमें इंटेलीजेंस ब्यूरो (आईबी) द्वारा चिन्हित किए गए मुसाफिरों की इमीग्रेशन जांच की जाएगी। खास बात यह है कि इमीग्रेशन की इस प्रक्रिया में किसी भी व्यक्ति को चंद सेकेंड का ही समय लगेगा। इमीग्रेशन ब्यूरो के नए प्लान के अनुसार, अब एयरपोर्ट पर पैसेंजर्स की पांचवीं कैटेगरी तैयार होगी। इस कैटेगरी में वह मुसाफिर शामिल किए जाएंगे, जो फिक्वेंट फ्लायर हैं और इमीग्रेशन सिस्टम में इनका रिकॉर्ड काफी अच?छा है। इसतरह के मुसाफिरों को अब ट्रस्टेड पैसेंजर की श्रेणी में रखा जाएगा। योजना के तहत, इमीग्रेशन ब्यूरो द्वार चिन्हित किए गए मुसाफिरों का एक बार बायोमैट्रिक होगा और उनके पासपोर्ट और वीजा की डिटेल इमीग्रेशन सिस्टम में पहले से फीड कर दी जाएगी। सूत्रों के अनुसार, आईजीआई एयरपोर्ट पर इमीग्रेशन ई-गेट्स और ई-बायोमैट्रिक की योजना सुचारू रूप से लागू होने के बाद इस स?कीम का ट्रायल रन शुरू होगा। एयरपोर्ट पर तीनों योजनाओं के लागू होने के बाद इमीग्रेशन काउंटर्स पर यात्रियों की लंबी कतारें कल की बातें हो जाएंगी।

शराब के लिए नहीं दिए पैसे तो बेटे ने ले ली एक्ट्रेस मां की जान

मुंबई । बी-टाउन से खबर मिली है कि दिग्गज एक्ट्रेस कासम्मल अब हमारे बीच नहीं रही। दरअसल एक्ट्रेस कासम्मल की जान उनके ही बेटे ने ले ली। मिली जानकारी के अनुसार उनके बेटे ने शराब के लिए पैसे नहीं देने डंडे से इतना पीटा कि उनकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि ये सब शराब के पैसे को लेकर शुरू हुआ। यह घटना मदुरई के उसिलामपट्टी के करीब अनायुर बताई जा रही है, जहां कासम्मल और उसके बेटे पी नामाकोडी के बीच शराब खरीदने के लिए पैसे को लेकर झगड़ा शुरू हुआ। इस दिन भी नामाकोडी ने अपनी मां से शराब के लिए पैसे मांगे और पैसे देने से इंकार करने के बाद बेटे ने जानलेवा हमला कर दिया। एक रिपोर्ट के मुताबिकत उसने कासम्मल को चोट पहुंचाने के लिए लकड़ी के लट्ठ का इस्तेमाल किया था। यह घटना 4 फरवरी को सुबह होना बताया जा रहा है जब चोट लगने के तुरंत बाद उन्होंने दम तोड़ दिया था। हालां?कि इस घटना के बाद बेटे को गिरफ्तार कर लिया गया है और हत्या में इस्तेमाल किए डंडे को भी जब्त कर लिया गया है। बताया जा रहा है कि उनका बेटा पिछले 15 वर्षों से अपनी पत्नी से अलग उनके साथ ही रह रहा था। हालांकि, शराब की लत की वजह से वह अक्सर अपनी मां से पैसे मांगता और इस बात पर दोनों के बीच हमेशा कहा-सुनी होती रहती थी। बता दें कि एक्ट्रेस कासम्मल को विशेष रूप से कदेसी और विवासयी जैसी फिल्मों में काम करने के लिए जाना जाता है।

लड़कियों को सर्विकल कैंसर टीका, सरकार के इस कदम की भारतीय-अमेरिकी कैंसर विशेषज्ञ ने की तारीफ

नई दिल्ली । एक प्रतिष्ठित भारतीय-अमेरिकी कैंसर विशेषज्ञ ने भारतीय बजट में सर्विकल कैंसर से बचाव के लिए नौ से 14 वर्ष की लड़कियों के टीकाकरण को लेकर की गई घोषणा की सराहना की। डॉ. दत्तात्रेयुडु नोरी ने कहा, भारत सरकार के बजट में सर्विकल कैंसर के लिए निवारक कार्यक्रमों पर जोर भारत में एक महत्वपूर्ण जन स्वास्थ्य समस्या को हल करने की दिशा में एक महतवपूर्ण कदम है। सर्विकल कैंसर से बचाव के लिए 9-14 वर्ष की लड़कियों को टीका लगाने की पहल विशेष रूप से सराहनीय है, क्योंकि यह बीमारी देश में प्रतिदिन 150 से अधिक महिलाओं की जान ले लेती है। चिकित्सा के क्षेत्र में अपने योगदान के लिए वर्ष 2015 में पद्मश्री से सम्मानित डॉ. नोरी ने कहा कि सर्विकल कैंसर भारत में महिलाओं में पाया जाना वाला दूसरा सबसे आम कैंसर है, इससे हर साल 85,000 से अधिक नए मामले सामने आते हैं और हर साल इससे लगभग 50,000 मौतें होती हैं। वर्ष 2022 में 14.6 लाख कैंसर के मामले सामने आए थे जिनके वर्ष 2025 में बढ़कर 15.7 लाख होने का अनुमान है।

गजल सम्राट जगजीत के टूटे भवन से ईंट और मिटटी ले जा रहे उनके प्रशंसक

श्रीगंगानगर । गजल की दुनिया के सम्राट रहे जगजीत सिंह का जन्म राजस्थान के श्रीगंगानगर में 8 फरवरी 1941 को हुआ था। वर्तमान में भी जगजीत सिंह का नाम बेहद लोकप्रिय गजल गायकों में शुमार है। लोग आज भी उनकी गजल सुनकर मंत्रमुग्ध हो जाते हैं। जगजीत सिंह को साल 2003 में भारत सरकार के द्वारा कला के क्षेत्र में पद्म भूषण से भी सम्मानित किया गया था। फरवरी 2014 में गजल सम्राट जगजीत सिंह के सम्मान व स्मृति में दो डाक टिकट भी जारी किए गए थे। उन्होंने शुरुआती शिक्षा श्रीगंगानगर के खालसा स्कूल से प्राप्त की, जिसके बाद पढ़ने के लिए वे जालंधर चले गए। वहां उन्होंने स्नातक की डिग्री प्राप्त की और बाद में कुरुक्षेत्र के विश्वविद्यालय से इतिहास में पोस्ट ग्रेजुएशन किया। जगजीत सिंह का जन्म श्रीगंगानगर में हुआ था और उन्हें बचपन में जगमोहन सिंह उर्फ जीत के नाम से पुकारा जाता था। लेकिन उनके करोड़ों सुनने और चाहने वाले सिंह साहब को कुछ ही सालों में जग को जीतने वाले जगजीत सिंह कहने लगे। जगजीत के सिर पर बचपन से ही गायक बनने की धुन सवार थी और श्रीगंगानगर में ही पंडित छगनलाल शर्मा के सानिध्य में 2 साल तक उन्होंने शास्त्रीय संगीत सीखने की शुरुआत की। स्थानीय निवासी ने बताया कि जहां पर गजल सम्राट जगजीत का घर था, आज उसी घर को तोड़कर हॉल बनाया जा रहा है। यह घर जगजीत सिंह के नाम से ही बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उनका बचपन यहीं पर बीता था और इन्हीं गलियों से वे गुजरते थे। उन्होंने कहा कि यहां के पुराने घर को जब तोड़ा गया, तब दूर-दराज से पहुंचे लोग पुराने घर की इंटे और मिट्टी भी अपने साथ ले गए। मई से जब यह हॉल बनना शुरू हुआ, तब से गुजरात व महाराष्ट्र से लोग यहां पर आ रहे हैं, जो आज भी अपने दिलों में जगजीत सिंह को जिंदा बनाए रखे हुए हैं।

पूर्व सीएम अशोक गहलोत को हुआ हैप्पी हाइपॉक्सिया

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत इन दिनों स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं। हाल ही में कोविड और स्वाइन फ्लू से संक्रमित पाए गए अशोक गहलोत को हैप्पी हाइपॉक्सिया भी हो गया है। खुद गहलोत ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि ऑक्सीजन की कमी वाली यह दिक्कत खतरनाक है, लेकिन डॉक्टरों ने समय रहते उनके शरीर में इस दिक्कत की पहचान कर ली है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर अपनी नई समस्या के बारे में बताया और लोगों को सतर्क रहने की भी सलाह दी। गहलोत ने कहा, हाल में तमाम नई रिसर्च से पता चला है कि कोविड के दौरान एवं कोविड के बाद भी शरीर में ऑक्सीजन लेवल की कमी हो जाती है जिसे हैप्पी हाइपॉक्सिया कहते हैं। इस बीमारी में कई बार मरीज को भी पता नहीं चलता क्योंकि सांस लेने में भी तकलीफ नहीं होती परन्तु समय पर डाइग्नोसिस ना हो तो यह बेहद खतरनाक साबित हो सकता है उन्होंने आगे कहा, मेरे साथ भी कोविड के कारण हैप्पी हाइपॉक्सिया की स्थिति बनी पर डॉक्टर्स ने इसे समय रहते पहचान लिया परन्तु इससे मुझे 5-6 दिन बहुत परेशानी हुई। अगर आपको शरीर में कोई भी परेशानी लगे तो अपना ऑक्सीजन लेवल जरूर चैक करते रहें। आजकल तमाम तरह के वायरल इन्फेक्शन फैल रहे हैं इसलिए डॉक्टर्स भी मरीजों को समय-समय पर ऑक्सीमीटर का इस्तेमाल कर ऑक्सीजन लेवल मापने की सलाह अवश्य दें।

उत्तर भारत में ठंड से मिली थोड़ी राहत

नई दिल्ली । उत्तर भारत ठंड से थोड़ी राहत मिल गई है। दिल्ली और यूपी में तेज धूप निकल रही है जिससे ठंड में कमी आई है। हालांकि शीतलहर से देश की राजधानी दिल्ली के मौसम में नमी है। मौसम विभाग ने कुछ पूर्वी राज्यों में बारिश होने की संभावना जताती है। मौसम पूर्वानुमान एजेंसी स्काईमेट के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ एक चक्रवाती परिसंचरण के रूप में उत्तरी पाकिस्तान और जम्मू संभाग तथा पंजाब पर बना हुआ है। वहीं उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल के निचले स्तरों पर एक चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है। साथ ही एक अन्य चक्रवाती परिसंचरण दक्षिण पूर्व मध्य प्रदेश और उसके आस-पास बना हुआ है। इसके अलावा एक ट्रफ रेखा दक्षिण पूर्व मध्य प्रदेश पर बने चक्रवाती परिसंचरण से लेकर विदर्भ और मराठवाड़ा होते हुए उत्तरी आंतरिक कर्नाटक तक फैली हुई है। इन्ही कारणों की वजह से देश की मौसमी गतिविधियों में बदलाव हो रहे हैं। दिल्ल और एनसीआर में तेज धूप निकलने से तापमान में बढ़ोतरी हुई है। हालांकि पहाड़ी इलाकों में हो रही बर्फबारी की वजह से देश की राजधानी में सर्द हवाएं चल रही हैं।

शासन और प्रशासन हैं लोकतंत्र के रथ के दो पहिये, राजपत्रित अधिकारी महासंघ की 38वीं वर्षगांठ पर बोले एकनाथ शिंदे

मुंबई (एजेंसी)। शासन और प्रशासन लोकतंत्र के रथ के दो पहिये हैं। अगर ये दोनों पहिये एक समान ही गति से चलें तो विकास तेजी से होता है। इसका उदाहरण राज्य में देखा जा सकता है, यह बातें मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कही हैं। राजपत्रित अधिकारी महासंघ की 38वीं वर्षगांठ के अवसर पर बांद्रा में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री बोल रहे थे। इस कार्यक्रम में कोंकण विभाग के आयुक्त महेंद्र कल्याणकर, मुंबई उपनगर के जिला अधिकारी राजेंद्र क्षीरसागर, राजेंद्र भोसले, महासंघ के मुख्य सलाहकार ग. दि. कुलथे,अध्यक्ष विनोद देसाई, कोषाध्यक्ष नितीन काले, कल्याण केंद्र समन्वयक श्री टाव्हरे, महासचिव समीर भाटकर आदि उपस्थित थे।

राज्य के कामकाज में अधिकारियों का बड़ा योगदान बताते हुए मुख्यमंत्री श्री शिंदे ने कहा कि राज्य के कामकाज में आपका काम महत्वपूर्ण है। अधिकारी नियमों का पालन करते हुए काम करते हैं। अधिकारी वर्ग को नियमों के तहत काम करने का अच्छा ज्ञान होता है। अधिकारी सरकार का अभिन्न अंग हैं। हम राज्य की गाड़ी चलाने वाले रथ के पहिये हैं। लेकिन साथ ही इन पहियों को सुचारू रूप से चलाने का काम अधिकारी वर्ग द्वारा किया जाता है। मुख्यमंत्री श्री शिंदे ने यह भी कहा कि सरकार और प्रशासन के अच्छे काम से राज्य में सकारात्मक माहौल बना हुआ है।

मुख्यमंत्री श्री शिंदे ने कहा, सरकार राज्य के किसानों, मजदूरों, श्रमिकों, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों के लिए कई योजनाएं लागू कर रही है। अनेक जनकल्याणकारी निर्णय ले जा रहे हैं। इन योजनाओं और निर्णयों को जन-जन तक पहुंचाने और इसका लाभ लोगों तक पहुंचाने का काम प्रशासन कर रहा है। अधिकारी सरकार की छवि बनाने के लिए काम कर रहे हैं। सरकार लोगों के जीवन में अच्छे दिन लाना चाहती है। इसी के मद्देनजर अधिकारी योजनाएं क्रियान्वित कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में बड़े पैमाने पर इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण किया जा रहा है। यही वजह है कि आज विदेशी निवेशक राज्य की तरफ आकर्षित हो रहे हैं। पिछले वर्ष दावोस में हस्ताक्षर किये गए समझौता ज्ञापन (एमओयू) में से 80 फीसदी पूरे हो चुके हैं। इस वर्ष 353 हजार करोड़ रुपये के एमओयू पर हस्ताक्षर किये गये हैं। महाराष्ट्र को उद्योगों के लिए अनुकूल माहौल वाले राज्य के रूप में जाना जाता है।

विदेशी निवेश में राज्य देश में प्रथम स्थान पर है। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में भी राज्य की बड़ी हिस्सेदारी है। हम यह सब अधिकारियों की मदद से कर रहे हैं। अधिकारियों के काम की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री श्री शिंदे ने कहा कि जनता की भलाई के लिए काम करने वाले अधिकारी लोकप्रिय होते हैं।

अधिकारियों को जनोन्मुख काम करने की सलाह देते हुए मुख्यमंत्री श्री शिंदे ने कहा कि अधिकारियों को ज्यादा से ज्यादा लोगों से मिलना चाहिए। अधिकारी जनता से जितना ज्यादा मिलेंगे, काम उतना अच्छा होगा और मेरे पास आने वाले लोगों की संख्या कम होगी।

तारीख पर तारीख : सीएम केजरीवाल को दो बार जाना होगा अदालत

नई दिल्ली। दिल्ली के सीएम और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल के नाम बुधवार को अदालत ने दो समन जारी किए हैं। दो अलग-अलग मामलों में इस महीने उन्होंने कोर्ट में पेश होकर अपना पक्ष रखना होगा। 17 फरवरी और 29 फरवरी को उन्हें कोर्ट में हाजिर होने को कहा गया है।अदालत ने कथित आबकारी घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में ईडी द्वारा जारी समन को नजरअंदाज करने की शिकायत पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। ईडी ने 3 फरवरी को अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट दिव्या मल्होत्रा के समक्ष शिकायत दी थी। एजेंसी ने पीएमएलए की धारा 50 (समन जारी करने की शक्ति) के तहत केजरीवाल को जारी समन का पालन नहीं करने और जांच में शामिल नहीं होने पर शिकायत दर्ज की गई थी। अदालत ने अपने आदेश में माना कि प्रथम दृष्टया आईपीसी की धारा 174 के तहत अपराध हुआ है। कोर्ट ने शिकायत पर संज्ञान लेते हुए केजरीवाल को समन भेजा है। मामले में आप के तीन नेताओं, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, सांसद संजय सिंह और विजय नायर को ईडी पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।यूट्यूबर ध्रुव राठी का एक विवादित वीडियो रीट्वीट करने के मामले में भी दिल्ली के सीएम को 29 फरवरी को कोर्ट में पेश होना होगा। केजरीवाल को बुधवार को ही राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश होना था। लेकिन उनके वकील ने बजट में व्यस्तता का हवाला देत हुए व्यक्तिगत पेशी से छूट मांगी। अदालत ने बुधवार को छूट दे दी। लेकिन 29 फरवरी को पेश होने का आदेश दिया है।

पूर्वोत्तर बहुमूल्य प्राकृतिक सुंदरता, प्रतिभाशाली लोगों से समृद्ध है: राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बृहस्पतिवार को कहा कि पूर्वोत्तर बहुमूल्य प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर है और वहां के लोगों में अद्भुत प्रतिभा है जो उनके नृत्य, संगीत, वेशभूषा, हस्तशिल्प और व्यंजनों में दिखाई देती है। राष्ट्रपति भवन में विविधता का अमृत महोत्सव का उद्घाटन करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि पूर्वोत्तर में भारतीय संस्कृति के कई खूबसूरत और विविध रूप देखने को मिलते हैं।

मुर्मू ने कहा कि यह बहुत खुशी की बात है कि विविधता का अमृत महोत्सव का पहला संस्करण पूर्वोत्तर के उत्सव के साथ शुरू किया जा रहा है। राष्ट्रपति भवन द्वारा जारी एक बयान में मुर्मू के हवाले से कहा गया, ''पूर्वोत्तर को बहुमूल्य प्राकृतिक सुंदरता का आशीर्वाद प्राप्त है। वहां के लोगों में अद्भुत प्रतिभा है जो नृत्य, संगीत, वेशभूषा, हस्तशिल्प और व्यंजनों में दिखाई देती है।'' राष्ट्रपति ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विविधता ही उसकी ताकत है। मुर्मू ने कहा, ''यह हमारी सौम्य शक्ति है। इस विविधता का जश्न मनाने से हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और उसमें निहित एकता का प्रदर्शन और अनुभव दोनों होगा।''

उन्होंने विश्वास जताया कि इस महोत्सव में बड़ी संख्या में लोग आएंगे और पूर्वोत्तर की सांस्कृतिक ऊर्जा का अनुभव करेंगे। भारत की समृद्ध विविधता का जश्न मनाने और प्रदर्शित करने के लिए राष्ट्रपति भवन में विविधता का अमृत महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस महोत्सव को सात विशिष्ट संस्करणों-पूर्वोत्तर, दक्षिण, उत्तर, पूर्व, पश्चिम, मध्य क्षेत्र और केंद्र शासित प्रदेश के रूप में बांटा गया है। इस महोत्सव का पहला संस्करण उत्तर-पूर्व पर केंद्रित है। यह महोत्सव असम, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, त्रिपुरा, मिजोरम, मेघालय और सिक्किम की सुंदरता, समृद्ध विरासत और जीवंत संस्कृतियों को प्रदर्शित करता है। यह महोत्सव आम जनता के लिए 8 से 11 फरवरी तक सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक खुला रहेगा।

दिल्ली दौरे पर नीतिश, भारत रत्न आडवाणी से की मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के सीएम नीतीश कुमार दो दिनों से दिल्ली दौरे पर हैं। इस दौरान सीएम कुमार ने गुरुवार को पूर्व उप प्रधानमंत्री लाल कृष्ण आडवाणी से मुलाकात की। बीजेपी के दिग्गज नेता आडवाणी से मुलाकात करने के लिए नीतीश उनके दिल्ली स्थित आवास पर पहुंचे और उनके साथ कुछ समय गुजारा। इसके पहले नीतीश ने दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से भी मुलाकात की थी एनडीए गुट में वापसी के बाद नीतीश की दिल्ली यात्रा कई मायनों में अहम मानी जा रही है।

इतना ही नहीं गुरुवार को नीतीश ने दिल्ली में अपनी पार्टी के कई सांसदों से भी मुलाकात की, साथ ही राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद पार्टी के दफ्तर में गए। नीतीश ने जदयू के सांसद अजय मंडल, कविता सिंह, कौशलेंद्र कुमार, चंदेश्वर चंद्रवंशी, रामनाथ ठाकुर, दुलाल चंद्र गोस्वामी, संतोष कुशवाहा सहित कई अन्य नेताओं से बात की।

कांग्रेस को आप ने दिया झटका, असम की तीन सीटों पर उतारे अपने उम्मीदवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिया गठबंधन में शामिल आम आदमी पार्टी (आप) ने गुरुवार को असम में तीन लोकसभा सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा की। आप के राज्यसभा सांसद संदीप पाठक ने उम्मीद करते हुए तीन नामों की घोषणा की कि इंडिया गठबंधन इन निर्वाचन क्षेत्रों से अनुमति देगा। मनोज धनोहर डिब्रूगढ़ से, भावेन चौधरी गुवाहाटी से और ऋषि राज सोनितपुर से आप के टिकट पर चुनाव मैदान में उतरे हैं।

आप नेता पाठक ने इंडिया ब्लॉक के प्रति आप की प्रतिबद्धता पर जोर दिया लेकिन आम चुनावों के लिए तैयार रहने की आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि हम एक परिपक्व और समझदार गठबंधन के भागीदार हैं और हमें पूरा विश्वास है कि भारतीय गुट इस बात को स्वीकार करेगा। लेकिन चुनाव जीतना सबसे महत्वपूर्ण है। हम इन तीन सीटों के लिए तुरंत तैयारी शुरू कर रहे हैं। पाठक ने गठबंधन सहयोगियों से बातचीत की प्रक्रिया में तेजी लाने और अभियान की तैयारियों पर ध्यान केंद्रित करने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि काफी समय से बातचीत चल रही है। बातचीत का कोई निष्कर्ष नहीं निकल पा रहा है। मेरा मानना ??है कि चूंकि चुनाव करीब हैं, इसलिए हमारे पास करने के लिए समय कम है और काम ज्यादा है। मुझे उम्मीद है कि ये सीटें इंडिया गठबंधन द्वारा स्वीकार कर ली जाएंगी और आप को दे दी जाएंगी।

आप नेता ने कहा कि सभी चीजों में तेजी लाई जानी चाहिए। कई महीनों से बातचीत चल रही है लेकिन अब तक कोई नतीजा नहीं निकला है। हम मोदी सरकार के खिलाफ लड़ाई में इंडिया ब्लॉक के साथ हैं। गठबंधन पर सभी फैसले तुरंत लिए जाएं। आप नेता ने स्पष्ट किया कि पार्टी पूरी तरह से भारत गठबंधन के साथ है और एक समझदार भागीदार है। उन्होंने कहा कि हालाँकि, लोकसभा चुनाव अभी कुछ महीने दूर हैं, चुनाव लड़ना है तब तैयारी करनी पड़ेगी। इंडिया ब्लॉक पार्टनर कांग्रेस के साथ सीट बंटवारे पर आगे की बातचीत के बीच पहली सूची सामने आई।

मप्र विधानसभा: बम की माला पहनकर विधानसभा पहुंचे हरदा विधायक

- प्रतीकात्मक सुतली बम की माला पहनकर विधानसभा पहुंचे

- घटना गम्भीर है और इस पर चर्चा होनी चाहिए : तोमर

-कांग्रेस बम और आतंकवाद की जड़ है : रामेश्वर शर्मा

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश विधानसभा सत्र के दूसरे दिन हरदा के कांग्रेस विधायक रामकिशोर दोगने प्रतीकात्मक सुतली बम की माला पहनकर विधानसभा पहुंचे। विधानसभा में अंदर घुसने से पहले सुरक्षाकर्मियों ने माला छीन ली। हरदा में पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट के बाद हुए जानमाल के नुकसान को लेकर विपक्ष ने सदन में चर्चा की मांग की है। उनका आरोप लगाया कि यह फटका फैक्ट्री भाजपा नेताओं के संरक्षण में ये फटका फैक्ट्री चल रही थी।

मध्यप्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के दूसरे दिन जमकर हंगामा हुआ। हरदा फैक्ट्री विस्फोट हादसे को लेकर कांग्रेसी विधायकों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान हरदा विधायक रामकिशोर दोगने सुतली बम की प्रतिकात्मक माला पहनकर विधानसभा पहुंचे। उन्होंने विधानसभा में गांधी प्रतिमा के समक्ष धरना भी दिया। उन्होंने कहा कि चार लाख मुआवजे और कलेक्टर एसपी को हटाने से कुछ नहीं होगा। दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजप नेताओं के संरक्षण में ये फटका फैक्ट्री चल रही थी। लोगों के जीवन तबाह हो गए हैं। सरकार को इस मामले में संवेदनशीलता दिखानी चाहिए।

इसके जबाब में भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने तंज कस्ते हुए कहा कि कांग्रेस वैसे ही बम की माला पहनकर घूम रही है। कांग्रेस बम और आतंकवाद की जड़ है। कांग्रेस यह तमाशा न करे। मानवीय आधार पर सरकार की कार्रवाई पर सहयोग करे। बम की माला पहनना लोकतंत्र के जनप्रतिनिधियों को शोभा नहीं देता। कांग्रेस द्वारा स्थगन प्रस्ताव लाने पर कहा विधायक शर्मा ने कहा कि कांग्रेस खुद स्थगित है वो क्या स्थगन प्रस्ताव लाएगी।

दूसरी ओर, हरदा हादसे पर विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कांग्रेस का स्थगन प्रस्ताव को मंजूर

कर लिया और वे डेढ़ घंटे की चर्चा के लिए राजी हो गए। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि घटना गम्भीर है और इस पर चर्चा होनी चाहिए। कांग्रेस ने इस स्थगन प्रस्ताव मंजूर करने के लिए स्पीकर को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि केवल एसपी और कलेक्टर को हटाने से कुछ नहीं होगा। यह स्पष्ट है कि बिना पुलिस की सहमति के इतनी बड़ी फैक्ट्री संचालित नहीं हो सकती।

राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' 19 फरवरी को अमेठी पहुंचेगी

अमेठी (उप्र)(एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की अगुवाई में निकाली जा रही 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' आगामी 19 फरवरी को उनके पूर्व संसदीय निर्वाचन क्षेत्र अमेठी पहुंचेगी।

राहुल इस दौरान कई जनसभाओं को भी सम्बोधित करेंगे। इसके लिये व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं।

कांग्रेस के जिला महासचिव अनिल सिंह ने बृहस्पतिवार को बताया कि कांग्रेस की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' 19 फरवरी को प्रतापगढ़ जिले के रामपुर विधानसभा क्षेत्र के अठेहा से निकलकर अमेठी विधानसभा के ककवा में दाखिल होगी। इसके बाद यह यात्रा महाराजपुर होते हुए अमेठी, गौरीगंज, गांधीनगर, जायस और फुरसतगंज के रास्ते रायबरेली रवाना हो जाएगी।

इस दौरान राहुल गौरीगंज के बाबूगंज सगरा आश्रम के पास एक बड़ी जनसभा को सम्बोधित करेंगे। इसके अलावा वह यात्रा के दौरान जगह-जगह जनसमूह को सम्बोधित करेंगे। वह फुरसतगंज में रात्रि विश्राम भी करेंगे। उन्होंने बताया कि यात्रा को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने के लिये पार्टी व्यापक रूपरेखा तैयार कर रही है। यात्रा को लेकर पार्टी के नेताओं एवं लोगों में खासा उत्साह है। यात्रा को सफल बनाने के लिये बड़े पैमाने पर भीड़ जुटाने की योजना है। अमेठी के कांग्रेस नेता, कार्यकर्ता और आम जनता उम्मीद लगाए है कि इस यात्रा के दौरान राहुल अमेठी से अगला लोकसभा चुनाव लड़ने का कोई न कोई संकेत देंगे। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय पूर्व में यह दावा कर चुके हैं कि राहुल अमेठी से ही चुनाव लड़ेंगे, लेकिन अब तक गांधी परिवार की तरफ से इस संबंध में कोई भी संकेत नहीं दिया गया है। राहुल गांधी वर्ष 2002 से 2019 तक अमेठी से सांसद रह चुके हैं। वह वर्ष 2019 के चुनाव में भाजपा की स्मृति ईरानी से हार गए थे। राहुल गांधी आखिरी बार 25 फरवरी, 2022 को अपनी बहन प्रियंका के साथ अमेठी के दौरे पर आए थे। राहुल ने प्रियंका के साथ मुसाफिरखाना में विधानसभा चुनाव के पार्टी उम्मीदवार के पक्ष में एक जनसभा को संबोधित किया था। इसके अलावा राहुल ने अमेठी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत विशेश्वरगंज में कांग्रेस उम्मीदवार के लिये भी रैली करके वोट मांगे थे। राहुल करीब दो साल तक अमेठी से दूर रहने के बाद 19 फरवरी को एक बार फिर अमेठी आ रहे हैं। कांग्रेस की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' पिछले महीने 14 जनवरी को मणिपुर से शुरू हुई थी। यह यात्रा आगामी 16 फरवरी को चंदौली के रास्ते उ?तर प्रदेश में दाखिल होगी। यह यात्रा उत्तर प्रदेश में करीब 11 दिन रहेगी और लगभग 20 जिलों से होकर गुजरेगी। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव रायबरेली में इस यात्रा में शामिल होंगे।

सीएम अरविंद केजरीवाल 'भ्रष्टाचार के दलदल' में फंस गए हैं : अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बृहस्पतिवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा कि जिस व्यक्ति ने पहले भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाई थी आज वह खुद ''भ्रष्टाचार के दलदल'' में फंस गया है। ठाकुर की यह टिप्पणी दिल्ली की एक अदालत द्वारा केजरीवाल को 17 फरवरी को तलब किए जाने के बाद आई है। आबकारी नीति से जुड़े मामले में बार-बार समन जारी किए जाने के बावजूद पेश नहीं होने पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की शिकायत के बाद अदालत ने केजरीवाल से अपने समक्ष पेश होने को कहा है।

ठाकुर ने कहा, ''कब तक केजरीवाल भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों से बचेंगे। अब समय है कि वह अदालत के समक्ष पेश हों।'' भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता ठाकुर ने कहा कि केजरीवाल को अदालत में सच बोलना चाहिए और सुर्खियों में आने के इरादे से मीडिया में झूठे आरोप नहीं लगाने चाहिए। ठाकुर ने कहा, ''जिन्होंने भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाई अब वे भ्रष्टाचार के दलदल में फंसे हैं। एक नहीं, बल्कि ईडी के पांच नोटिस को नजरअंदाज किया गया और अब अदालत ने उन्हें अपने समक्ष पेश होने का आदेश दिया है।'' उन्होंने कहा कि केजरीवाल की झूठे आरोप लगाने और बाद में अदालत में माफी मांगने की आदत रही है।

दुनिया के पांच मुस्लिम देशों में वैलेंटाइन डे मनाने पर लगी हुई है रोक

क्वालालंमपुर । हर साल 14 फरवरी को दुनिया की अलग-अलग जगहों पर वैलेंटाइंस डे मनाया जाता है। लेकिन ऐसे 5 मुस्लिम देश भी हैं जहां इस दिन को सेलिब्रेट करने की मनाही है। वैसे तो वैलेंटाइंस डे 14 फरवरी को मनता है, लेकिन शुरुआत 7 फरवरी को ही हो जाती है। लोग इसके लिए खूब प्लानिंग करते हैं, लेकिन कुछ देशों में इसे मनाने पर प्रतिबंध है। इसलिए वहां वेकेशन मनाने नहीं जाना है वरना लेने के देने पड़ जाएंगे। दुनिया में 5 देश ऐसे हैं जहां वैलेंटाइंस डे के कल्चर को बिल्कुल भी एक्सेप्ट नहीं किया जाता है। बता दें ?कि मलेशिया में साल 2005 में इस देश में फैसला लिया गया था कि वहां वैलेंटाइंस डे सेलिब्रेट नहीं किया जाएगा। इसके लिए फतवा भी जारी किया गया था। इस दिन को नैतिक पतन और युवा पीढ़ी की बर्बादी माना जाता है। हालांकि लोग चोरी-छिपे आज भी इसे मना लेते हैं लेकिन सार्वजनिक तौर पर कुछ किया तो गिरफ्तारी हो सकती है। दूसरा देश है उज्बेकिस्तान, यहां भी साल 2012 तक वैलेंटाइंस डे मनाया जाता था। बाद में इस इस्लामिक देश के शिक्षा मंत्रालय और नैतिक मूल्यों का प्रचार देखने वाले विभाग ने इस पर पाबंदी लगाने का फैसला कर लिया। तीसरा देश ईरान है, इसमें भी साल 2010 में वैलेंटाइंस डे पर आधिकारिक पाबंदी लगाई गई थी। यहां भी सरकार की ओर से कहा गया कि ये नैतिक पतन वाला सेलिब्रेशन है, जो पश्चिमी सभ्यता को बढ़ावा देता है। चौथा है पड़ोसी देश पाकिस्तान, वहां भी इस दिन को इस्लामिक मूल्यों के खिलाफ माना जाता है। साल 2018 में यहां एक याचिका भी दायर हुई थी, जिसमें वैलेंटाइंस डे को इस्लामिक शिक्षा के खिलाफ बताया गया था। कोर्ट ने इस पर रोक भी लगा दी। अब बात करते हैं सऊदी अरब में वैलेंटाइंस डे की, यहां भी इसे बढ़ावा नहीं दिया जाता।

घायल, बीमार फिलिस्तीनियों की जान बचाने बेहतर इलाज की जरुरत

गाजा । गाजा पट्टी में घायल, बीमार फिलिस्तीनियों की जान बचाने के लिए उनके बेहतर इलाज की जरुरत बताई जा रही है। गाजा पट्टी में कम से कम 11,000 घायल और बीमार फिलिस्तीनियों को इलाज के लिए तत्काल दूसरे देशों में भेजे जाने की जरूरत बताई जा रही है। हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को यह जानकारी दी है। मंत्रालय के प्रवक्ता अशरफ अल-केदरा ने एक बयान में कहा कि मरीजों की जान बचाने की जरूरत है क्योंकि गाजा में चल रहे इजरायली युद्ध के कारण चिकित्सा कर्मचारियों और उपकरणों की कमी के बीच मंत्रालय उनके लिए सभी चिकित्सा सेवाएं प्रदान नहीं कर सकता है। उन्होंने यह भी कहा कहा कि वर्तमान में मंत्रालय उत्तरी गाजा में अस्पतालों के कुछ हिस्सों को संचालित करने में सक्षम है, लेकिन हमें अपना काम जारी रखने के लिए चिकित्सा आपूर्ति और ईंधन के आगमन और दक्षिण से चिकित्सा टीमों की वापसी की आवश्यकता है। इस संबंध में मंत्रालय ने कहा कि गाजा पर चल रहे इजरायली हमलों में अब तक महिलाओं और बच्चों सहित 27,708 फिलिस्तीनी मारे गए हैं, जबकि 67,147 अन्य घायल हुए हैं। बताया जा रहा है ?कि फिलिस्तीन शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) के अनुसार, पट्टी में इसकी 84 प्रतिशत स्वास्थ्य सुविधाएं इजरायली हमलों के कारण बुरी तरह से प्रभावित हुई हैं।

चलती कार पर किया ड्रोन से हमला, तीन लोगों की हुई मौत

बगदाद । इराक की राजधानी पूर्वी बगदाद में बुधवार को एक चलती कार पर ड्रोन से हमला करने के दौरान तीन लोगों की मौत के समाचार मिले हैं। बताया जा रहा है ?कि यहां एक अर्धसैनिक हशद शाबी बल की कार पर हुए ड्रोन हमले में तीन लोगों की मौत हो गई। गृह मंत्रालय के एक सूत्र ने बताया कि हमला शाम को हुआ जब एक ड्रोन ने अल-मश्तल पड़ोस में अर्धसैनिक बलों के एक वाहन पर बमबारी की। बममारी से हुए विस्फोट के कारण आग लग गई और वाहन के अंदर तीन लोगों की मौत हो गई। इराकी सुरक्षा बलों ने घटनास्थल को सील कर दिया और एक नागरिक सुरक्षा टीम आग बुझाने के लिए रवाना हुई। सूत्र ने कार में मारे गए एक व्यक्ति की पहचान अबू बाकिर अल-सादी के रूप में की, जो इराक में ईरान समर्थित सशस्त्र समूह कातिब हिजबुल्लाह का कमांडर था, जिसका हशद शाबी बल या पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्सेज से संबंध है। हमले के बाद इराकी सुरक्षा बलों ने किसी भी सुरक्षा उल्लंघन की आशंका के चलते भारी किलेबंदी वाले ग्रीन जोन के आसपास सुरक्षा उपायों को मजबूत कर दिया, जिसमें अमेरिकी दूतावास सहित कुछ मुख्य सरकारी संस्थान और विदेशी राजनयिक मिशन शामिल हैं। इराकी ज्वाइंट ऑपरेशंस कमांड ने अपने संबद्ध मीडिया आउटलेट सिक्योरिटी मीडिया सेल के माध्यम से एक बयान में कहा कि स्थानीय समय रात 9:35 बजे अल-मश्तल पड़ोस में एक ड्रोन ने एक नागरिक कार को निशाना बनाया जिससे कार में सवार लोगों की मौत हो गई। यह हमला जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य अड्डे पर हाल ही में हुए ड्रोन हमले के बाद चल रही अमेरिकी जवाबी कार्रवाई का हिस्सा था।

अमेरिका में पीएचडी कर रहे भारतीय मूल के छात्र की मिली लाश, आत्महत्या का अंदेशा

वाशिंगटन। अमेरिका के पर्ड्यू विश्वविद्यालय में एक 23 वर्षीय भारतीय-अमेरिकी छात्र की लाश मिली है। अधिकारियों ने सिर पर खुद को मारी गई बंदूक की गोली से उसकी मौत होना बताया है। समीर कामथ जो एक अमेरिकी नागरिक था वह 5 फरवरी को शाम लगभग 5 बजे विलियम्सपोर्ट, इंडियाना में लैंड ट्रस्ट ग्रो ग्रोव के जंगल में मृत पाया गया। वॉरेन काउंटी कोरोनर कार्यालय के कोरोनर जस्टिन ब्रुमेट ने बुधवार को कहा कि 6 फरवरी को क्रॉफड्सविले, इंडियाना में कामथ का फोरेंसिक शव परीक्षण किया गया था। जिसमें मौत का प्रारंभिक कारण सिर में गोली लगने का घाव है और कामथ की मृत्यु आत्महत्या से हुई है। इसके साथ ही कहा गया है कि कई अन्य स्थानीय और संघीय एजेंसियों के साथ मिलकर वॉरेन काउंटी कोरोनर कार्यालय द्वारा व्यापक जांच की गई है। एजेंसी ने कहा कि अब हम मौत का प्रारंभिक कारण और तरीका जारी करने में सक्षम हैं। यह जानकारी जारी करने से पहले, कामथ के परिवार को परिणामों के बारे में बता दिया गया था। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि कामथ मैकेनिकल इंजीनियरिंग में डॉक्टरेट थे। जानकारी के अनुसार उन्होंने मैसाचुसेट्स एमहर्स्ट विश्वविद्यालय से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री प्राप्त की और 2021 की गर्मियों में पर्ड्यू आए। कामथ को उनके लिंक्डइन प्रोफाइल के अनुसार, 2025 में डॉक्टरेट कार्यक्रम से स्नातक होना था। कामथ की मौत अमेरिका में भारतीय मूल और भारत के छात्रों के बीच दुखद घटनाओं में एक है। बता दें ?कि पिछले महीने भी एक अन्य पर्ड्यू छात्र 19 वर्षीय नील आचार्य, जिसके लापता होने की सूचना मिली थी, पर्ड्यू विश्वविद्यालय वेस्ट लाफायेट परिसर में मृत पाया गया था। बता दें कि नील आचार्य अमेरिकी नागरिक थे। आचार्य पर शव परीक्षण के दौरान कोई आघात या महत्वपूर्ण चोटें नहीं पाई गईं और इस समय किसी भी तरह की गड़बड़ी का संदेह नहीं है।

गागरा पर्वत पर है दुनिया की सबसे गहरी गुफा, तह तक पहुंचने में लगे 50 साल

अब्काज़िया । अब्काज़िया में गागरा पर्वत श्रृंखला में दुनिया की सबसे गहरी गुफा होने का दावा किया जा रहा है। वेरीओवकिना नाम की इस गुफा की तह तक जाने में 50 साल का वक्त लगा है। जानकारों की मों तो अब्खाज़िया में गागरा पर्वत श्रृंखला की वेरीओवकिना गुफा इतनी ज्यादा गहरी है कि इसमें बुर्ज खलीफा जैसी लगभग 3 इमारतें पूरी तरह से समा जाएं। इतना ही नहीं, लंदन स्थित शार्ड जैसी 7 इमारतों को ये निगल सकता है। इतनी गहरी होने के कारण ही इसके तह तक पहुंचने में 50 साल से ज्यादा का समय लगा था। दरअसल अब्काज़िया के गागरा पर्वत श्रृंखला में पाई जाने वाली वेरीओवकिना गुफा एक रूसी समर्थित अलगाववादी क्षेत्र है। यह कभी जॉर्जिया द्वारा शासित था और जमीन में 7,293 फीट तक फैला हुआ है। इस रूसी गुफा के तह तक पहुंचने के लिए 30 से अधिक बार प्रयास किए गए, जिसमें कुल 50 साल से ज्यादा समय लग गए। हालांकि, इसके तलहटी तक पहुंचने के बावजूद कहा जाता है कि अभी और भी बहुत कुछ खोजा जाना बाकी है। गुफा का प्रवेश द्वार 2 पहाड़ों के बीच स्थित है, जिन्हें फोर्ट्रेस और अम्ब्रेला के नाम से जाना जाता है। बताते हैं कि इसके अंदर जाना और रहस्यों को खोजने का प्रयास करना खतरे से भरा है। 2018 में ऐसा ही एक भयावह मामला सामने आया था, जब तलहटी में उतरी एक टीम अचानक आई बाढ़ में लगभग डूब गई थी। इस डरावनी घटना के गवाह रहे नेशनल ज्योग्राफिक के गुफा फोटोग्राफर रॉबी शोन ने कहा कि गुफा के अंदर एक होल से पानी आने लगा और हम मुंह फाड़े देखते रहे। वहां बने हमारे घर के अंदर पूरा पानी घुस गया। मैं उस आवाज को कभी नहीं भूल सकता।

लेबनान में इजरायली हवाई हमले में मारे गये लेबनान के शिते अमल मूवमेंट के तीन सदस्यों की मौत पर रोते बिलखते हुए लोग ।

जाम्बिया में हैजा से 600 की मौत, भारत ने मदद के लिए हाथ बढ़ाया

लुसाका। जाम्बिया में इस समय हैजा की बीमारी फैली हुई है। इससे अब तक करीब 600 मौतें हो चुकी हैं। इस बीच भारत ने जाम्बिया में मानवीय सहायता भेजी है। भारत ने एक कॉमर्शियल जहाज से लगभग 3.5 टन मानवीय सहायता भेजी है। इसमें पानी को शुद्ध करने वाली सप्लाई, क्लोरीन की गोलियां और ओआरएस पाउच आदि शामिल है। कोरोना काल के दौरान अनेकों देशों को मदद भेजने वाले भारत ने एक बार फिर से एक अफ्रीकी देश की मदद को हाथ आगे बढ़ाए हैं। इस देश में एक भीषण बीमारी का प्रकोप फैला हुआ जिससे सैकड़ों लोगों की मौत हो चुकी है। रिपोर्ट के अनुसार, जाम्बिया अपने इतिहास में सबसे खराब स्वास्थ्य संकटों में से एक का सामना कर रहा है। यहां अक्टूबर 2023 से हैजा से लगभग 600 लोग मारे जा चुके हैं और 15,000 से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं। जाम्बिया के 10 प्रांतों में से नौ में हैजा के मामले सामने आए हैं। हालांकि इनमें से अधिकांश मामले राजधानी लुसाका से सामने आए हैं। लुसाका की आबादी लगभग 30 लाख है। यहां अधिकारियों ने नेशनल हीरोज स्टेडियम के बाहर एक अस्थायी उपचार केंद्र स्थापित किया है। हैरानी की बात ये है जाम्बिया में हैजा से होने वाली मृत्यु दर लगभग 4 प्रतिशत है जोकि सामान्य से काफी ज्यादा है। हैजा में मृत्यु दर आमतौर पर 1 प्रतिशत से कम होती है। यूनिसेफ ने इसे एक विनाशकारी संख्या बताया है। प्रकोप को देखते हुए सरकार ने एक सामूहिक टीकाकरण कार्यक्रम भी शुरू किया है। अधिकारी बीमारी से प्रभावित समुदायों को हर दिन 24 लाख लीटर स्वच्छ पानी उपलब्ध करा रहे हैं। देशव्यापी जन जागरूकता अभियान भी चलाया गया है।

हमास की जड़ें खत्म करने से पहले युद्ध विराम नहीं होगा, इजरायल ने शर्तों को खारिज किया

तेल अवीव (एजेंसी)। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने संकल्प लिया है कि हमास को जड़ से खत्म करने के बाद ही दम लेंगे। यही वजह है कि वे दुनिया के किसी भी देश की सुनने को तैयार नहीं है। संघर्ष विराम की हर एक शर्त को नेतन्याहू ठुकरा रहे हैं। उनके मन में केवल और केवल हमास का खात्मा है। शायद यही वजह है कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को संघर्ष विराम और बंधकों को छोड़ने संबंधी समझौते के लिए हमास की शर्तों को खारिज कर दिया। नेतन्याहू ने शर्तों को भ्रामक बताया और कहा कि गाजा पर हमास के नियंत्रण को समाप्त करने तक युद्ध जारी रहेगा। उन्होंने पूर्ण विजय प्राप्त होने तक हमास के खिलाफ युद्ध लड़ने का संकल्प जताया।

हमास के जवाबी प्रस्ताव के अनुसार, पहले चरण के 45 दिनों के दौरान इजरायली जेलों में बंद सभी फिलीस्तीनी महिलाओं और बच्चों की रिहाई के बदले हमास सभी इजरायली महिला बंधकों, 19 वर्ष से कम उम्र के पुरुषों, बुजुर्गों और बीमारों को रिहा करेगा। दूसरे चरण के दौरान शेष पुरुष बंधकों को मुक्त कर दिया जाएगा, और तीसरे चरण में लड़ाई में मारे गए लोगों के अवशेषों का आदान-प्रदान किया जाएगा। प्रस्तावों के मुताबिक, हमास ने उम्मीद जताई है कि सीजफायर के तीसरे चरण के अंत तक दोनों पक्ष युद्ध की समाप्ति से जुड़े एक समझौते पर पहुँच जाएंगे।नेतन्याहू ने अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी

ब्लिंकन से मुलाकात के तुरंत बाद यह टिप्पणी की। ब्लिंकन संघर्ष विराम समझौते की उम्मीद में क्षेत्र की यात्रा कर रहे हैं। नेतन्याहू ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, हमास की भ्रामक मांगों के सामने आत्मसमर्पण करने से बंधकों को मुक्त नहीं कराया जा सकेगा, बल्कि यह एक और नरसंहार को आमंत्रित करेगा। उन्होंने कहा, हम पूरी तरह से जीत की ओर बढ़ रहे हैं।नेतन्याहू ने हमास को खत्म करने की कसम को दोहराते हुए कहा कि इजरायल के पास उसके (हमास) सर्वनाश के अलावा कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा, आज नहीं तो कल, कल नहीं तो परसों... हमास के सभी लोगों को खत्म किया जाएगा। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि हमास के खिलाफ पूर्ण जीत ही गाजा लड़ाई का एकमात्र समाधान है। इजरायल और फिलिस्तीन के गाजा पर नियंत्रण रखने वाले संगठन हमास के बीच पिछले साल अक्टूबर से जंग छिड़ी है। इस दौरान हजारों लोग मारे गए हैं। इस बीच हमास ने तीन चरणों वाले युद्धविराम का प्रस्ताव सौंपा रखा है। रिपोर्ट के अनुसार, हमास ने यह प्रस्ताव पिछले सप्ताह क़तर और मिस्र के मध्यस्थों द्वारा भेजे गए प्रस्ताव के जवाब में भेजा है।

मौजूदा भारत अब अमेरिका पर भरोसा नहीं करता: निकी हेली

वाशिंगटन (एजेंसी)। पूरी दुनिया में बढ़ती भारत की धाक के चर्चे चुनावों में भी होने लगे हैं। अमेरिकी चुनाव में भारत की बात हो रही है। अमेरिका के राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए रिपब्लिकन उम्मीदवार बनने की दौड़ में शामिल भारतवंशी दावेदार निकी हेली ने कहा कि मौजूदा भारत अब अमेरिका पर भरोसा नहीं करता है और उसे कमजोर समझता है। इतना ही नहीं, उन्होंने भारत और रूस के करीबी रिश्तों पर भी निशाना साधा। निकी ने कहा कि भारत स्मार्ट बन रहा है और उसने मौजूदा हालातों में रूस के साथ दोस्ती बनाए रखी।

राष्ट्रपति पद की महत्वाकांक्षी रिपब्लिकन उम्मीदवार निकी हेली ने कहा कि भारत अमेरिका के साथ भागीदार बनना चाहता है, लेकिन अभी तक उन्हें नेतृत्व करने के लिए अमेरिकियों पर भरोसा नहीं है। निकी ने यह भी कहा कि भारत ने मौजूदा वैश्विक स्थिति में चतुराई दिखाई है और रूस के साथ करीब रहा है। एक इंटरव्यू में 51 साल की हेली ने कहा कि फिलहाल भारत अमेरिका को कमजोर मानता है। निकी ने कहा, मैंने भारत को भी डील किया है। मैंने (प्रधानमंत्री नरेंद्र) मोदी से बात की है। भारत हमारे साथ भागीदार बनना चाहता है। वे रूस के साथ भागीदार नहीं बनना चाहते। लेकिन समस्या यह है कि भारत को हमारी जीत पर भरोसा नहीं है। उन्हें हम पर भरोसा ही नहीं है कि हम नेतृत्व कर सकते हैं। वे अभी देख रहे हैं कि हम निकी हेली ने कहा कि मौजूदा भारत अब अमेरिका पर भरोसा नहीं करता है और उसे कमजोर समझता है। इतना ही नहीं, उन्होंने भारत और रूस के करीबी रिश्तों पर भी निशाना साधा। निकी ने कहा कि भारत स्मार्ट बन रहा है और उसने मौजूदा हालातों में रूस के साथ दोस्ती बनाए रखी।

साउथ कैरोलाइना की पूर्व गवर्नर हेली ने कहा, जब हम फिर से नेतृत्व करना शुरू करेंगे, अपनी कमजोरी को दूर करना शुरू करेंगे, तभी हमारे दोस्त, भारत, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और इजरायल, जापान, दक्षिण कोरिया भी ऐसा करेंगे। उन्होंने जापान का उदाहरण देते हुए कहा कि उस देश ने चीन पर कम निर्भर होने के लिए खुद को अरबों डॉलर का प्रोत्साहन दिया है। उन्होंने फॉक्स बिजनेस न्यूज से कहा, भारत ने भी चीन पर निर्भरता कम करने के लिए खुद को एक अरब डॉलर का प्रोत्साहन दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिका को अपने गठबंधन बनाने की शुरुआत करने की जरूरत है।

चीन के कर्ज के बोझ में दबा मालदीव, आईएमएफ ने चेताया

वाशिंगटन । अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने चेतावनी दी है कि मालदीव, जिसने चीन से भारी मात्रा में उधार लिया है, 'बाह्य और समग्र ऋण संकट के उच्च जोखिम' में बना हुआ है। इसमें यह भी कहा गया कि 'तत्काल नीति समायोजन' की आवश्यकता है। नवंबर 2023 में चीन समर्थक राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के सत्ता संभालने के बाद से बीजिंग ने मालदीव के लिए अधिक फंडिंग का वादा किया है। मुइज्जू ने पिछले महीने बीजिंग की यात्रा के बाद विकास निधि के लिए 'निःस्वार्थ सहायता' के लिए चीन को धन्यवाद दिया। आईएमएफ ने मालदीव के विदेशी ऋण का विवरण नहीं दिया लेकिन कहा कि तत्काल नीति समायोजन की आवश्यकता है। आईएमएफ ने देश की अर्थव्यवस्था की समीक्षा के बाद कहा कि महत्वपूर्ण नीतिगत बदलावों के बिना, कुल राजकोषीय घाटा और सार्वजनिक ऋण ऊंचा रहने का अनुमान है। मालदीव में बाहरी और समग्र ऋण संकट का उच्च जोखिम बना हुआ है। यह द्वीप राष्ट्र, जो अपने सफेद रेत वाले समुद्र तटों के लिए प्रसिद्ध है और जहां की अर्थव्यवस्था में पर्यटन का योगदान लगभग एक तिहाई है, कोविड-19 महामारी से आर्थिक रूप से उबर चुका है।

पाकिस्तान के चुनावी रुझान, बनेगी नवाज की सरकार

कांची (एजेंसी)। पाकिस्तान में आज गुरुवार को नई सरकार के लिए वोटिंग हो रही है। ऐसे में आज के दिन यहां पर मोबाइल सेवा स्थगित कर दी गई है, जिसके चलते आम जनता परेशान हो गई है। चुनावी रूझान की बात करें तो इमरान खान के जेल में होने की वजह से पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ रेस में आगे बताए जा रहे हैं। पाकिस्तान में जारी वोटिंग के बीच पाकिस्तान में मोबाइल नहीं चलेने से हाहाकार मच गया है। पाकिस्तान की आवाम चाह कर भी मोबाइल नहीं चला पा रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के आंतरिक मंत्रालय ने बिगड़ती सुरक्षा स्थिति के मद्देनजर पूरे पाकिस्तान में मोबाइल सेवाओं को अस्थायी रूप से सस्पेंड कर दिया है। इस संबंध में पाकिस्तान के आंतरिक मंत्रालय ने कहा कि देश के राष्ट्रीय चुनाव में मतदान शुरू होने के साथ ही सुरक्षा मजबूत करने के लिए पाकिस्तान ने गुरुवार को मोबाइल फोन सेवाओं को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। यह फैसला चुनाव से पहले आतंकवादी हमलों में वृद्धि के बीच आया है। इतना ही नहीं, जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने अपने समर्थकों से मतदान के बाद परिणाम घोषित होने तक मतदान केंद्रों के बाहर डटे रहने का आग्रह किया था। माना जा रहा है कि इन्हीं वजहों से मोबाइल सर्विस को सस्पेंड कर दिया गया है।

जबकि पाकिस्तान के आंतरिक मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में इसे देश में आतंकवादी घटनाओं के परिणामस्वरूप कदम उठना बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार घटनाओं में बहुमूल्य जानें चली गईं, कानून और व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने और संभावित खतरों से निपटने के लिए सुरक्षा उपाय आवश्यक हैं, इसलिए देश भर में मोबाइल सेवाओं का अस्थायी निलंबन किया गया है। बलूचिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी प्रांत में बुधवार को चुनाव कार्यालयों के पास हुए दो विस्फोटों में 26 लोगों की मौत हो गई। मोबाइल सेवाओं को बंद करने से वहां की आवाम मोबाइल नहीं चला पाने से परेशान हो रही हैं, उन्हें देश-दुनिया की कोई खबर भी मिल पा रही है।

पाकिस्तान में खत्म हुआ मतदान, अब परिणाम की बारी, शुरू हुई काउंटिंग

कांची (एजेंसी)। मतदाताओं ने अपने फैसले पर मुहर लगा दी है और अब यह निर्धारित करने के लिए वोटों की गिनती शुरू कर दी है। जल्द ही पता चल जाएगा कि लोगों ने दुनिया के पांचवें सबसे बड़े लोकतंत्र में 855 निर्वाचन क्षेत्रों में राष्ट्रीय और प्रांतीय विधानसभाओं के लिए अपने प्रतिनिधियों के रूप में किसे चुना है। 2024 के चुनाव विभिन्न पहलुओं में 2018 के पिछले चुनावों से आगे निकल गए, जिसमें 48 अरब रुपये का रिकॉर्ड बजट आवंटन, कुल आबादी के 50प्र. से अधिक मतदाताओं की संख्या में पर्याप्त वृद्धि, स्वतंत्र उम्मीदवारों का अभूतपूर्व अनुपात, कुल लगभग 18,000 शामिल हैं। उम्मीदवारों और 260 मिलियन मतपत्रों को छापने के लिए पर्याप्त मात्रा में कागज की आवश्यकता होती है।

14 लाख से अधिक मतदान कर्मचारी 90,675 मतदान केंद्रों पर अपना कर्तव्य निभा रहे हैं - जिनमें से 16,766 को अत्यंत संवेदनशील घोषित किया गया है। मतदान प्रतिशत सुनिश्चित करने के लिए 8 फरवरी को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया था। मतदान सुबह 8 बजे शुरू हुआ, पूरे देश में शाम 5 बजे तक जारी रहा, पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) ने कई निर्वाचन क्षेत्रों से अनियमितताओं की रिपोर्ट के बावजूद मतदान के लिए समय बढ़ाने

का फैसला नहीं किया। सुरक्षा स्थिति के कारण देश भर में मोबाइल और इंटरनेट सेवाएं निलंबित हैं। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) सहित शीर्ष राजनीतिक दलों ने सेवाओं की तत्काल बहाली की मांग की है।

चुनाव परिणाम आधी रात के कुछ घंटों बाद पूरा होने की उम्मीद है और ईसीपी के परिणाम प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से पूरा संकलन शुक्रवार के शुरुआती घंटों में किया जा सकता है। जियो न्यूज को चुनाव परिणाम प्राप्त हो गया है, हालांकि, निर्धारित समय से पहले परिणाम प्रसारित करने पर ईसीपी के प्रतिबंध के कारण इसे शाम 6 बजे के बाद प्रसारित किया जाएगा।

भारत-बांग्लादेश के संबंध पड़ोस के लिए आदर्श मिसाल, विदेश मंत्री हसन महमूद

नयी दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश के विदेश मंत्री हसन महमूद ने बृहस्पतिवार को कहा कि म्यांमा के साथ अपनी सीमा पर बाड़ लगाने के भारत के फैसले से इस देश के साथ ही क्षेत्र को अशांत देश से भड़क रहे उग्रवाद के मद्देनजर मदद मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि बांग्लादेश आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की अपनी नीति पर अडिग है। विचारक संस्था 'विवेकानंद इंटरनेशनल फाउंडेशन' (वीआईएफ) में एक परिचर्चा सत्र के दौरान महमूद ने करीब 12 लाख ''जबरन विस्थापित'' रोहिंग्या शरणार्थियों को बांग्लादेश पर ''बोझ'' बताया और म्यांमा में उनकी वापसी के लिए भारत से सहायता मांगी। भारत की यात्रा पर आए महमूद ने कहा कि शरणार्थी बांग्लादेश के लिए अन्य कठिनाइयों के अलावा पर्यावरण और सुरक्षा समस्याएं भी पैदा कर रहे हैं और बांग्लादेश की शेख हसीना सरकार शरणार्थियों के प्रवाह को रोकने के लिए संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर) के संपर्क में है। बांग्लादेश में हाल के संसदीय चुनावों की निष्पक्षता पर सवालों के जवाब में महमूद ने कहा कि यह देश के इतिहास में सबसे जीवंत, भागीदारीपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव था। पाकिस्तान से बांग्लादेश की मुक्ति में नयी दिल्ली की ऐतिहासिक भूमिका का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, ''भारत सरकार स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने में हमारे साथ खड़ी रही, जैसे वह 1971 में हमारे साथ खड़ी थी।'' पिछले महीने संसदीय चुनावों में प्रचंड जीत के बाद हसीना के पांचवें कार्यकाल के लिए सत्ता में आने के बाद महमूद अपनी पहली द्विपक्षीय विदेश यात्रा के तहत मंगलवार से भारत की चार दिवसीय यात्रा पर हैं। भारत और बांग्लादेश के बीच संबंधों की वर्तमान स्थिति को ''सुनहरा अध्याय'' बताते हुए महमूद ने कहा कि दोनों पक्ष अब तीन पहलुओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहे हैं, जिनमें आपसी विश्वास और आत्मविश्वास बढ़ाना, कनेक्टिविटी को बढ़ावा देना और सर्वांगीण आर्थिक सहयोग सुनिश्चित करना शामिल है। उन्होंने कहा, ''हम अपने संबंधों के सुनहरे अध्याय से गुजर रहे हैं। भारत-बांग्लादेश संबंध आज पड़ोस और लोकतंत्र के लिए एक आदर्श मिसाल है।'' बुधवार को विदेश मंत्री एस. जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ अपनी बातचीत का जिक्र करते हुए महमूद ने कहा कि रोहिंग्या, तीस्ता नदी जल

और सुरक्षा सहित कई मुद्दों पर चर्चा हुई।

जनजाति,आदिवासी, जौनसारी शामिल नही फिर कैसा समान नागरिक कानून!

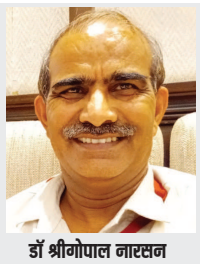

डॉ श्रीगोपाल नारसन

समान नागरिक कानून के लागू होने से पूरे देश में विवाह, तलाक, विभाजन, गोद लेने, विरासत और उतराधिकार एक समान हो जाएगा। ऐसे में महिलाओं को संपत्ति का सामान अधिकार मिल जाएगा,हालांकि सुप्रीम कोर्ट पहले ही उक्त बाबत विधिक व्यवस्था दे चुका है। अगर कोई गैर आदिवासी एक आदिवासी महिला से शादी करता है तो उसकी अगली पीढ़ी की महिला को जमीन का अधिकार मिलेगा,यह लाभ आदिवासियों को समान नागरिक कानून में शामिल होने से मिलता जिससे वे वंचित रह गए।

समान नागरिक संहिता का अभिप्राय है ,देश या राज्य में प्रत्येक नागरिक के लिए एक ही कानून होगा यानि कोई जातिगत व धर्मगत अथवा क्षेत्रगत आधार पर कोई भेदभाव कानून में नही होगा।यह अच्छा भी है कि प्रत्येक नागरिक को एक समान कानून से अनुशासित दायरे में रखा जाए।इस समान नागरिक कानून के लागू होने के बाद देश इस राज्य जहां भी यह कानून लागू हुआ है, में रहने वाले हर नागरिक के लिए एक समान कानून प्रभावी होगा, चाहे वह किसी भी धर्म या जाति का क्यों न हो। यानी हर धर्म, जाति, लिंग के लिए एक जैसा कानून। अगर समान नागरिक कानून लागू होता है तो विवाह, तलाक, बच्चा गोद लेना और संपत्ति के बंटवारे जैसे विषयों में सभी नागरिकों के लिए एक जैसे नियम होंगे।समान नागरिक संहिता भारत के संविधान के अनुच्छेद 44 का भाग है।भारतीय संविधान में इसे नीति निदेशक तत्व में शामिल किया गया है। संविधान के अनुच्छेद 44 में उल्लेख है कि सभी नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता लागू करना सरकार का दायित्व है।जिसकी पहल उत्तराखंड राज्य ने देश मे सबसे पहले की है,लेकिन उत्तराखंड द्वारा पारित समान नागरिक कानून की परिधि से जनजातियों, आदिवासियों व जौनसारियो को बाहर रखा गया है,जिसके पीछे उनकी परम्परा का हवाला दिया गया है,जबकि कोई न कोई परम्परा तो हर जाति धर्म मे है फिर सिर्फ उन्हें ही छूट क्यों दी गई,यह पूछने पर सरकार के स्तर से भी कोई संतोषजनक जवाब सामने नही आया है। लिव इन रिलेशनशिप मुद्दे पर भी मुख्यमंत्री पुष्कर धामी इन जनजातियों शामिल न करने की बाबत तर्क देते है कि, संविधान में ट्राइबल्स के लिए व्यवस्था की गई है, संविधान ने उनके पिछड़ेपन की वजह से, रहन-सहन की वजह से छूट दी गई है। जब हमारी कमेटी गई थी तो कमेटी के लोगों ने उन लोगों से बात की, उनके समूह से बात की। उन्होंने कहा कि उन्हें इसमें, समान नागरिक संहिता में शामिल होने में कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन कुछ समय हमें दे दिया जाए, कमेटी की सिफारिश के आधार और संविधान की भावनाओं के आधार पर ऐसाकिया है।लेकिन सवाल उठता है कि समय तो विपक्ष भी मांग रहा था ,इस कानून के ड्राफ्ट के अध्ययन के लिए,ड्राफ्ट को प्रवर समिति के पास भेजने के लिए सरकार को इतनी भी क्या जल्दी थी कि जनजातियों

ने समय मांगा और दे दिया,विपक्ष ने मांगा मना कर दिया और आनन फानन में यह कानून पारित,जिससे साफ है कि जल्दबाजी कानून की नही चुनाव में इस कानून का लाभ लेने की है।यह भी सही है कि समान नागरिक कानून लागू होने का नुकसान जनजातियों को उठाना पड़ेगा। यदि सरकार को उनके हितों की चिंता होती तो उन्हें समान नागरिक कानून से अलग नहीं रखा जाता।कुछ का तर्क है कि जनजातियों की संपत्ति पर समूह विशेष की नजर है जिस कारण उन्हें समान नागरिक कानून से अलग रखा गया है ।

अगर सरकार महिलाओं को बहुविवाह से बचाना चाहती है तो लिव इन पर रोक लगाई जानी चाहिए थी, लेकिन ऐसा नही हुआ। सरकार समान नागरिक कानून के जरिए लिव इन को स्वयं बढ़ावा दे रही है। तीन तलाक के विरुद्ध कानून बन पहले ही बन चुका है तो समान नागरिक कानून में इसे लाने का कोई औचित्य नहीं है। हलाला भी इस्लामिक कानून में दुष्कर्म के समान है, जिस पर सजा का प्रावधान है। संपत्ति में महिलाओं के अधिकार को लेकर भी शरीयत में पहले से व्यवस्था है। महिलाओं को दोनों ओर से अधिकार प्राप्त होते हैं। शादी से पहले हक मेहर की व्यवस्था होती है जो ससुराल पक्ष की ओर से दी जाती है। वहीं, पिता की संपत्ति में भी एक चौथाई हिस्सा लड़की को मिलता है।जब समान नागरिक कानून के जरिए लिव इन रिलेशनशिप को पंजीकरण की मान्यता दी जा रही है ,इससे हमारी संस्कृति प्रभावित होगी। इस तरह तो लिव इन रिलेशनशिप का पंजीकरण करा कर एक तरह से शादी घोषित हो जाएगी, जबकि लिव इन रिलेशन में रहने का मतलब किसी एक के साथ रहने से भी नहीं है। महिला और पुरुष एक दूसरे से अलग होने के बाद किसी और के साथ भी लिव इन में इस व्यवस्था के मुताबिक रहते सकते हैं तो इसमें संस्कृति कहां बच पाएगी ?हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 2(2) कहती है कि इसके प्रावधान अनुसूचित जनजातियों पर लागू नहीं होंगे,कानून की धारा 5(5) और 7 में कहा गया है कि प्रथागत प्रथाएं प्रावधानों पर हावी रहेंगी।लेकिन समान नागरिक कानून आने के बाद यह छूट नहीं मिल पाएगी। मुस्लिम पर्सनल (शरीयत) एप्लीकेशन एक्ट, 1937 में कहा गया है कि शरीयत या इस्लामी कानून के तहत शादी, तलाक और भरण-पोषण लागू होगा,लेकिन अगर समान नागरिक कानून आता है, तो शरीयत कानून के तहत तय विवाह की न्यूनतम उम्र बदल जाएगी और बहुविवाह जैसी प्रथाएं खत्म हो जाएंगी,यह लाभ जरूर इस कानून से हो सकता है।सिखों की शादी संबंधित कानून 1909 के आनंद विवाह अधिनियम के अंतर्गत आते हैं। इसमें तलाक का कोई प्रावधान नहीं है, ऐसे में तलाक के लिए उनपर हिंदू विवाह अधिनियम लागू होता है।लेकिन अगर समान नागरिक कानून आता है तो एक सामान्य कानून सभी समुदायों पर लागू होने से सुगमता रहेगी, ऐसे में आनंद विवाह अधिनियम भी खत्म किया जा सकता है।पारसी विवाह और तलाक अधिनियम, 1936 में प्रावधान है कि जो भी महिला किसी अन्य धर्म के व्यक्ति से शादी करती है, वह पारसी रीति-रिवाजों और रीति-रिवाजों के सभी अधिकार खो देगी, लेकिन समान नागरिक कानून आने पर यह प्रावधान भी समाप्त हो जाएगा। पारसी धर्म में गोद ली हुई बेटियों को अधिकार नहीं दिए जाते, जबकि गोद लिया बेटा सिर्फ पिता का अंतिम संस्कार कर सकता है। अगर समान नागरिक कानून लागू किया जाता है तो सभी धर्मों के लिए संरक्षकता और हिरासत कानून सामान्य रूप से स्वीकार्य हो जाएंगे और यह व्यवस्था खत्म हो जाएगी। ईसाई तलाक अधिनियम 1869 की धारा 10अ(1) के तहत आपसी सहमति से तलाक के लिए आवेदन देने से पहले पति-पत्नी को कम से कम दो साल तक अलग रहना अनिवार्य है। लेकिन समान नागरिक कानून आने के बाद ये बाध्यता भी खत्म हो जाएगी।सन 1925 का उत्तराधिकार अधिनियम ईसाई माताओं को उनके मृत बच्चों की संपत्ति में कोई अधिकार नहीं देता है,ऐसी सारी संपत्ति पिता को विरासत में मिलती है। समान नागरिक कानून आने पर यह प्रावधान भी खत्म हो जाएगा। आदिवासी समाज परंपराओं, प्रथाओं के आधार पर चलता है, ऐसे में समान नागरिक कानून में यदि आदिवासियों को शामिल किया जाता तो उनके सभी प्रथागत कानून खत्म हो जाते,लेकिन ऐसा हुआ नही है।यह इस समान नागरिक कानून की बड़ी खामी कही जा सकती है। इसी तरह से छोटानगपुर टेनेंसी एक्ट, संथाल परगना टेनेंसी एक्ट, एसपीटी एक्ट, पेसा एक्ट के तहत आदिवासियों को झारखंड में जमीन को लेकर विशेष अधिकार प्राप्त हैं, समान नागरिक कानून के लागू होने और उसमें इन लोगो को शामिल करने से उनके ये अधिकार खत्म हो जाएंगे।समान नागरिक कानून के लागू होने से पूरे देश में विवाह, तलाक, विभाजन, गोद लेने, विरासत और उतराधिकार एक समान हो जाएगा। ऐसे में महिलाओं को संपत्ति का सामान अधिकार मिल जाएगा,हालांकि सुप्रीम कोर्ट पहले ही उक्त बाबत विधिक व्यवस्था दे चुका है। अगर कोई गैर आदिवासी एक आदिवासी महिला से शादी करता है तो उसकी अगली पीढ़ी की महिला को जमीन का अधिकार मिलेगा,यह लाभ आदिवासियों को समान नागरिक कानून में शामिल होने से मिलता जिससे वे वंचित रह गए।

(लेखक विधिवेत्ता व वरिष्ठ पत्रकार है)

संपादकीय

एक अच्छी पहल

अंततः उत्तराखंड विधानसभा में मंगलवार को बहुप्रतीक्षित समान नागरिक संहिता विधेयक पेश हो गया। इस विधेयक पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी झड़पें हुई। प्रदेश में बीजेपी की सरकार बहुमत में है, उम्मीद की जानी चाहिए कि यह विधेयक सदन से पारित हो जाएगा। राज्य में यह कानून लागू होने के बाद बहुविवाह और हलाला जैसी प्रथाएं निष्प्रभावी हो जाएंगी। शादी-विवाह, तलाक और लिव-इन रिलेशनशिप का पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। विपक्ष द्वारा बार-बार सवाल उठाया जाता रहा है कि किसी भी राज्य को इस तरह के कानून लागू करने का वैधानिक अधिकार नहीं है। लेकिन कई राज्यों में इस तरह के कानून पारित हुए हैं। 1975 में केरल में हिन्दू कानून में संशोधन किया गया था जिससे महिलाओं को पारिवारिक संपत्ति में समान अधिकार प्राप्त हुए थे। समान नागरिक कानून बीजेपी का पुराना मुद्दा रहा है, और इसलिए इस कानून को लागू करने का उसे राजनीतिक अधिकार भी है। हालांकि विपक्षी दल दबे स्वर में इसका विरोध करते रहे हैं, जबकि मुस्लिम समाज का विरोध का स्वर बहुत मुखर है। जमीयत-उलेमा-हिन्द के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी का विास है कि यूसीसी लागू करना नागरिकों की धार्मिक स्वतंत्रता पर आघात करने की एक सोची-समझी साजिश है। यह उनका व्यक्तिगत नजरिया हो सकता है। वस्तुतः इस कानून के लागू होने से मुस्लिम महिलाओं को प्रतिगामी रूढ़ियों और प्रथाओं से मुक्ति के द्वार खुलेंगे। इस कानून के प्रावधानों के तहत पति या पत्नी के रहते दूसरी शादी पर सख्ती से रोक लगेगी। जाहिर है, इससे बहुविवाह निषेध होगा। इसी तरह जिन आधारों पर पति अपनी पत्नी को तलाक देते हैं, उन्हीं आधारों पर पत्नी भी पति से तलाक ले सकेंगी। उत्तराखंड विधानसभा में प्रस्तुत इस विधेयक में कुछ विसंगतियां भी हैं। उदाहरण के लिए आदिवासियों को बनने वाले कानून के दायरे से बाहर रखा गया है। व्यावहारिक रूप से देखा जाए तो किसी अच्छे या श्रेष्ठ कानून से किसी को बचाव का रास्ता नहीं होना चाहिए। लिव-इन रिलेशनशिप से संबंधित प्रावधान भी वस्तुतः निगहबानी की झीनी सी चादर में ढके हुए हैं। अगर समय सीमा के भीतर इसका पंजीकरण नहीं कराया गया तो दंड और जुमार्ने का प्रावधान किया गया है। इस कानून के प्रावधानों पर संदेह भी किया जाता रहेगा और इस पर बहस भी होती रहेगी। इस तरह के कानून को राष्ट्रीय स्तर पर लागू किया जाता तो ज्यादा प्रभावी होता।

संवैधानिक संस्थाओं का कमजोर होना लोकतंत्र के लिए अशुभ संकेत

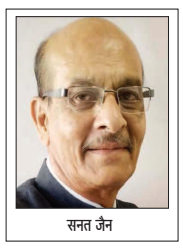

सनत जैन

पिछले 10 वर्षों में संवैधानिक संस्थाएं संविधान के अनुरूप अपना काम नहीं कर पा रही हैं। संवैधानिक संस्थाएं सरकार के ऊपर निर्भर होती जा रही हैं। संवैधानिक संस्थायें सरकार की इच्छा शक्ति पर काम करने के लिये मजबूर हैं। जिसके कारण संवैधानिक प्रावधानों का लगातार उल्लंघन हो जा रहा है। आम जनता में संवैधानिक संस्थाओं के प्रति जो आदर और सम्मान और विश्वास था, वह खत्म होता जा रहा है। जिसके कारण संविधान और लोकतंत्र दोनों ही खतरे में दिख रहे हैं। पिछले कई महीनो से जिस तरह से जनता विरोध करने सड़कों पर आकर खड़ी हो रही है। यह वर्तमान समय में सबसे चिंता का विषय है। लोकतांत्रिक संस्थाएं और संवैधानिक पदाधिकारी सवालों के घेरे में है। राज्यपाल, केंद्रीय चुनाव आयोग यहां तक की अब न्यायपालिका के ऊपर भी सरकार की इच्छा के अनुरूप काम करने के आरोप लग रहे हैं। जांच एजेंसियों के ऊपर भी सरकार के इशारे पर काम करने के आरोप लग रहे हैं। जांच एजेंसियों द्वारा पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह की मनमानी की जा रही है। संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकारों का संरक्षण भी संवैधानिक संस्थाओं द्वारा नहीं किया जा रहा है। जांच एजेंसियों और संवैधानिक पदाधिकारियों की निष्पक्षता भी अब विवादों में है। न्यायपालिका द्वारा पिछले कुछ वर्षों में विशेष रूप से हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट द्वारा जो निर्णय दिए गये हैं। वह एक तरह से आधे आधूरे और सरकार के किए हुए निर्णय पर अदालत की मोहर लगाने के रूप में देखे जा रहे हैं। जिसके कारण अब न्यायपालिका के खिलाफ भी लोग मुखर होकर अपनी बात कहने लगे हैं। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जो सेवा निवृत हो चुके हैं तथा जो वरिष्ठ वकील हैं, वह भी खुलकर न्यायपालिका की कार्यप्रणाली और उसकी निष्पक्षता को लेकर लगातार अपनी आवाज को मुखर कर रहे हैं। पिछले कुछ समय से उच्च न्यायालयों द्वारा सरकार के पक्ष में जो निर्णय दिए जा रहे हैं। उनमें तथ्यों को अनदेखा किया जा रहा है। संविधान की मूल भावना और नागरिकों के मौलिक अधिकारों को जिस तरह से नजर अंदाज किया जा रहा है। उसका असर ट्रायल कोर्ट में पड़ रहा है। उसके कारण चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। लोकतंत्र में चुनाव की प्रक्रिया लोगों के मन में भरोसा जताती है। यदि जनप्रतिनिधि जनता की भावनाओं के अनुरूप काम नहीं कर रहे होते हैं, तो चुनाव के माध्यम से सरकार को पलटने का काम संभव होता है। चंडीगढ़ महापौर पद के चुनाव में जिस तरह से चुनाव अधिकारी द्वारा मत पत्रों के साथ छेड़छाड़ करके अल्पमत के उम्मीदवार को महापौर पद में चुनाव जिता दिया गया। उसके बाद न्यायपालिका जिस तरह से मामले को टाला है। जो जीता वही सिकंदर की तर्ज पर न्यायपालिका भी यदि आंख मूंद लेती है। जिसके कारण अब लोगों में विद्रोह की भावना देखने को मिल रही है। चंडीगढ़ महापौर पद के चुनाव में जो हुआ, उसे सारे देश ने देखा। कुछ इसी तरीके की स्थिति दिल्ली के महापौर पद के चुनाव में भी हुई थी। उसे भी सारे देश ने देखा। चुनाव में ईवीएम मशीन और बीवीपेट मशीन से आए चुनाव परिणाम तथा चुनाव के दौरान केंद्रीय चुनाव आयोग की भूमिका को लेकर एक पक्ष विशेष को फायदा पहुंचाने और विपक्ष को रोकने का काम जिस तरीके से चुनाव आयोग करता हुआ दिख रहा है। उसके बाद आम आदमी का विश्वास चुनाव आयोग पर खत्म हो रहा है। संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था को लेकर यदि आम आदमी के मन में संशय उत्पन्न होने लगा है। विरोध प्रदर्शन करने के लिए आमजन अब मुखर होकर सड़कों पर उतर रहा है। ईड़ी और सीबीआई द्वारा जिस तरह से लोगों को जेल में बंद किया जा रहा है। अदालतों द्वारा जेल में बंद विचाराधीन कैदियों को जमानत नहीं दी जा रही है। आम आदमी महीनो नहीं वर्षों तक जेल में बंद रहता है। वर्षों तक जाँच एजेंसी द्वारा चार्ज शीट पेश नहीं की जाती है। राजनीतिक लाभ और हानि के लिए जांच एजेंसियों को सरकार द्वारा किया जा रहा है। कई राज्यों के राज्यपाल, सरकार द्वारा पारित कानूनों को अपने पास कई महीने और सालों तक रोक कर रखते हैं। हाल ही में महाराष्ट्र, बिहार और झारखंड में राज्यपालों की भूमिका को सारे देश ने देखा है। जिसके कारण संवैधानिक पदाधिकारियों और संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता को लेकर आम आदमी का भरोसा धीरे-धीरे खत्म होता जा रहा है। 1975 में आपातकाल की घोषणा की गई थी। यह घोषणा वैधानिक रूप से की गई थी। उसके लिए सरकार की जवाब देही थी। इंदिरा गांधी के समय मीसा में जिन लोगों को गिरफ्तार किया गया था, उन्हें बिना मुकदमा चलाए कई महीनो तक सरकार ने जेलों में बंद करके रखा था। आपातकाल में उन्हें अपराधी नहीं बनाया गया था। लेकिन अब ईड़ी, सीबीआई, पुलिस विपक्षी दलों के नेताओं को अपराधी बनाकर जेल में बंद करके रख रही है। जेल में बंद करके उनके खिलाफ सबूत एकत्रित किए जा रहे हैं। कई महीनो तक जांच के नाम पर जेलों में बंद करके रखा जा रहा है। अदालतों में जमानत के लिए मामले पेश होते हैं। पिछले कई महीनो से हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने सरकारी एजेंसियों द्वारा जिनको गिरफ्तार किया गया है। उनके मामले में सबूत नहीं होते हुए भी जमानत नहीं दिए जाने के आरोप हाईकोर्ट और सुप्रीमकोर्ट के वकील खुलकर लगा रहे हैं। वरिष्ठ अधिवक्ता कह रहे हैं, कि सरकार मुकदमों को टालने का काम कर रही है। कई वर्षों तक आरोपियों को न्यायालयों में पेशी भुगतना पड़ती है। सबूत के अभाव में वह निर्दोष साबित होते हैं। सरकार के खिलाफ फैसला देने की हिम्मत सहित न्यायपालिका में नहीं रही। यह छवि न्यायपालिका की बनती चली जा रही है। संविधान ने न्यायपालिका को सर्वोच्च स्थान पर रखा हुआ है। नागरिकों के मानव एवं मौलिक अधिकारों को संरक्षित करने की जिम्मेदारी संविधान ने न्यायपालिका को दी है।

चिंतन-मनन

सर्वव्यापक और न्यायकारी ईश्वर

ईश्वर का दंड एवं उपहार दोनों असाधारण हैं। इसलिए आस्तिक को सदा ध्यान रहेगा कि दंड से बचा जाए और उपहार प्राप्त किया जाए।

यह प्रयोजन छुटपुट पूजा-अर्चना, जप-ध्यान से पूरा नहीं हो सकता। यह भावनाओं और क्रियाओं को उत्कृष्टता के सांचे में ढालने से ही पूरा होता है। न्यायनिष्ठ जज की तरह ईश्वर किसी के साथ पक्षपात नहीं करता। अपना गुणगान करने वाले के साथ यदि वह पक्षपात करने लगे, तब उसकी न्याय व्यवस्था का कोई मूल्य न रहेगा, सृष्टि की सारी व्यवस्था ही गड़बड़ा जाएगी। सबको अनुशासन में रखने वाला परमेश्वर स्वयं नियम व्यवस्था में बंधा है। यदि वह उच्छृंखलता व अव्यवस्था बरतेगा तो फिर उसकी सृष्टि में पूरी तरह अंधेरा फैल जाएगा। फिर कोई उसे न तो न्यायकारी कहेगा और न समदर्शी। भगवान को हम सर्वव्यापक व न्यायकारी समझकर ईश्वर के दंड से डरें। उसका भक्त वत्सल ही नहीं, रौद्र रूप भी है, जो रुग्ण, मूक, बधिर, अंध, अपंगों की दशा देखकर सहज समझा जा सकता है। केवल बंशी बजाने वाले और रास रचाने वाले ईश्वर का ही ध्यान न रखें। उसका एक त्रिशूलधारी रूप भी है, जो दुरात्माओं का दमन व मर्दन करता है। न्यायनिष्ठ जज की तरह ईश्वर को भी भक्त-अभक्त, प्रशंसक-निंदक का भेद किए बिना व्यक्ति के शुभ-अशुभ कर्मों का दंड या पुरस्कार देना होता है। उपासना का उद्देश्य ईश्वर से अनुचित पक्षपात करना नहीं होना चाहिए। वह हमें सत्प्रवृत्तियों में संलग रहने और सत्पथ से विचलित न होने की दृढ़ता प्रदान करे। यही ईश्वर की कृपा का सर्वश्रेष्ठ चिह्न है।

आस्तिक या नास्तिक की पहचान तिलक, जनेऊ, कंठी, माला आदि के आधार पर नहीं, वरन भावनात्मक व क्रियात्मक गतिविधियों को देखकर ही होती है। आस्तिक की मान्यता प्राणिमात्र में ईश्वर की उपस्थिति देखती है। इसलिए उसे हर प्राणी के साथ उदारता, आत्मीयता व सेवा सहायता भरा व्यवहार करना पड़ता है। भक्ति का अर्थ है- प्रेम। जो प्रेमी है, वह अपने क्रियतम को सर्वव्यापक देखेगा और सभी से सौम्यतापूर्ण व्यवहार कर भक्ति भावना का परिचय देगा। ईश्वर दर्शन का यही रूप है। हर चर-अचर में छिपे परमात्मा को जो अपनी ज्ञान दृष्टि से देख सका और तदनुरूप कर्त्तव्य निर्धारण कर सका, मानना चाहिए, उसे ईश्वर दर्शन का लाभ मिल गया। अपने में परमेर और परमेर में अपने को देखने की दिव्य दृष्टि जिसे मिल गई, समझो उसने पूर्णता का जीवन लक्ष्य प्राप्त कर लिया है।

भारत शेयर बाजार पूंजीकरण के मामले में विश्व में चौथे स्थान पर पहुंचा

प्रहलाद सबनानी

भारत आज अर्थ के विभिन्न क्षेत्रों में नित नई ऊंचाईयां छू रहा है। दिसम्बर 2023 के प्रथम सप्ताह में भारत ने फ्रान्स एवं ब्रिटेन को पीछे छोड़ते हुए शेयर बाजार के पूंजीकरण के मामले में पूरे विश्व में पांचवा स्थान हासिल किया था। भारत से आगे केवल अमेरिका, चीन, जापान एवं हांगकांग थे। परंतु, अब दो माह से भी कम समय में भारत ने शेयर बाजार के पूंजीकरण के मामले में हांगकांग को पीछे छोड़ते हुए विश्व में चौथा स्थान प्राप्त कर लिया है। भारतीय शेयर बाजार का पूंजीकरण 4.35 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से भी अधिक का हो गया है। अब ऐसा आभास होने लगा है कि भारत अर्थ के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अपनी खोई हुई प्रतिष्ठा को पुनः प्राप्त करता हुआ दिखाई दे रहा है। एक ईसवी से लेकर 1750 ईसवी तक आर्थिक दृष्टि से पूरे विश्व में भारत का बोलबाला था। इस खंडकाल में विश्व के कुल विदेशी व्यापार में भारत की हिस्सेदारी 32 प्रतिशत से भी अधिक की रही है क्योंकि उस समय पर भारत में सनातन संस्कृति का पालन करते हुए व्यापार किया जाता था। भारत में कर्म एवं अर्थ के कार्यों को धर्म का पालन करते हुए करने की प्रथा का पुरातन शास्त्रों में वर्णन मिलता है। भारत में चूंकि आज एक बार पुनः सनातन संस्कृति का पालन करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में कार्य सम्पन्न हो रहे हैं अतः पूरे विश्व का भारत पर विश्वास बढ़ रहा है अतः न केवल विदेशी वित्तीय संस्थान बल्कि विदेशी नागरिक भी भारत के पूंजी (शेयर) बाजार में अपने निवेश को लगातार बढ़ाते जा रहे हैं।

भारत में नैशनल स्टॉक एक्स्चेंज पर लिस्टेड समस्त कम्पनियों के कुल बाजार पूंजीकरण का स्तर 2 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर जुलाई 2017 में पहुंचा था और लगभग 4 वर्ष पश्चात अर्थात मई 2021 में 3 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर गया था तथा केवल लगभग 2.5 वर्ष पश्चात अर्थात दिसम्बर 2023 में यह 4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को भी पार कर गया था और आज यह 4.35 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर से भी आगे निकल गया है। इस प्रकार भारत शेयर बाजार पूंजीकरण के मामले में आज पूरे विश्व में चौथे स्थान पर आ गया है।

प्रथम स्थान पर अमेरिकी शेयर बाजार है, जिसका पूंजीकरण 50.86 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक है। द्वितीय स्थान पर चीन का शेयर बाजार है जिसका पूंजीकरण 8.44 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक है। वर्ष 2023 में चीन के शेयर बाजार ने अपने निवेशकों को ऋणात्मक प्रतिफल दिए हैं। तीसरे स्थान पर जापान का शेयर बाजार है जिसका पूंजीकरण 6.36 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक है। चौथे स्थान पर भारत का शेयर बाजार है जिसका पूंजीकरण 4.35 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक है। पांचवे स्थान पर हांगकांग का शेयर बाजार है जिसका पूंजीकरण 4.29 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है। जिस तेज गति से भारतीय शेयर बाजार का पूंजीकरण आगे बढ़ रहा है, अब ऐसी उम्मीद की जा रही है कि कुछ समय पश्चात ही भारतीय शेयर बाजार का पूंजीकरण जापान शेयर बाजार के पूंजीकरण को पीछे छोड़ते हुए पूरे विश्व में तीसरे स्थान पर आ जाएगा।

भारतीय शेयर बाजार आज विदेशी निवेशकों के लिए एक आकर्षण का केंद्र बन गया है क्योंकि भारतीय शेयर बाजार अपने निवेशकों को भारी लाभ दे रहा है। हाल ही में सम्पन्न किए गए एक सर्वे में यह बात उभरकर सामने आई है कि विश्व के 100 बड़े निवेशक फंड जिनकी संपतियां 26.25 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की हैं, ने चीन के स्थान पर भारत में अपने निवेश बढ़ाने की बात की है। भारत के बाद ब्राजील एवं चीन में ये फंड अपने निवेश की बात कर रहे हैं। वर्ष 2023 में विभिन्न विदेशी निवेशक फंडों ने 2000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश भारत के शेयर बाजार में किया है। पिछले लगातार 8 वर्षों के दौरान भारतीय शेयर बाजार ने अपने निवेशकों को लाभ दिया है जबकि विश्व के कई बड़े बाजार यथा चीन, हांगकांग एवं जापान जैसे बाजार भी लगातार यह लाभ नहीं दे पाए हैं। भारतीय शेयर बाजार ने वर्ष 2023 में अपने निवेशकों को 10 प्रतिशत से अधिक का लाभ दिया है।

भारत विश्व में विकास के इंजन के रूप में उभर रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने कहा है कि वर्ष 2024 में वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि में भारत का योगदान 16 प्रतिशत से भी अधिक का रहने वाला है। जब अन्य देशों की विकास दर कम हो रही हैं तब भारत में आर्थिक विकास दर तेज हो रही हैं। यह सब केंद्र सरकार द्वारा देश में लागू की जा रही आर्थिक नीतियों के कारण सम्भव हो पा रहा है। देश में मंदिर अर्थव्यवस्था एवं धार्मिक पर्यटन के बढ़ते आधार के चलते ही यह सम्भव हो पा रहा है। जब भारत की विकास दर बढ़ रही है तो भारत में कार्य कर रही विनिर्माण एवं अन्य क्षेत्रों में कार्यरत कम्पनियों का व्यापार भी बढ़ रहा है और भारतीय पूंजी बाजार में इन कम्पनियों के शेयरों की कीमत भी बढ़ रही है। अतः विदेशी संस्थान सहित विदेशी नागरिक भी अपने निवेश पर अधिक लाभ अर्जित करने के उद्देश्य से भारत की ओर आकर्षित हो रहे हैं। विदेशी निवेशक एवं विदेशी संस्थान जो माह सितम्बर 2023 तक भारतीय शेयर बाजार से पैसा निकाल रहे थे, अब अचानक भारी मात्रा में भारतीय शेयर बाजार में पैसा लगा रहे हैं। आज कई बार तो एक दिन में 5000 करोड़ रुपए से भी अधिक की राशि का निवेश इन विदेशी निवेशकों द्वारा भारतीय शेयर बाजार में किया जा रहा है।

केंद्र सरकार पर विपक्षी दलों द्वारा कई बार यह आरोप लगाया जाता है कि भारत में सरकारी उपक्रमों को समाप्त किया जा रहा है। जबकि पिछले 27 माह के खंडकाल के दौरान सरकारी उपक्रमों का पूंजीकरण शेयर बाजार में दुगना होकर 46.40 लाख करोड़ रुपए से भी अधिक का हो गया है। सरकारी उपक्रमों ने अपने बाजार पूंजीकरण में इस अवधि में अतुलनीय वृद्धि दर्ज की है। बॉम्बे स्टॉक एक्स्चेंज का सेन्सेक्स पिछले 27 माह में 60,000 के स्तर से 70,000 के स्तर को पार कर गया है। इन सरकारी उपक्रमों के कोरपोरेट गवर्नन्स में भारी सुधार हुआ है, जिसके चलते न केवल विदेशी निवेशकों का बल्कि भारत के संस्थागत निवेशकों एवं खुदरा निवेशकों का भी विश्वास इन सरकारी उपक्रमों पर बढ़ा है।

केंद्र सरकार द्वारा आर्थिक क्षेत्र में लगातार लागू किए जा रहे विभिन्न सुधार कार्यक्रमों के चलते विदेशी संस्थागत निवेशक, विदेशी खुदरा निवेशक एवं विदेशों में निवास कर रहे भारतीय मूल के नागरिक भी भारतीय कम्पनियों में भारी मात्रा में शेयर बाजार के माध्यम से निवेश कर रहे हैं। हाल ही के समय में भारतीय कम्पनियों की लाभप्रदता में भी अतुलनीय वृद्धि दृष्टिगोचर हुई है जिससे इन कम्पनियों के विभिन्न वित्तीय अनुपात बहुत आकर्षक बन गए हैं। जबकि चीन, हांगकांग, ब्रिटेन, जापान जैसे शेयर बाजार अपने निवेशकों को ऋणात्मक अथवा बहुत कम रिटर्न दे पा रहे हैं। कई विदेशी संस्थान निवेशक तो चीन, हांगकांग आदि देशों से अपना पूंजी निवेश निकालकर भारतीय शेयर बाजार में कर रहे हैं। इससे आगे आने वाले समय में भी भारतीय शेयर बाजार में वृद्धि दर आकर्षक बनी रहेगी, इसकी भरपूर सम्भावना व्यक्त की जा रही है।

(सेवा निवृत्त उप महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक)

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 724 अंक , निफ्टी 212 अंक नीचे आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी आईटीसी के शेयरों में बिकवाली हावी रहने से आयी है। इसके अलावा रिजर्व बैंक के मोद्रिक नीति की समीक्षा में आरबीआई के रेपो रेट को 6.5 फीसदी पर ही बनाये रखने के फैसले से भी निजी बैंकों के शेयरों में गिरावट आई। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 1.00 फीसदी करीब 723.57 अंक नीचे आकर 71,428.43 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 0.97 फीसदी तकरीबन 212.55 अंक नीचे आकर 21,717.95 पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के शेयर सबसे ज्यादा 3.54 फीसदी ऊपर आये। दूसरी ओर पावर ग्रिड, टीसीएस, एचसीएल टेक, भारती एयरटेल, रिलायंस इंडस्ट्रीज, सनफार्मा और एनटीपसी के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। वहीं ब्रिटिश अमेरिकन टोबैको (बैट) के आईटीसी में कुछ हिस्सेदारी बेचने की खबरों से भी कंपनी के शेयर 4 प्रतिशत गिरे। इसके अलावा कोटक बैंक, आईसीआईसीआई बैंक , नेस्ले इंडिया, एक्सिस बैंक, बजाज फाइनेंस, अल्ट्रा सीमेंट, एचडीएफसी बैंक , मारुति, एशियन पेंट्स सहित 22 कमानियों के शेयर नीचे आये। इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों में तेजी के बीच ही आरबीआई के ब्याज दर पर फैसले से पहले घरेलू बाजारों में शुरुआती कारोबार में तेजी रही। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 321.42 अंक उछलकर 72,473.42 अंक पर पहुंच गया। वहीं निफ्टी 80.55 अंक चढ़कर 22,011.05 अंक पर रहा। एशियाई बाजारों की बात करें तो जापान का निक्की, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और चीन का शंघाई कम्पोजिट लाभ में रहे, जबकि हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में रहा। अमेरिकी बाजार बुधवार को सकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बुधवार को 1,691.02 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

वित्त वर्ष 2024-25 में महंगाई दर के 4.5 प्रतिशत रहने का अनुमानः आरबीआई

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अगले वित्त वर्ष 2024-25 में मुद्रास्फीति 4.5 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। जो चालू वित्त वर्ष 2023-24 के 5.4 प्रतिशत के अनुमान की तुलना में कम है। केंद्र ने आरबीआई को यह सुनिश्चित करने का काम सौंपा है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ चार प्रतिशत पर रहे। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए कहा कि मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने पाया कि घरेलू आर्थिक गतिविधियां अच्छी है। निवेश की मांग में तेजी, आशावादी व्यापारिक भावनाओं तथा बढ़ते उपभोक्ता विश्वास से इस पूरा समर्थन मिलेगा। उन्होंने कहा, '' मुद्रास्फीति के मोर्चे पर बड़े तथा बार-बार आने वाले खाद्य मूल्यों के झटके महंगाई में कमी की गति को बाधित कर रहे हैं जो मुख्य मुद्रास्फीति को प्रभावित कर रहा है। उन्होंने कहा, अगले साल मानसून के सामान्य रहने पर 2024-25 के लिए सीपीआई मुद्रास्फीति 4.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इसके पहली तिमाही में पांच प्रतिशत, दूसरी तिमाही में चार प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 4.6 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 4.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। जोखिम दोनों तरफ बराबर है। दास ने महंगाई को कम करने की जरूरत पर जोर दिया और कहा कि एमपीसी ने रेपो दर को 6.50 प्रतिशत पर यथावत रखने का फैसला किया है।

एचएसबीसी मल्टी एसेट एलोकेशन फंड खुला

नई दिल्ली । एचएसबीसी म्यूचल फंड का नया फंड ऑफर (एनएफओ) एचएसबीसी मल्टी एसेट एलोकेशन फंड (एचएमएएफ) गुरुवार को खुला जो 22 फरवरी को बंद होगा। कंपनी ने कहा कि यह इक्विटी और इक्विटी से संबंधित इंस्ट्रुमेंट्स, डेब्ट एवं मनी मार्केट सिक्योरिटीज़ तथा गोल्ड, सिल्वर ईटीएफ में निवेश करने के लिए एक ओपन-एंडेड योजना है। इस फंड का उद्देश्य दीर्घकालिक पूंजी वृद्धि प्रदान करना, अस्थिरता कम करने में मदद करना और विविधीकरण लेकर आना है। एचएमएएफ सबसे ज्यादा लाभ के लिए विभिन्न एसेट्स में निवेश की नीति पर काम करेगा। इस फंड में फ्लेक्सीकैप दृष्टिकोण का पालन किया जाएगा और मौजूदा मूल्यांकन सुविधा के आधार पर विभिन्न मार्केट कैप्स में निवेश किया जाएगा। निवेश की प्रक्रिया में अनेक तत्वों, जैसे व्यवसाय की गुणवत्ता, प्रतिस्पर्धी लाभ, कॉर्पोरेट प्रशासन का ट्रैक रिकॉर्ड, सस्टेनेबिलिटी की विधियों, वित्तीय शक्ति, रिस्क-रिवार्ड मूल्यांकन, आय के मुख्य ड्राइवर्स आदि पर विचार किया जाएगा। इस लांच के बारे में एचएसबीसी एसेट मैनेजमेंट कंपनी (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के एक वे रिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारत में अनेक तत्व विकास की कहानी लिख रहे हैं, जिनमें बढ़ती घरेलू खपत, मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार, विनिर्माण और बुनियादी ढांचे के विकास पर ध्यान, डेब्ट बाजारों में सुधार, विदेशी निवेश, मजबूत सरकारी सुधार आदि शामिल हैं। इन तत्वों और बाजार की अस्थिरता को देखते हुए एक मल्टी एसेट एलोकेशन रणनीति की जरूरत है, ताकि विभिन्न एसेट वर्ग भिन्न-भिन्न आर्थिक स्थितियों के आधार पर अलग-अलग प्रदर्शन कर सकें।

करीना कपूर केपीजी मसालों की ब्रांड एम्बेसडर बनीं

नई दिल्ली । मारवल चाय समूह के संस्थापक परवीन जैन ने अपने मसाला ब्रांड केपीजी के लिए बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री करीना कपूर खान को ब्रांड एंबेसडर बनाने की घोषणा की है। जैन राष्ट्रीय स्तर पर केपीजी ब्रांड के तहत मसालों को लाने के लिए तैयार है। केपीजी मसालों के साथ करीना की सहभागिता न केवल एक सेलिब्रिटी की हैं, बल्कि मसालों की स्टोरी टेलर के तौर पर होगी। करीना कपूर खान ने कहा कि सचमुच यह एक साथ साथ काम करने का गठबंधन है। मेरे लिए केपीजी एक ऐसा ब्रांड है जिसमे भरोसा तथा विश्वसनीयता कूट कूट कर भरी हुई है। इन्हे तैयार करते समय स्वछता, स्वास्थ के साथ स्वाद की बारीकियों का विशेष ध्यान रखा गया है।

डिजिटल मुद्रा को लेकर आरबीआई गर्वनर ने दिया बड़ा अपडेट

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) पायलट परियोजना में 'ऑफलाइन लेन-देन शुरूआत करने की घोषणा की। इसका सीधा मतलब है कि डिजिटल रुपये के उपयोगकर्ता सीमित इंटरनेट कनेक्शन वाले क्षेत्रों में भी लेनदेन कर सकते है। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए कहा कि प्रायोगिक परियोजना के तहत इसमें कार्यक्रम आधारित अतिरिक्त उपयोग को शामिल किया जाएगा। गर्वनर दास ने कहा, खराब या सीमित इंटरनेट संपर्क वाले क्षेत्रों में लेनदेन को सक्षम करने के लिए सीबीडीसी-खुदरा (रिटेल) में एक ऑफलाइन सुविधा शुरू करने का प्रस्ताव है। उन्होंने कहा कि इस उद्देश्य के लिए पहाड़ी क्षेत्रों, ग्रामीण और शहरी स्थानों पर कई 'ऑफलाइन' समाधानों का परीक्षण किया जाएगा। दास ने कहा कि अभी इसके तहत बैंकों द्वारा प्रदान किए गए डिजिटल रुपये वॉलेट का उपयोग करके व्यक्ति से व्यक्ति (पी2पी) और व्यक्ति से व्यापारी (पी2एम) लेनदेन को सक्षम बनाती है। उन्होंने कहा कि अब इस कार्यक्रम आधारित ऑफलाइन रूप से सक्षम करने का काम किया जाएगा। दास ने कहा कि कंपनियां भी अपने कर्मचारियों के लिए कारोबारी यात्रा जैसे कार्यक्रम आधारित खर्च में सक्षम हो सकेंगी। उन्होंने कहा, अतिरिक्त सुविधाएं जैसे वैधता अवधि या भौगोलिक क्षेत्र जिसके भीतर सीडीबीसी का उपयोग किया जा सकता है, को भी 'प्रोग्राम' किया जा सकता है।

आरबीआई की एमपीसी बैठक खत्म, रेपो रेट को 6.5 प्रतिशत पर कायम

मुंबई।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने प्रमुख नीतिगत दरों यानी रेपो रेट को लगातार छठी बार 6.5 प्रतिशत पर कायम रखा है। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने गुरुवार को रिजर्व बैंक की एमपीसी बैठक में लिए गए फैसलों के बारे में जानकारी दी।

- नीतिगत दर या रेपो दर 6.5 प्रतिशत पर बरकरार।
- वित्त वर्ष 2024-25 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर सात प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो चालू वित्त वर्ष के 7.3 प्रतिशत के अनुमान से कम है।
- चालू वित्त वर्ष में खुदरा मुद्रास्फीति औसतन 5.4 प्रतिशत रहेगी। 2024-25 में यह घटकर 4.5 प्रतिशत पर आ जाएगी।
- ब्याज दरों में कटौती का लाभ अभी पूरी तरह उपभोक्ताओं को नहीं मिली है।
- मौजूदा आर्थिक गति अगले वित्त वर्ष में भी बरकरार रहेगी।
- रबी बुवाई में सुधार, विनिर्माण क्षेत्र में निरंतर लाभप्रदता, 2024-25 में आर्थिक गतिविधि का समर्थन करने के लिए सेवाएं मजबूत।
- निवेश चक्र गति पकड़ रहा है, निजी क्षेत्र के पूंजीगत व्यय में सुधार के संकेत।
- भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत, निरंतर वृद्धि पथ पर आत्मविश्वास से प्रगति कर रही है।
- सरकार राजकोषीय के सुदृढ़ीकरण पथ पर कायम है; घरेलू आर्थिक गतिविधियां मजबूत।
- खाद्य पदार्थों की कीमतों में अनिश्चितता का मुख्य मुद्रास्फीति पर प्रभाव जारी है।
- भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने से आपूर्ति श्रृंखला पर असर पड़ रहा है, जिससे जिंस की कीमतों पर दबाव पड़ रहा है।
- विदेशी मुद्रा भंडार 622.5 अरब अमेरिकी डॉलर; विदेशी दायित्वों को पूरा करने के लिए संतोषजनक।
- घरेलू वित्तीय प्रणाली स्वस्थ 'बही-खाते' के साथ मजबूत बनी हुई है।
- विनियमित संस्थाओं को अनुपालन, उपभोक्ता हित संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए।
- आरबीआई खराब या सीमित इंटरनेट संपर्क वाले क्षेत्रों में लेनदेन के लिए 'सीबीडीसी-रिटेल' में एक ऑफलाइन कार्यक्षमता शुरू करेगा।
- चालू वित्त वर्ष में भारतीय रुपये की विनिमय दर काफी स्थिर रही।
- मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की अगली बैठक तीन से पांच अप्रैल को होगी।

पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर क्यों की गई कार्रवाई, गर्वनर दास ने किया खुलासा

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से दिग्गज फिनटेक कंपनी पेटीएम के खिलाफ की गई कार्रवाई के बाद आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने इस कार्रवाई के कारण का खुलासा किया है। बता दें कि आरबीआई ने पिछले सप्ताह पेटीएम पेमेंट्स बैंक को अपने खातों और डिजिटल वॉलेट में 1 मार्च से नई जमाएं स्वीकार करने से प्रतिबंधित कर दिया था। इस फैसले पर केंद्रीय बैंक ने अपने नोटिस में कहा था कि निगरानी संबंधित खामियों और नियमों के गैर-अनुपालन का हवाला देकर आरबीआई ने यह प्रतिबंध लगाया है। कंपनी के मुताबिक, पेटीएम पेमेंट्स बैंक से 30 करोड़ से ज्यादा वॉलेट और 3 करोड़ बैंक खाते जुड़े हुए हैं। कंपनी ने कहा है कि अब तक 80 लाख फास्टैग जारी किए हैं। इस बीच आरबीआई गवर्नर दास ने बताया कि यदि सभी चीजों का अनुपालन किया गया होता, तब केंद्रीय बैंक किसी रेगुलेशन वाली इकाई के खिलाफ कार्रवाई क्यों करता। गर्वनर दास ने कहा कि पेटीएम मामले को लेकर व्यवस्था के बारे में चिंता की कोई बात नहीं, हम केवल भुगतान बैंक की बात कर रहे हैं। इसके अलावा आरबीआई के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे. ने कहा कि ''लगातार गैर-अनुपालन'' के लिए पेटीएम के खिलाफ कार्रवाई की गई। साथ ही सुधारात्मक कार्रवाई के लिए पर्याप्त समय भी दिया गया। आरबीआई गवर्नर ने साफ कर दिया कि जब बैंक और एनबीएफसी प्रभावी कदम नहीं उठाते हैं, हम कारोबार से संबंधित पाबंदियां लगाते हैं। उन्होंने कहा, एक जिम्मेदार रेगुलेटर होने के नाते व्यवस्था के स्तर पर स्थिरता या जमाकर्ताओं अथवा ग्राहकों के हितों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर हम कदम उठाते हैं। उन्होंने कहा, आरबीआई पेटीएम को लेकर की गयी कार्रवाई के बारे में लोगों की चिंताओं को दूर करने के लिए अगले सप्ताह एफएक्यू (बार-बार पूछे जाने वाले सवाल) जारी करेगा।

एचडीएफसी बैंक ने सस्टेनेबल बांड इश्यू से जुटाए 300 मिलियन डॉलर

नई दिल्ली ।

एचडीएफसी बैंक ने कहा कि उसने अपने पहले सस्टेनेबल वित्त डॉलर-मूल्य वाले बांड इश्यू के माध्यम से 300 मिलियन डॉलर जुटा लिए हैं। बाजार पूंजीकरण के हिसाब से देश के सबसे बड़े निजी ऋणदाता ने अपने तीन साल के स्थिरता बांड की कीमत 5.196 फीसदी यील्ड रखी थी। यह तीन-वर्षीय अमेरिकी ट्रेजरी उपज पर 95 आधार अंक (बीपीएस) है। एचडीएफसी बैंक ने कहा कि यूएस ट्रेजरी पर 108 आधार अंकों के अंतर के साथ पांच साल की अवधि के लिए अतिरिक्त 450 मिलियन डॉलर जुटाए गए हैं। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) जो सरकार के स्वामित्व में है, ने जनवरी की शुरुआत में अपने 10 बिलियन डॉलर के मध्यम अवधि के नोट कार्यक्रम के हिस्से के रूप में पांच साल का पेपर जारी करके अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के एक समूह से 600 मिलियन डॉलर जुटाए। एचडीएफसी बैंक ने कहा कि वह सबसे पहले इस रकम का इस्तेमाल हरित और सामाजिक ऋणों के वित्तपोषण के लिए करेगा और बाकी का उपयोग सामान्य बैंकिंग गतिविधियों के वित्तपोषण के लिए करेगा। एचडीएफसी बैंक के ग्रुप हेड-ट्रेजरी अरूप रक्षित ने छोटे और मध्यम उद्यमों का जिक्र करते हुए कहा कि स्थायी वित्त बांड के माध्यम से जुटाए गए धन को इलेक्ट्रिक वाहनों, एसएमई और किफायती आवास के लिए ऋण देने के लिए प्राथमिकता दी जाएगी।

गौतम अडानी का शानदार शतक, 100 अरब डॉलर के एलीट क्लब में फिर शामिल

मुंबई ।

अदाणी ग्रुप के मालिक गौतम अदाणी हिंडनबर्ग रिपोर्ट के एक साल बाद 100 अरब डॉलर से ज्यादा की संपत्ति वाले लोगों के एलीट क्लब में फिर शामिल हो गए हैं। गौतम अदाणी की टोटल नेटवर्थ बुधवार को 2.7 बिलियन डॉलर बढ़कर 100.7 बिलियन डॉलर हो गई। अदाणी की यह संपत्ति हिंडनबर्ग रिसर्च की तरफ से ग्रुप पर बाजार में हेरफेर और धोखाधड़ी का आरोप लगाने के बाद से सबसे ज्यादा है।

बता दें कि साल 2023 की शुरुआत में आई हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में अदाणी ग्रुप पर बाजार में हेराफेरी और धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया था। हालांकि, इन आरोपों को अदाणी ग्रुप ने पूरी तरह से खारिज किया था लेकिन इसके बाद भी अदाणी समूह के शेयर बुरी तरह फिसल गए थे जिससे अदाणी की संपत्ति भी घट गई थी।

अदाणी ग्रुप की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड के शेयरों में पिछले हफ्ते जारी तिमाही नतीजों के बाद बुधवार को आठवें दिन तेजी आई। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार, गौतम अदाणी अब दुनिया के 12वें सबसे अमीर व्यक्ति हैं और अपने हमवतन मुकेश अंबानी से सिर्फ एक स्थान पीछे हैं। इस महीने की शुरुआत में जहां रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की टोटल नेटवर्थ रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई, वहीं गौतम अदाणी की संपत्ति अभी भी 2022 के टॉप लेवल से करीब 50 अरब डॉलर नीचे

है। बात दें कि हिंडनबर्ग रिपोर्ट के बाद अदाणी की टोटल नेटवर्थ में 80 अरब डॉलर से ज्यादा की गिरावट आई थी और यह 37.7 अरब डॉलर के निचले स्तर पर पहुंच गई थी।

शाकाहारी थाली महंगी, मांसाहारी 13 फीसदी हुई सस्तीः रिपोर्ट

- जनवरी 2023 की तुलना में जनवरी 2024 में खाद्य मुद्रास्फीति अधिक रही

नई दिल्ली ।

पिछले एक साल में शाकाहारी थाली की कीमत 5 फीसदी बढ़ गई है, जबकि मांसाहारी थाली की कीमत में 13 फीसदी घट गई है। एक रिपोर्ट से यह बात पता चली है। रोटी चावल दर (आरआरआर) रिपोर्ट के अनुसार शाकाहारी थाली में रोटी, प्याज, टमाटर, आलू, चावल, दाल, दही और सलाद शामिल होता है। वहीं मांसाहारी थाली में शाकाहारी थाली के समान ही चीजें होती हैं, सिवाय इसके कि दाल को चिकन (ब्रॉयलर) से बदल दिया जाता है। इस साल जनवरी में शाकाहारी थाली की कीमत 28 रुपये थी, जो पिछले साल जनवरी में 26.6 रुपये थी। वहीं इसी अवधि में मांसाहारी थाली की कीमत 59.9 रुपये से घटकर 52 रुपये हो गई। रिपोर्ट में शाकाहारी थाली की कीमत बढ़ाने के लिए टमाटर और प्याज की ऊंची कीमतों को जिम्मेदार ठहराया गया है, जो पिछले साल क्रमशः 20 और 35 फीसदी बढ़ी थी। इसके अतिरिक्त चावल और दालों की कीमतों में भी क्रमशः 14 और 21 फीसदी की वृद्धि हुई। शाकाहारी थाली की कीमत में वृद्धि से संकेत मिलता है कि जनवरी 2023 की तुलना में जनवरी 2024 में खाद्य मुद्रास्फीति अधिक रही। जनवरी 2023 में खुदरा मुद्रास्फीति 6.52 फीसदी दर्ज की गई, जिसमें खाद्य मुद्रास्फीति 5.94 फीसदी थी। दिसंबर में खुदरा महंगाई दर 5.69 फीसदी और खाद्य महंगाई दर 9.53 फीसदी थी। मांसाहारी थाली की लागत कम हो गई क्योंकि उत्पादन बढ़ने के कारण ब्रॉयलर चिकन की कीमत में 26 फीसदी की गिरावट आई। मांसाहारी थाली की कुल लागत का 50 फीसदी हिस्सा ब्रॉयलर चिकन का होता है। दिसंबर 2023 की तुलना में दोनों थालियों की कीमत में कमी आई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि शाकाहारी और गैर-शाकाहारी थाली की कीमत में महीने-दर-महीने क्रमशः 6 फीसदी और 8 फीसदी की कमी आई है। कीमतों में कमी इसलिए हुई क्योंकि दिसंबर 2023 की तुलना में प्याज की कीमतों में 26 फीसदी और टमाटर की कीमतों में 16 फीसदी की गिरावट आई। यह कीमतों में गिरावट निर्यात प्रतिबंधों और उत्तरी और पूर्वी राज्यों से ताजा टमाटर की आवक के कारण सप्लाई में वृद्धि के कारण आई।

एस्सार समूह ग्रीन रिफाइनरी, ग्रीन हाइड्रोजन संयंत्र पर अरबों डॉलर निवेश करेगाः रुइया

- एस्सार समूह लाख करोड़ से अधिक का मजबूत राजस्व अर्जित कर रहा है

नई दिल्ली ।

विभिन्न कारोबारों में सक्रिय एस्सार समूह हरित हाइड्रोजन संयंत्र, दुनिया की पहली हरित रिफाइनरी और एलएनजी एवं इलेक्ट्रिक पारिस्थितिकी के निर्माण पर अरबों डॉलर का निवेश करेगा। समूह के एक प्रमुख अधिकारी ने यह जानकारी दी। पिछले चार वर्षों में 1,40,000 करोड़ रुपये का कर्ज चुकाने के बाद एस्सार समूह अब अपने मौजूदा कारोबारों से एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का मजबूत राजस्व अर्जित कर रहा है। एस्सार कैपिटल के निदेशक प्रशांत रुइया ने हाल ही में यहां आयोजित भारत ऊर्जा सप्ताह के दौरान कहा कि एस्सार भारत और उसके बाहर टिकाऊ वृद्धि के लिए पारिस्थितिकी तंत्र में निवेश करके पुनरुत्थान की राह बना रहा है। उन्होंने कहा कि एस्सार समूह कार्बन कटौती, विकेंद्रीकरण और डिजिटलीकरण के तीन मुख्य विषयों पर केंद्रित होकर हरित भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाना चाहता है। भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में उभर रहा है। ऐसे में एस्सार इसकी जलवायु प्रतिबद्धताओं को पूरा करने और हरित वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। उन्होंने कहा कि एस्सार दुनिया के सबसे बड़े निम्न-कार्बन (नीले हाइड्रोजन) संयंत्रों में से एक और दुनिया की पहली हरित रिफाइनरी बनाने के लिए 3.6 अरब डॉलर का निवेश करेगा। हालांकि उन्होंने इसका अधिक ब्योरा नहीं दिया। इसके अलावा एस्सार समूह गुजरात में एक गीगावाट की हरित हाइड्रोजन परियोजना विकसित करने पर भी विचार कर रहा है। उन्होंने कहा कि हरित परिवहन के क्षेत्र में एस्सार लंबी दूरी तय करने वाले भारी ट्रकों को कार्बन उत्सर्जन से मुक्त करने के लिए एलएनजी और इलेक्ट्रिक पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण पर ध्यान दे रहा है। रुइया ने हरित परिवहन और हाइड्रोजन संयंत्रों में किए जाने वाले निवेश का विवरण साझा नहीं किया। इसके अलावा समूह पश्चिम बंगाल में एक ब्लॉक से कोयले की परतों से गैस का उत्पादन भी कर रहा है। रुइया ने कहा कि कोल बेड मीथेन उद्योग में सक्रिय एस्सार ऑयल एंड गैस एक्सप्लोरेशन एंड प्रोडक्शन लिमिटेड (ईओजीईपीएल) का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में भारत के कुल गैस उत्पादन में अपना योगदान बढ़ाकर पांच प्रतिशत करना है।

मेटा ने भारत में फेसबुक, इंस्टाग्राम से 2.60 करोड़ खराब कंटेंट हटाए

वाशिंगटन ।

मेटा ने दिसंबर 2023 में भारत में फेसबुक की 13 नीतियों में 19.8 मिलियन से अधिक कंटेंट और इंस्टाग्राम के लिए 12 नीतियों में 2 करोड़ से अधिक कंटेंट हटा दिए हैं। मेटा ने कहा कि फेसबुक को 1-31 दिसंबर के बीच भारतीय शिकायत तंत्र के माध्यम से 44,332 रिपोर्टें मिली। इसने 33,072 मामलों में इसके ग्राहकों को उनके मुद्दों को हल करने के लिए टूल्स प्रदान किए। मेटा ने अपनी मासिक रिपोर्ट में आईटी नियम, 2021 के अनुपालन में कहा कि इनमें विशिष्ट उल्लंघनों के लिए सामग्री की रिपोर्ट करने के लिए पूर्व-स्थापित चैनल, सेल्फ-रेमेडिएशन प्रवाह जहां वे अपना डेटा डाउनलोड कर सकते हैं, अकाउंट हैक किए गए मुद्दों को संबोधित करने के तरीके आदि शामिल हैं।

अन्य 11,260 रिपोटरें में से जहां विशेष समीक्षा की जरूरत थी, हमने अपनी नीतियों के अनुसार सामग्री की समीक्षा की और कुल 6,578 रिपोटरें पर कार्रवाई की। शेष 4,682 रिपोटरें

की समीक्षा की गई, लेकिन, हो सकता है कि उन पर कार्रवाई न की गई हो। मेटा ने कहा कि इंस्टाग्राम पर कंपनी को भारतीय शिकायत तंत्र के माध्यम से 19,750 रिपोर्टें प्राप्त हुईं। इनमें से हमने 9,555 मामलों में उपयोगकर्ताओं को उनके मुद्दों को हल करने के लिए टूल्स प्रदान किए।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 724 अंक , निफ्टी 212 अंक नीचे आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी आईटीसी के शेयरों में बिकवाली हावी रहने से आयी है। इसके अलावा रिजर्व बैंक के मोद्रिक नीति की समीक्षा में आरबीआई के रेपो रेट को 6.5 फीसदी पर ही बनाये रखने के फैसले से भी निजी बैंकों के शेयरों में गिरावट आई। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 1.00 फीसदी करीब 723.57 अंक नीचे आकर 71,428.43 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 0.97 फीसदी तकरीबन 212.55 अंक नीचे आकर 21,717.95 पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के शेयर सबसे ज्यादा 3.54 फीसदी ऊपर आये। दूसरी ओर पावर ग्रिड, टीसीएस, एचसीएल टेक, भारती एयरटेल, रिलायंस इंडस्ट्रीज, सनफार्मा और एनटीपसी के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। वहीं ब्रिटिश अमेरिकन टोबैको (बैट) के आईटीसी में कुछ हिस्सेदारी बेचने की खबरों से भी कंपनी के शेयर 4 प्रतिशत गिरे। इसके अलावा कोटक बैंक, आईसीआईसीआई बैंक , नेस्ले इंडिया, एक्सिस बैंक, बजाज फाइनेंस, अल्ट्रा सीमेंट, एचडीएफसी बैंक , मारुति, एशियन पेंट्स सहित 22 कमानियों के शेयर नीचे आये। इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों में तेजी के बीच ही आरबीआई के ब्याज दर पर फैसले से पहले घरेलू बाजारों में शुरुआती कारोबार में तेजी रही। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 321.42 अंक उछलकर 72,473.42 अंक पर पहुंच गया। वहीं निफ्टी 80.55 अंक चढ़कर 22,011.05 अंक पर रहा। एशियाई बाजारों की बात करें तो जापान का निक्की, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और चीन का शंघाई कम्पोजिट लाभ में रहे, जबकि हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में रहा। अमेरिकी बाजार बुधवार को सकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बुधवार को 1,691.02 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

वित्त वर्ष 2024-25 में महंगाई दर के 4.5 प्रतिशत रहने का अनुमानः आरबीआई

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अगले वित्त वर्ष 2024-25 में मुद्रास्फीति 4.5 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है। जो चालू वित्त वर्ष 2023-24 के 5.4 प्रतिशत के अनुमान की तुलना में कम है। केंद्र ने आरबीआई को यह सुनिश्चित करने का काम सौंपा है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ चार प्रतिशत पर रहे। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए कहा कि मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने पाया कि घरेलू आर्थिक गतिविधियां अच्छी है। निवेश की मांग में तेजी, आशावादी व्यापारिक भावनाओं तथा बढ़ते उपभोक्ता विश्वास से इस पूरा समर्थन मिलेगा। उन्होंने कहा, '' मुद्रास्फीति के मोर्चे पर बड़े तथा बार-बार आने वाले खाद्य मूल्यों के झटके महंगाई में कमी की गति को बाधित कर रहे हैं जो मुख्य मुद्रास्फीति को प्रभावित कर रहा है। उन्होंने कहा, अगले साल मानसून के सामान्य रहने पर 2024-25 के लिए सीपीआई मुद्रास्फीति 4.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इसके पहली तिमाही में पांच प्रतिशत, दूसरी तिमाही में चार प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 4.6 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 4.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। जोखिम दोनों तरफ बराबर है। दास ने महंगाई को कम करने की जरूरत पर जोर दिया और कहा कि एमपीसी ने रेपो दर को 6.50 प्रतिशत पर यथावत रखने का फैसला किया है।

एचएसबीसी मल्टी एसेट एलोकेशन फंड खुला

नई दिल्ली । एचएसबीसी म्यूचल फंड का नया फंड ऑफर (एनएफओ) एचएसबीसी मल्टी एसेट एलोकेशन फंड (एचएमएएएफ) गुरुवार को खुला जो 22 फरवरी को बंद होगा। कंपनी ने कहा कि यह इक्विटी और इक्विटी से संबंधित इंस्ट्रुमेंट्स, डेब्ट एवं मनी मार्केट सिक्योरिटीज़ तथा गोल्ड, सिल्वर ईटीएफ में निवेश करने के लिए एक ओपन-एंडेड योजना है। इस फंड का उद्देश्य दीर्घकालिक पूंजी वृद्धि प्रदान करना, अस्थिरता कम करने में मदद करना और विविधीकरण लेकर आना है। एचएमएएएफ सबसे ज्यादा लाभ के लिए विभिन्न एसेट्स में निवेश की नीति पर काम करेगा। इस फंड में फ्लेक्सीकैप दृष्टिकोण का पालन किया जाएगा और मौजूदा मूल्यांकन सुविधा के आधार पर विभिन्न मार्केट कैप्स में निवेश किया जाएगा। निवेश की प्रक्रिया में अनेक तत्वों, जैसे व्यवसाय की गुणवत्ता, प्रतिस्पर्धी लाभ, कॉर्पोरेट प्रशासन का ट्रैक रिकॉर्ड, सस्टेनेबिलिटी की विधियों, वित्तीय शक्ति, रिस्क-रिवार्ड मूल्यांकन, आय के मुख्य ड्राइवर्स आदि पर विचार किया जाएगा। इस लांच के बारे में एचएसबीसी एसेट मैनेजमेंट कंपनी (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के एक वे रिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारत में अनेक तत्व विकास की कहानी लिख रहे हैं, जिनमें बढ़ती घरेलू खपत, मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार, विनिर्माण और बुनियादी ढांचे के विकास पर ध्यान, डेब्ट बाजारों में सुधार, विदेशी निवेश, मजबूत सरकारी सुधार आदि शामिल हैं। इन तत्वों और बाजार की अस्थिरता को देखते हुए एक मल्टी एसेट एलोकेशन रणनीति की जरूरत है, ताकि विभिन्न एसेट वर्ग भिन्न-भिन्न आर्थिक स्थितियों के आधार पर अलग-अलग प्रदर्शन कर सकें।

करीना कपूर केपीजी मसालों की ब्रांड एम्बेसडर बनीं

नई दिल्ली । मारवल चाय समूह के संस्थापक परवीन जैन ने अपने मसाला ब्रांड केपीजी के लिए बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री करीना कपूर खान को ब्रांड एंबेसडर बनाने की घोषणा की है। जैन राष्ट्रीय स्तर पर केपीजी ब्रांड के तहत मसालों को लाने के लिए तैयार है। केपीजी मसालों के साथ करीना की सहभागिता न केवल एक सेलिब्रिटी की हैं, बल्कि मसालों की स्टोरी टेलर के तौर पर होगी। करीना कपूर खान ने कहा कि सचमुच यह एक साथ साथ काम करने का गठबंधन है। मेरे लिए केपीजी एक ऐसा ब्रांड है जिसमे भरोसा तथा विश्वसनीयता कूट कूट कर भरी हुई है। इन्हे तैयार करते समय स्वछता, स्वास्थ के साथ स्वाद की बारीकियों का विशेष ध्यान रखा गया है।

डिजिटल मुद्रा को लेकर आरबीआई गर्वनर ने दिया बड़ा अपडेट

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) पायलट परियोजना में 'ऑफलाइन लेन-देन शुरूआत करने की घोषणा की। इसका सीधा मतलब है कि डिजिटल रुपये के उपयोगकर्ता सीमित इंटरनेट कनेक्शन वाले क्षेत्रों में भी लेनदेन कर सकते है। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए कहा कि प्रायोगिक परियोजना के तहत इसमें कार्यक्रम आधारित अतिरिक्त उपयोग को शामिल किया जाएगा। गर्वनर दास ने कहा, खराब या सीमित इंटरनेट संपर्क वाले क्षेत्रों में लेनदेन को सक्षम करने के लिए सीबीडीसी-खुदरा (रिटेल) में एक ऑफलाइन सुविधा शुरू करने का प्रस्ताव है। उन्होंने कहा कि इस उद्देश्य के लिए पहाड़ी क्षेत्रों, ग्रामीण और शहरी स्थानों पर कई 'ऑफलाइन' समाधानों का परीक्षण किया जाएगा। दास ने कहा कि अभी इसके तहत बैंकों द्वारा प्रदान किए गए डिजिटल रुपये वॉलेट का उपयोग करके व्यक्ति से व्यक्ति (पी2पी) और व्यक्ति से व्यापारी (पी2एम) लेनदेन को सक्षम बनाती है। उन्होंने कहा कि अब इस कार्यक्रम आधारित ऑफलाइन रूप से सक्षम करने का काम किया जाएगा। दास ने कहा कि कंपनियां भी अपने कर्मचारियों के लिए कारोबारी यात्रा जैसे कार्यक्रम आधारित खर्च में सक्षम हो सकेंगी। उन्होंने कहा, अतिरिक्त सुविधाएं जैसे वैधता अवधि या भौगोलिक क्षेत्र जिसके भीतर सीडीबीसी का उपयोग किया जा सकता है, को भी 'प्रोग्राम' किया जा सकता है।

आरबीआई की एमपीसी बैठक खत्म, रेपो रेट को 6.5 प्रतिशत पर कायम

मुंबई।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने प्रमुख नीतिगत दरों यानी रेपो रेट को लगातार छठी बार 6.5 प्रतिशत पर कायम रखा है। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने गुरुवार को रिजर्व बैंक की एमपीसी बैठक में लिए गए फैसलों के बारे में जानकारी दी।

- नीतिगत दर या रेपो दर 6.5 प्रतिशत पर बरकरार।
- वित्त वर्ष 2024-25 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर सात प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो चालू वित्त वर्ष के 7.3 प्रतिशत के अनुमान से कम है।
- चालू वित्त वर्ष में खुदरा मुद्रास्फीति औसतन 5.4 प्रतिशत रहेगी। 2024-25 में यह घटकर 4.5 प्रतिशत पर आ जाएगी।
- ब्याज दरों में कटौती का लाभ अभी पूरी तरह उपभोक्ताओं को नहीं मिली है।
- मौजूदा आर्थिक गति अगले वित्त वर्ष में भी बरकरार रहेगी।
- रबी बुवाई में सुधार, विनिर्माण क्षेत्र में निरंतर लाभप्रदता, 2024-25 में आर्थिक गतिविधि का समर्थन करने के लिए सेवाएं मजबूत।
- निवेश चक्र गति पकड़ रहा है, निजी क्षेत्र के पूंजीगत व्यय में सुधार के संकेत।
- भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत, निरंतर वृद्धि पथ पर आत्मविश्वास से प्रगति कर रही है।
- सरकार राजकोषीय के सुदृढ़ीकरण पथ पर कायम है; घरेलू आर्थिक गतिविधियां मजबूत।
- खाद्य पदार्थों की कीमतों में अनिश्चितता का मुख्य मुद्रास्फीति पर प्रभाव जारी है।
- भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने से आपूर्ति श्रृंखला पर असर पड़ रहा है, जिससे जिंस की कीमतों पर दबाव पड़ रहा है।
- विदेशी मुद्रा भंडार 622.5 अरब अमेरिकी डॉलर; विदेशी दायित्वों को पूरा करने के लिए संतोषजनक।
- घरेलू वित्तीय प्रणाली स्वस्थ 'बही-खाते' के साथ मजबूत बनी हुई है।
- विनियमित संस्थाओं को अनुपालन, उपभोक्ता हित संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए।
- आरबीआई खराब या सीमित इंटरनेट संपर्क वाले क्षेत्रों में लेनदेन के लिए 'सीबीडीसी-रिटेल' में एक ऑफलाइन कार्यक्षमता शुरू करेगा।
- चालू वित्त वर्ष में भारतीय रुपये की विनिमय दर काफी स्थिर रही।
- मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की अगली बैठक तीन से पांच अप्रैल को होगी।

पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर क्यों की गई कार्रवाई, गर्वनर दास ने किया खुलासा

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से दिग्गज फिनटेक कंपनी पेटीएम के खिलाफ की गई कार्रवाई के बाद आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने इस कार्रवाई के कारण का खुलासा किया है। बता दें कि आरबीआई ने पिछले सप्ताह पेटीएम पेमेंट्स बैंक को अपने खातों और डिजिटल वॉलेट में 1 मार्च से नई जमाएं स्वीकार करने से प्रतिबंधित कर दिया था। इस फैसले पर केंद्रीय बैंक ने अपने नोटिस में कहा था कि निगरानी संबंधित खामियों और नियमों के गैर-अनुपालन का हवाला देकर आरबीआई ने यह प्रतिबंध लगाया है। कंपनी के मुताबिक, पेटीएम पेमेंट्स बैंक से 30 करोड़ से ज्यादा वॉलेट और 3 करोड़ बैंक खाते जुड़े हुए हैं। कंपनी ने कहा है कि अब तक 80 लाख फास्टैग जारी किए हैं। इस बीच आरबीआई गवर्नर दास ने बताया कि यदि सभी चीजों का अनुपालन किया गया होता, तब केंद्रीय बैंक किसी रेगुलेशन वाली इकाई के खिलाफ कार्रवाई क्यों करता। गर्वनर दास ने कहा कि पेटीएम मामले को लेकर व्यवस्था के बारे में चिंता की कोई बात नहीं, हम केवल भुगतान बैंक की बात कर रहे हैं। इसके अलावा आरबीआई के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे. ने कहा कि ''लगातार गैर-अनुपालन'' के लिए पेटीएम के खिलाफ कार्रवाई की गई। साथ ही सुधारात्मक कार्रवाई के लिए पर्याप्त समय भी दिया गया। आरबीआई गवर्नर ने साफ कर दिया कि जब बैंक और एनबीएफसी प्रभावी कदम नहीं उठाते हैं, हम कारोबार से संबंधित पाबंदियां लगाते हैं। उन्होंने कहा, एक जिम्मेदार रेगुलेटर होने के नाते व्यवस्था के स्तर पर स्थिरता या जमाकर्ताओं अथवा ग्राहकों के हितों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर हम कदम उठाते हैं। उन्होंने कहा, आरबीआई पेटीएम को लेकर की गयी कार्रवाई के बारे में लोगों की चिंताओं को दूर करने के लिए अगले सप्ताह एफएक्यू (बार-बार पूछे जाने वाले सवाल) जारी करेगा।

एचडीएफसी बैंक ने सस्टेनेबल बांड इश्यू से जुटाए 300 मिलियन डॉलर

नई दिल्ली ।

एचडीएफसी बैंक ने कहा कि उसने अपने पहले सस्टेनेबल वित्त डॉलर-मूल्य वाले बांड इश्यू के माध्यम से 300 मिलियन डॉलर जुटा लिए हैं। बाजार पूंजीकरण के हिसाब से देश के सबसे बड़े निजी ऋणदाता ने अपने तीन साल के स्थिरता बांड की कीमत 5.196 फीसदी यील्ड रखी थी। यह तीन-वर्षीय अमेरिकी ट्रेजरी उपज पर 95 आधार अंक (बीपीएस) है। एचडीएफसी बैंक ने कहा कि यूएस ट्रेजरी पर 108 आधार अंकों के अंतर के साथ पांच साल की अवधि के लिए अतिरिक्त 450 मिलियन डॉलर जुटाए गए हैं। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) जो सरकार के स्वामित्व में है, ने जनवरी की शुरुआत में अपने 10 बिलियन डॉलर के मध्यम अवधि के नोट कार्यक्रम के हिस्से के रूप में पांच साल का पेपर जारी करके अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के एक समूह से 600 मिलियन डॉलर जुटाए। एचडीएफसी बैंक ने कहा कि वह सबसे पहले इस रकम का इस्तेमाल हरित और सामाजिक ऋणों के वित्तपोषण के लिए करेगा और बाकी का उपयोग सामान्य बैंकिंग गतिविधियों के वित्तपोषण के लिए करेगा। एचडीएफसी बैंक के ग्रुप हेड-ट्रेजरी अरूप रक्षित ने छोटे और मध्यम उद्यमों का जिक्र करते हुए कहा कि स्थायी वित्त बांड के माध्यम से जुटाए गए धन को इलेक्ट्रिक वाहनों, एसएमई और किफायती आवास के लिए ऋण देने के लिए प्राथमिकता दी जाएगी।

गौतम अडानी का शानदार शतक, 100 अरब डॉलर के एलीट क्लब में फिर शामिल

मुंबई ।

अदाणी ग्रुप के मालिक गौतम अदाणी हिंडनबर्ग रिपोर्ट के एक साल बाद 100 अरब डॉलर से ज्यादा की संपत्ति वाले लोगों के एलीट क्लब में फिर शामिल हो गए हैं। गौतम अदाणी की टोटल नेटवर्थ बुधवार को 2.7 बिलियन डॉलर बढ़कर 100.7 बिलियन डॉलर हो गई। अदाणी की यह संपत्ति हिंडनबर्ग रिसर्च की तरफ से ग्रुप पर बाजार में हेरफेर और धोखाधड़ी का आरोप लगाने के बाद से सबसे ज्यादा है।

बता दें कि साल 2023 की शुरुआत में आई हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में अदाणी ग्रुप पर बाजार में हेराफेरी और धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया था। हालांकि, इन आरोपों को अदाणी ग्रुप ने पूरी तरह से खारिज किया था लेकिन इसके बाद भी अदाणी समूह के शेयर बुरी तरह फिसल गए थे जिससे अदाणी की संपत्ति भी घट गई थी।

अदाणी ग्रुप की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड के शेयरों में पिछले हफ्ते जारी तिमाही नतीजों के बाद बुधवार को आठवें दिन तेजी आई। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार, गौतम अदाणी अब दुनिया के 12वें सबसे अमीर व्यक्ति हैं और अपने हमवतन मुकेश अंबानी से सिर्फ एक स्थान पीछे हैं। इस महीने की शुरुआत में जहां रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की टोटल नेटवर्थ रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई, वहीं गौतम अदाणी की संपत्ति अभी भी 2022 के टॉप लेवल से करीब 50 अरब डॉलर नीचे

है। बात दें कि हिंडनबर्ग रिपोर्ट के बाद अदाणी की टोटल नेटवर्थ में 80 अरब डॉलर से ज्यादा की गिरावट आई थी और यह 37.7 अरब डॉलर के निचले स्तर पर पहुंच गई थी।

मेटा ने भारत में फेसबुक, इंस्टाग्राम से 2.60 करोड़ खराब कंटेंट हटाए

वाशिंगटन ।

मेटा ने दिसंबर 2023 में भारत में फेसबुक की 13 नीतियों में 19.8 मिलियन से अधिक कंटेंट और इंस्टाग्राम के लिए 12 नीतियों में 2 करोड़ से अधिक कंटेंट हटा दिए हैं। मेटा ने कहा कि फेसबुक को 1-31 दिसंबर के बीच भारतीय शिकायत तंत्र के माध्यम से 44,332 रिपोर्टें मिली। इसने 33,072 मामलों में इसके ग्राहकों को उनके मुद्दों को हल करने के लिए टूल्स प्रदान किए। मेटा ने अपनी मासिक रिपोर्ट में आईटी नियम, 2021 के अनुपालन में कहा कि इनमें विशिष्ट उल्लंघनों के लिए सामग्री की रिपोर्ट करने के लिए पूर्व-स्थापित चैनल, सेल्फ-रेमेडिएशन प्रवाह जहां वे अपना डेटा डाउनलोड कर सकते हैं, अकाउंट हैक किए गए मुद्दों को संबोधित करने के तरीके आदि शामिल हैं।

अन्य 11,260 रिपोटरें में से जहां विशेष समीक्षा की जरूरत थी, हमने अपनी नीतियों के अनुसार सामग्री की समीक्षा की और कुल 6,578 रिपोटरें पर कार्रवाई की। शेष 4,682 रिपोटरें

की समीक्षा की गई, लेकिन, हो सकता है कि उन पर कार्रवाई न की गई हो। मेटा ने कहा कि इंस्टाग्राम पर कंपनी को भारतीय शिकायत तंत्र के माध्यम से 19,750 रिपोर्टें प्राप्त हुईं। इनमें से हमने 9,555 मामलों में उपयोगकर्ताओं को उनके मुद्दों को हल करने के लिए टूल्स प्रदान किए।

शाकाहारी थाली महंगी, मांसाहारी 13 फीसदी हुई सस्तीः रिपोर्ट

- जनवरी 2023 की तुलना में जनवरी 2024 में खाद्य मुद्रास्फीति अधिक रही

नई दिल्ली ।

पिछले एक साल में शाकाहारी थाली की कीमत 5 फीसदी बढ़ गई है, जबकि मांसाहारी थाली की कीमत में 13 फीसदी घट गई है। एक रिपोर्ट से यह बात पता चली है। रोटी चावल दर (आरआरआर) रिपोर्ट के अनुसार शाकाहारी थाली में रोटी, प्याज, टमाटर, आलू, चावल, दाल, दही और सलाद शामिल होता है। वहीं मांसाहारी थाली में शाकाहारी थाली के समान ही चीजें होती हैं, सिवाय इसके कि दाल को चिकन (ब्रॉयलर) से बदल दिया जाता है। इस साल जनवरी में शाकाहारी थाली की कीमत 28 रुपये थी, जो पिछले साल जनवरी में 26.6 रुपये थी। वहीं इसी अवधि में मांसाहारी थाली की कीमत 59.9 रुपये से घटकर 52 रुपये हो गई। रिपोर्ट में शाकाहारी थाली की कीमत बढ़ाने के लिए टमाटर और प्याज की ऊंची कीमतों को जिम्मेदार ठहराया गया है, जो पिछले साल क्रमशः 20 और 35 फीसदी बढ़ी थी। इसके अतिरिक्त चावल और दालों की कीमतों में भी क्रमशः 14 और 21 फीसदी की वृद्धि हुई। शाकाहारी थाली की कीमत में वृद्धि से संकेत मिलता है कि जनवरी 2023 की तुलना में जनवरी 2024 में खाद्य मुद्रास्फीति अधिक रही। जनवरी 2023 में खुदरा मुद्रास्फीति 6.52 फीसदी दर्ज की गई, जिसमें खाद्य मुद्रास्फीति 5.94 फीसदी थी। दिसंबर में खुदरा महंगाई दर 5.69 फीसदी और खाद्य महंगाई दर 9.53 फीसदी थी। मांसाहारी थाली की लागत कम हो गई क्योंकि उत्पादन बढ़ने के कारण ब्रॉयलर चिकन की कीमत में 26 फीसदी की गिरावट आई। मांसाहारी थाली की कुल लागत का 50 फीसदी हिस्सा ब्रॉयलर चिकन का होता है। दिसंबर 2023 की तुलना में दोनों थालियों की कीमत में कमी आई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि शाकाहारी और गैर-शाकाहारी थाली की कीमत में महीने-दर-महीने क्रमशः 6 फीसदी और 8 फीसदी की कमी आई है। कीमतों में कमी इसलिए हुई क्योंकि दिसंबर 2023 की तुलना में प्याज की कीमतों में 26 फीसदी और टमाटर की कीमतों में 16 फीसदी की गिरावट आई। यह कीमतों में गिरावट निर्यात प्रतिबंधों और उत्तरी और पूर्वी राज्यों से ताजा टमाटर की आवक के कारण सप्लाई में वृद्धि के कारण आई।

एस्सार समूह ग्रीन रिफाइनरी, ग्रीन हाइड्रोजन संयंत्र पर अरबों डॉलर निवेश करेगाः रुइया

- एस्सार समूह लाख करोड़ से अधिक का मजबूत राजस्व अर्जित कर रहा है

नई दिल्ली ।

विभिन्न कारोबारों में सक्रिय एस्सार समूह हरित हाइड्रोजन संयंत्र, दुनिया की पहली हरित रिफाइनरी और एलएनजी एवं इलेक्ट्रिक पारिस्थितिकी के निर्माण पर अरबों डॉलर का निवेश करेगा। समूह के एक प्रमुख अधिकारी ने यह जानकारी दी। पिछले चार वर्षों में 1,40,000 करोड़ रुपये का कर्ज चुकाने के बाद एस्सार समूह अब अपने मौजूदा कारोबारों से एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का मजबूत राजस्व अर्जित कर रहा है। एस्सार कैपिटल के निदेशक प्रशांत रुइया ने हाल ही में यहां आयोजित भारत ऊर्जा सप्ताह के दौरान कहा कि एस्सार भारत और उसके बाहर टिकाऊ वृद्धि के लिए पारिस्थितिकी तंत्र में निवेश करके पुनरुत्थान की राह बना रहा है। उन्होंने कहा कि एस्सार समूह कार्बन कटौती, विकेंद्रीकरण और डिजिटलीकरण के तीन मुख्य विषयों पर केंद्रित होकर हरित भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाना चाहता है। भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में उभर रहा है। ऐसे में एस्सार इसकी जलवायु प्रतिबद्धताओं को पूरा करने और हरित वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। उन्होंने कहा कि एस्सार दुनिया के सबसे बड़े निम्न-कार्बन (नीले हाइड्रोजन) संयंत्रों में से एक और दुनिया की पहली हरित रिफाइनरी बनाने के लिए 3.6 अरब डॉलर का निवेश करेगा। हालांकि उन्होंने इसका अधिक ब्योरा नहीं दिया। इसके अलावा एस्सार समूह गुजरात में एक गीगावाट की हरित हाइड्रोजन परियोजना विकसित करने पर भी विचार कर रहा है। उन्होंने कहा कि हरित परिवहन के क्षेत्र में एस्सार लंबी दूरी तय करने वाले भारी ट्रकों को कार्बन उत्सर्जन से मुक्त करने के लिए एलएनजी और इलेक्ट्रिक पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण पर ध्यान दे रहा है। रुइया ने हरित परिवहन और हाइड्रोजन संयंत्रों में किए जाने वाले निवेश का विवरण साझा नहीं किया। इसके अलावा समूह पश्चिम बंगाल में एक ब्लॉक से कोयले की परतों से गैस का उत्पादन भी कर रहा है। रुइया ने कहा कि कोल बेड मीथेन उद्योग में सक्रिय एस्सार ऑयल एंड गैस एक्सप्लोरेशन एंड प्रोडक्शन लिमिटेड (ईओजीईपीएल) का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में भारत के कुल गैस उत्पादन में अपना योगदान बढ़ाकर पांच प्रतिशत करना है।

हॉकी खिलाड़ी वरुण कुमार पर लगे आरोपों की जांच कर रही पुलिस

बेंगलुरु । भारतीय टीम के हॉकी खिलाड़ी वरुण कुमार की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। वरुण पर महिला ने बलात्कार के आरोप लगाये थे। जिसकी बेंगलुरु पुलिस जांच कर रही है। इस मामले में पुलिस सबूत जुटाने में भी लगी है। पुलिस ने कहा कि जांच में शामिल होने के लिए वह जल्द ही इस खिलाड़ी से संपर्क करेगी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि इस मामले में अभी तक वरुण से संपर्क नहीं किया है। वह अभी कर्नाटक से बाहर हैं। हम शीघ्र ही उनसे संपर्क करने को कहेंगे। उन्होंने कहा कि हमने सबूत जुटाना शुरू कर दिए हैं। हम कुमार और पीड़ित के बीच संदेश और बातचीत आदि के सबूत जुटा रहे हैं। हम बयान दर्ज करने के लिए उनके करीबी मित्रों से भी संपर्क करेंगे। गौरतलब है कि एक महिला ने आरोप लगाया है कि जब वह नाबालिग थी तब इस हॉकी खिलाड़ी ने शादी का झांसा देकर कई बार उसके साथ संबंध बनाये थे। इसी कारण बेंगलुरु पुलिस ने कुमार के खिलाफ पोस्को के तहत मामला दर्ज किया है। वरुण अभी एफआईएच प्रो लीग की तैयारी के तहत भुवनेश्वर में राष्ट्रीय टीम के साथ अभ्यास कर रहा है। वहीं हॉकी इंडिया ने इस खिलाड़ी के फरार होने की अफवाहों को को गलत बताया है।

विश्व चैम्पियनशिप में बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेंगी मानसी, मंदीप और पलक

नई दिल्ली ।

भारतीय पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी मानसी जोशी, मंदीप कौर और पलक कोहली अब 20 से 25 फरवरी तक पटाया में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप में बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेंगी। इन खिलाड़ियों का लक्ष्य इसमें बेहतर प्रदर्शन कर इस साल के अंत में पेरिस में होने वाले पैरालंपिक मुकाबले में जगह बनाना रहेगा। भारतीय खिलाड़ियों ने पिछले साल चीन में हुए हांगझोउ पैरा एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए 21 पदक जीते थे। मानसी ने कहा, ''हम सभी विश्व चैम्पियनशिप में खेलेंगे जिसके लिए हम 17 फरवरी को जा रहे हैं। यह पैरालंपिक क्वालीफिकेशन के लिए अंतिम अवसर है।'' साथ ही कहा, ''इसके लिए क्वालीफिकेशन प्रक्रिया 31 मार्च को खत्म हो रही है, इस दिन से हमारी रैंकिंग और 'रेस टू पेरिस' यही पर रूक जायेगी। इसलिये यह विश्व चैम्पियनशिप हम सभी के लिए बेहद अहम है।'' मंदीप ने कहा, ''हमें पैरा एशियाई खेलों से पहले अभ्यास करने का ज्यादा समय नहीं मिला था। विश्व चैम्पियनशिप से पहले हमें

ट्रेनिंग के लिए करीब दो महीने मिले और इसके लिए जमकर अभ्यास कर रहे हैं। हमें बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है।'' इसके अलावा पलक भी अब इस टूर्नामेंट के लिए तैयार है।

विराट का कप्तान के तौर पर कार्यकाल शानदार रहा : फिलेंडर

जोहांसबर्ग ।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज वर्नोन फिलेंडर ने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली की जमकर प्रशंसा की है। फिलेंडर ने कहा कि विराट का कप्तान के तौर पर कार्यकाल भी बेहतरीन रहा। उनकी कप्तानी में भारतीय गेंदबाजों का प्रदर्शन लगातार बेहतर हुआ। फिलेंडर ने कहा कि विराट एक ऐसे बल्लेबाज हैं जिनका सामना करना गेंदबाजों के लिए कठिन होता है। फिलेंडर ने ये भी कहा कि विदेशी धरती पर अच्छा प्रदर्शन करने वाले तेज गेंदबाजों के आने से भारतीय टीम बेहतर हुई है। उसके गेंदबाजों ने सभी जगहों पर अपने को साबित किया है। फिलेंडर ने कहा, 'जब भी भारतीय टीम हमारे यहां आती है तो पिछली बार से बेहतर प्रदर्शन करती है। उपमहाद्वीप में जहां स्पिनरों ने भारत को मैच जिताए हैं, वहीं अब उसे तेज गेंदबाज जीत दिला रहे हैं। भारत को ऑस्ट्रेलिया में जीतते देखकर अच्छा लगा जिसका श्रेय विराट की कप्तानी को भी जाता है जब उनकी कप्तानी में गेंदबाजों के प्रदर्शन में निखार देखने को मिला था।' वह 2019 में ऑस्ट्रेलिया में खेली गई सीरीज का जिक्र कर रहे थे जब विराट की कप्तानी में पहली बार भारत ने ऑस्ट्रेलिया को उसकी धरती पर टेस्ट सीरीज में हराया था। फिलेंडर ने कहा कि कोहली उनके लिए सबसे कठिन बल्लेबाज साबित हुए हैं। उन्होंने कहा ,'भारत जैसे मजबूत

बल्लेबाजी क्रम का सामना करना अच्छा लगता रहा है। मानसिक मजबूती के पैमाने पर देखा जाए तो कोहली काफी खतरनाक हैं और गेंदबाजों के लिए कड़ी चुनौती पेश करते हैं।'फिलेंडर ने करियर में कभी भी आईपीएल नहीं खेला है लेकिन वह अब इस लीग में कोच या सलाहकार के रूप में जुड़ना चाहते हैं।

आयोजन समिति ने पेरिस ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों के लिए पदकों का अनावरण किया

पेरिस।

पैरालंपिक और पेरिस 2024 ओलंपिक आयोजन समिति ने गुरुवार को ओलंपिक 2024 के लिए पदकों का अनावरण किया, जो 26 जुलाई से 11 अगस्त तक पेरिस 2024 आयोजन समिति मुख्यालय, सेंट-डेनिस में होने वाला है। पैरालिंपिक 28 अगस्त से 8 सितंबर तक आयोजित किया जाएगा। सोने, चांदी और कांस्य पदक के भीतर पेरिस का एक छोटा सा टुकड़ा दिखाया गया है। प्रतिष्ठित एफिल टॉवर का एक टुकड़ा, जो फ्रांस की स्थायी भावना और ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों द्वारा सन्निहित सार्वभौमिक मूल्यों के एक मार्मिक प्रमाण के रूप में कार्य करता है। पेरिस 2024 के पदक न केवल अपनी सुंदरता में बल्कि परंपरा और अनोखे मिश्रण में भी अलग हैं। जैसा कि पेरिस 2024 आयोजन समिति के अध्यक्ष टोनी एस्टांगुएट ने बताया यह निर्णय इन मेडलों को अद्वितीय और विलक्षण बनाने की इच्छा से लिया गया थाः 'इन कीमती धातुओं-सोना, चांदी और कांस्य को एक साथ लाने के प्रयास में बहुत बड़ा काम किया गया था।' साल के सबसे बड़े खेल आयोजन के लिए कुल 5084 पदक बनाए गए हैं। इन पदकों को जौहरी चौमेट ने डिजाइन किया है।

भारत ने इंग्लैंड को हराकर पहली बार जीता अंतर्राष्ट्रीय पैरा क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब

अहमदाबाद,

भारतीय शारीरिक विकलांग क्रिकेट टीम ने डिफरेंटली एबल्ड क्रिकेट काउंसिल ऑफ इंडिया (डीसीसीआई) द्वारा आयोजित देश की पहली अंतरराष्ट्रीय शारीरिक रूप से विकलांग पांच मैचों की टी20 सीरीज के दौरान इंग्लैंड पर 4-1 से सीरीज जीत हासिल की। टी20 श्रृंखला के पांच मैच अहमदाबाद में हुए और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के संरक्षण में गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित किए गए। इसमें भारतीय और अंग्रेजी शारीरिक रूप से विकलांग क्रिकेट टीमों के बीच गहन मैचअप दिखाया गया, जिसके दौरान भारत उनमें से चार में विजयी हुआ, और इंग्लैंड के खिलाफ 4-1 से श्रृंखला जीत हासिल की। अंतरराष्ट्रीय शारीरिक रूप से अक्षम टी20 श्रृंखला ने भारत में दिव्यांग क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित किया, जिससे प्रतिभाशाली पैरा क्रिकेटरों को अपने कौशल का प्रदर्शन करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए एक मंच प्रदान किया गया। श्रृंखला की जीत पर अपने विचार साझा करते हुए, भारतीय दिव्यांग क्रिकेट परिषद (डीसीसीआई) के महासचिव, रविकांत चौहान ने कहा, ÷स्वयं का निरंतर समर्थन न केवल हमें प्रेरित करता है, बल्कि दिव्यांग क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में भी हमारी सहायता करता है। अंतर्राष्ट्रीय शारीरिक रूप से अक्षम टी20 क्रिकेट श्रृंखला की मेजबानी भारत में दिव्यांग क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

हम एक खेल के रूप में क्रिकेट की समावेशी प्रकृति में दृढ़ता से विश्वास करते हैं, और हमारा लक्ष्य सभी के लिए पहुंच को बढ़ावा देने के स्वयम के उद्देश्य का समर्थन करना है। मुझे विश्वास है कि बढ़ी हुई पहुंच के साथ, हमारे खिलाड़ी अधिक सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

यह पहल ग्रामीण भारत के खिलाड़ियों की भागीदारी की वृद्धि के द्वार भी खोलती है ।

संक्षिप्त समाचार

दोस्त की खेल सामान वाली दुकान का प्रमोशन करते दिखे धोनी

रांची । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के आईपीएल के लिए अभ्यास का एक वीडियो आया है। धोनी का नेट्स अभ्यास करते हुए का एक वीडियो आया है पर इसमें उनके बल्ले पर एक दोस्त की खेल सामान वाली दुकान का स्टिकर भी लगा हुआ है। इससे साफ है कि धोनी अपने दोस्त की दुकान का भी प्रमोशन कर रहे हैं। धोनी को नेट्स में जिस बल्ले के साथ अभ्यास करते देखा गया था उसपर प्राइम स्पोर्ट्स का स्टिकर लगा हुआ था। वहीं सोशल मीडिया पर प्रशंसकों ने अंदाजा लगा लिया कि यह स्टिकर धोनी का अपने बचपन के दोस्त की खेल के सामान की दुकान को प्रोमोट करने का तरीका था। धोनी ने अकसर अपने क्रिकेट करियर के शुरुआती दौर में अपने बचपन के दोस्तों से मिले समर्थन के बारे में बात की है। उनके एक दोस्त ने ही उन्हें उनके करियर में पहली बार बल्ले के लिए प्रायोजक दिलाने में सहायता की थी। यह पहली बार नहीं है कि धोनी ने अपने बल्ले पर जगह का इस्तेमाल उन लोगों के लिए किया है जिन्होंने वर्षों से उनकी मदद की है। 2019 विश्व कप के दौरान पूर्व विकेटकीपर ने कई बल्लों के साथ खेला, प्रत्येक पर अलग-अलग ब्रांड का लोगो था। धोनी के नेट्स में उतरने के बाद ऐसा लगता है कि वह पिछले साल सर्जरी के बाद घुटने की चोट की समस्या से पूरी तरह उबर चुके हैं और आईपीएल 2024 में चेन्नई सुपर किंग्स का नेतृत्व करेंगे। पिछले साल सीएसके को जीत दिलाने के बाद धोनी ने पुष्टि की कि वह कम से कम एक और साल खेलने के लिए लौटेंगे।

शमी ने धोनी को बताया सर्वश्रेष्ठ कप्तान

मुम्बई । भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने खेल के तीनों ही प्रारुपों में शानदार गेंदबाजी के कारण टीम में अपनी जगह बनाये रखी है। शमी पिछले एक दशक से अधिक समय से भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के प्रमुख स्तंभ रहे हैं। अपने करियर के दौरान उन्होंने कई खिलाड़ियों की कप्तानी में खेला है पर वह महेन्द्र सिंह धोनी को सर्वश्रेष्ठ कप्तान मानते हैं। शमी के अनुसार जितनी सफलता टीम को धोनी के समय मिली है। उतनी किसी कप्तान के दौर में नहीं मिली। शमी ने धोनी के नेतृत्व में पदार्पण करने के बाद विराट कोहली की कप्तानी में भी खेला है। वहीं अब वह रोहित शर्मा के नेतृत्व में खेल रहे हैं। वह विराट की कप्तानी में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक के रूप में उभरे हैं। शमी ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की बात करें तो गुजरात टाइटन्स (जीटी) में हार्दिक पंड्या के नेतृत्व में भी खेला है। इसी टीम ने साल 2022 में खिताब जीता और 2023 में फाइनल में जगह बनाई थी। अपने सर्वश्रेष्ठ कप्तान के बारे में बात करते हुए शमी ने कहा कि सबका रुख अलग-अलग होता है। साथ ही कहा कि ये चीजें तुलना से शुरू होती हैं पर आप वही कहेंगे जो सबसे सफल रहा है। तो मेरे लिए वह धोनी हैं क्योंकि कोई भी उनके जितना सफल नहीं हुआ है। शमी टखने की चोट के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2023 विश्व कप फाइनल के बाद से ही खेल से दूर हैं। उन्होंने 2023 विश्व कप में सबसे अधिक 24 विकेट लिए थे।

रुट ने गेंदबाजों से कहा कोहली और रोहित पर अकुंश लगाना जरुरी

नई दिल्ली ।

इंग्लैंड टीम के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट भारत के खिलाफ अब तक हुए दोनो ही मैचों में बड़ा स्कोर नहीं बना पाये हैं। वहीं इंग्लैंड और भारतीय टीम अभी तक 1-1 से सीरीज में बराबरी पर है। ऐसे में राजकोट में होने वाला तीसरा टेस्ट बेहद अहम माना जा रहा है। ऐसे में रुट ने कहा है कि उनकी टीम को जीत दर्ज करनी है तो भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली पर अंकुश लगाना होगा। रुट ने गेंदबाजों से कहा कि रोहित ओर विराट शीर्ष स्तर के बल्लेबाज हैं और इनमें तेजी से बड़ा स्कोर बनाने की क्षमताएं हैं। इसलिए इनपर रोक लगाना जरुरी है। रोहित हालांकि दो टेस्ट मैचों में अच्छी शुरुआत के बाद भी अब तक अधिक रन नहीं बना पाये हैं। वहीं कोहली निजी कारणों से पहले 2 मैचों से बाहर हैं। रुट ने कहा कि मैच के लिए योजना बनाने के लिए लिए अब टीम बैठकें नहीं होतीं और जब भी अवसर मिलता है हम आपस में बात कर लेते हैं।

रूट ने कहा कि हम वास्तव में अब टीम बैठकें नहीं करते हैं। यह बहुत अच्छी चीजों में से एक है कि हम खेल से दूर अपनी सारी बातचीत करते हैं और एक-दूसरे के साथ समय बिताने का आनंद लेते हैं। हमें किसी योजना को बनने के लिए एक रूम में बैठे रहने की जरूरत नहीं है। मुझे लगता है कि यही वह समय है जब आप अपना सर्वश्रेष्ठ सीखते हैं।

उन्होंने रोहित और कोहली की बात करते हुए कहा कि ये दोनो ही आधुनिक युग के दो दिग्गज खिलाड़ी हैं। रूट ने कहा कि निश्चित रूप से, इस पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। हम जानते हैं कि वे कितने अच्छे हैं और वे वर्तमान भारतीय बल्लेबाजी लाइनअप में भी बहुत वरिष्ठ हैं। उनमें बड़े स्कोर बनाने की क्षमता है, इसलिए हमें इनपर नियंत्रण बनाये रखना होगा।

तीसरे टेस्ट में हो सकती है जडेजा और राहुल की वापसी

मुम्बई ।

भारत और इंग्लैंड के बीच राजकोट में खेले जाने वाले तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में स्पिन ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा और विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल की वापसी की संभावना है। 15 फरवरी से होने वाले तीसरे टेस्ट के लिए अभी टीम की घोषणा होनी है। जडेजा और राहुल अब तक केवल एक टेस्ट ही खेल पाए थे। चोटिल होने के कारण ये दोनो ही दूसरे टेस्ट में नहीं खेल पाये थे। वहीं अब एक रिपोर्ट के अनुसार राहुल और जडेजा अपनी चोट से उबर गये हैं। ये दोनो ही अभी नेशनल क्रिकेट एसोसिएशन (एनसीए) बेंगलुरु में हैं। प्रबंधन को भी उम्मीद है कि जडेजा अपने घरेलू मैदान पर वापसी जरूर करेंगे। जडेजा और राहुल ने हैदराबाद टेस्ट में पहली पारी में अच्छा प्रदर्शन किया पर इंग्लैंड ने दूसरी पारी में शानदार खेल दिखाकर वापसी की। जडेजा को हैमस्ट्रिंग की चोट लगी है जबकि राहुल को दाहिने जांघ की मांसपेशी में दर्द है। वहीं विराट कोहली निजी कारणों से पहले दो टेस्ट से बाहर रहे हैं और उनका तीसरे टेस्ट में भी खेलना संदिग्ध है। ऐसे में चयनकर्ता चाहेंगे कि राहुल और जडेजा फिट होने पर शामिल किये जायें। दूसरे मैच के लिए चयनकर्ताओं ने सरफराज खान, सौरव कुमार और वॉशिंगटन सुंदर को टीम में शामिल किया था। पाटीदार को विराट कोहली की जगह शामिल किया गया था। भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरा टेस्ट गुजरात के सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेला जाएगा। दोनो ही टीमें अभी सीरीज में 1-1 से बराबरी पर हैं। ऐसे में ये मैच अहम रहने की संभावना है।

बुमराह से सावधान रहें रुट : हुसैन

लंदन । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने कहा है कि जो रुट को इस बार सावधान रहना होगा क्योंकि इस बार उनके सामने जसप्रीत बुमराह जैसा गेंदबाज है। दोनो ही टीमें अब सीरीज में 1-1 से बराबरी पर हैं। हुसैन ने तीसरे मैच से पहले कहा कि रूट ने हमेशा सबसे बड़ी चुनौतियों का सामना किया है पर इस बार उनके सामने बुमराह जैसा गेंदबाज है। हुसैन ने लिखा, एक बार जब कोई गेंदबाज आप पर हावी हो जाता है तो आप जानते हैं कि क्या होता है। जो रूट ने हमेशा अपनी सबसे बड़ी कठिन चुनौतियों का मुकाबला करने का एक तरीका तलाशा है पर इस बार बुमराह के होने से उनकी राह आसान नहीं है। साथ ही कहा कि जैसे-जैसे पांच मैचों की टेस्ट सीरीज आगे बढ़ेगी रुट की परेशानी बढ़ेगी। अगर गेंद रिवर्स स्विंग कर रही है तो बुमराह टीम में जरुर रहेंगे। रूट अब तक इस सीरीज में रन नहीं बना पाये हैं। वह दूसरे टेस्ट की पहली इनिंग में 5 जबकि दूसरी पारी में 16 रन ही बना पाये। इंग्लैंड की ओर से सबसे ज्यादा रन जैक क्राउली ने बनाए थे। रूट को पहली पारी में बुमराह ने आउट किया था वहीं, दूसरी पारी में वह आर अश्विन का शिकार बने थे।

टी20 विश्व कप में अहम भूमिका निभाएंगे बुमराह : फिलैंडर

जोहानिसबर्ग।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व मध्यम तेज गेंदबाज वेर्नोन फिलैंडर ने भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर प्रशंसा की है। फिलैंडर ने कहा कि बुमराह सभी प्रारूपों में काफी अच्छी गेंदबाजी करते हैं। ऐसे में वह इस साल होने वाले टी विश्व कप में भारत के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज साबित होने के साथ ही मुकाबले में अंतर पैदा करेंगे। इंग्लैंड के खिलाफ विशाखापत्तनम में हुए दूसरे टेस्ट में बुमराह ने नौ विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। अपने इस प्रदर्शन से वह आईसीसी टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में भी नंबर एक पर पहुंच गये हैं। इससे पहले महान ऑलराउंडर कपिल देव दिसंबर 1979 से फरवरी 1980 के बीच दूसरे नंबर पर पहुंचे थे। फिलैंडर ने कहा, 'बुमराह इस समय एक संपूर्ण गेंदबाज है। उनके पास जबर्दस्त कौशल है, इसके साथ ही उन्होंने सटीक गेंदबाजी की कला भी सीख ली है। इसी कारण उन्हें टेस्ट क्रिकेट में इतनी अधिक सफलता मिल रही है। पहले वह हर समय विकेट लेने वाली गेंद फेंकना चाहते थे जिससे कभी-कभी महंगे भी साबित होते थे पर अब उनके प्रदर्शन में निरंतरता आ गयी है। उन्होंने कहा, 'वह ऐसे गेंदबाज हैं जिन्हें टी20 क्रिकेट में कभी कम नहीं आंका जा सकता। वह नयी गेंद से स्विंग कराते हैं और बल्लेबाज को आगे बढ़कर खेलने के लिये मजबूर करते हैं। उनकी यॉर्कर गेंदबाजी काफी धारदार होती है और टी20 में इसी की जरुरत होती है। मुझे लगता है कि वह टी20 विश्व कप में सबसे सफल तेज गेंदबाज साबित होंगे। गौरतलब है कि टी20 विश्व कप जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेला जाएगा। उन्होंने तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि वह गेंद को काफी अच्छी तरह से स्विंग कराते हैं। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा, 'भारत के वर्तमान तेज गेंदबाजों से मैं काफी प्रभावित हूं। बुमराह के अलावा शमी भी सीम का काफी अच्छे तरीके से इस्तेमाल करते हैं। दक्षिण अफीका में गेंदबाजी करना आसान नहीं होता पर भारत की सपाट पिचों पर गेंदबाजी करने के बाद उन्होंने जिस तरह यहां गेंदबाजी की थी उसकी जितनी प्रशंसा की जाये वह कम है। फिलैंडर ने कहा कि विदेशी धरती पर अच्छा प्रदर्शन करने वाले तेज गेंदबाजों का टीम में होना भारतीय क्रिकेट के लिए अच्छा संकेत है। उन्होंने कहा, 'जब भी भारतीय टीम यहां आती है तो पिछली बार से बेहतर प्रदर्शन करती है। उपमहाद्वीप में जहां स्पिनरों ने भारत को मैच जिताए हैं वहीं अब उसके पास मैच विजेता तेज गेंदबाज भी हैं। भारत को 2019 में आस्ट्रेलिया में जीतते देखकर अच्छा लगा जिसका श्रेय विराट कोहली को भी जाता है जब उनकी कप्तानी में गेंदबाजों के प्रदर्शन में निखार देखने को मिला था।

ओझा ने अय्यर और पाटीदार को तीसरे टेस्ट के लिए शामिल नहीं किया

नई दिल्ली ।

भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर प्रज्ञान ओझा ने राजकोट में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए दो खिलाड़ियों श्रेयस अय्यर और रजत पाटीदार को अंतिम ग्यारह से बाहर कर दिया है। इस सीरीज में अभी दोनो ही टीमें 1-1 से बराबरी पर हैं। ओझा का कहना यह भी है कि श्रेयस अय्यर को अभी घरेलू क्रिकेट खेलना चाहिए। ओझा ने कहा, अय्यर रनों के मामले में पीछे रह गए हैं। उन्होंने कहा कि जब विराट कोहली और केएल राहुल वापसी करेंगे तो अय्यर और पाटीदार को बाहर जाना पड़ेगा। इस पूर्व स्पिनर ने साथ ही कहा, ऐसा नहीं है कि आपको कोई अवसर नहीं देना चाह रहा पर जब बड़े खिलाड़ी वापसी करते हैं और आपके पास रन नहीं होते हैं तो आप अपनी जगह बचा नहीं पाते हैं। ऐसी स्थितिक में घरेलू क्रिकेट खेलकर रन बनाने का विकल्प ही होता है। भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरा टेस्ट मैच 15 फरवरी से सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशसन स्टेडियम में खेला जाएगा। वहीं पहले दो टेस्ट में बाहर रहे टीम इंडिया के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली अगर इस मैच में नहीं खेलते तो पाटीदार की टीम में जगह बन रह सकती है।

गैरकायदेसर बांधकाम को विकास का मॉडल बताते मनपा लिंबायत जोन के अधिकारी

सुरत भुमि, सूरत। शहर के लिंबायत जोन में टीपी नं. 62 तथा टीपी नं. 69 में ऐसे तमाम गैरकायदेसर बांधकम किए गए हैं। परंतु बिल्डर द्वारा किया गया गैरकायदेसर बांधकाम विकास का नमूना बताया जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ लिंबायत जॉन के अधिकारियों की तिजोरी न भरने के कारण स्कूलों या मंदिर पर महानगरपालिका के अधिकारी जमकर हथोड़ा बरसा रहे हैं। ऐसा लगता है की संविधान पूंजीपति बिल्डरों को लागू नहीं पड़ता सिर्फ गरीब तपके के लोगों को नियमों का पालन करना पड़ता है जो अवैध बांधकाम किए गए हैं वह भाजपा के उच्च नेताओं के आशीर्वाद से फल फूल रहे हैं। सोसायटी की सीयूपी में अथवा मार्जिन जगह में हॉस्पिटल तथा शॉपिंग बनाकर अच्छे भाव में बेचकर बिल्डर खूब दबाकर कमा रहे हैं। यहां तक की सरकारी प्लान पास होने के बावजूद नियमों की अवहेलना करते हुए प्लान विरुद्ध रेसिडेंस में शॉपिंग बनाकर लाखों का घर करोड़ों में बेचा जा रहा है। सोसाइटी में निवास करने वाली जनता से महानगरपालिका 25 साल से टैक्स की वसूल करती है परंतु उनको प्राथमिक सुविधा नहीं देती बगैर प्राथमिक सुविधा के बिल्डिंगों को बेचने का अधिकार कैसे देते हैं अधिकारी ? यह भ्रष्टाचार का एक बड़ा मिसाल है सोसायटी के लोग अर्जी करके जब जवाबदार अधिकारी से मुलाकात करते हैं और कार्यवाही करने की बात करते हैं तो अधिकारी स्पष्ट बोल देते हैं की इंपैक्ट फीस भर दिया गया है। गुजरात एक ऐसा राज्य है जहां बीएमसी के नियम सिर्फ नेताओं व मनपा की तिजोरी भरने के लिए प्रयोग किए जाते हैं ना कि जनहित में काम करने के लिए, इसीलिए गुजरात को सुशासन बाबू का राज्य बोला जाता है।

परप्रांतीय मजदूरों पर दिखाई दिया बिल्डर का आक्रोश

संवाददाता विंध्याचल ओझा। सूरत के सरोली विस्तार में स्थित राज टैक्सटाइल टावर मार्केट के बिल्डर मुकेश नाटा एवं उनके वॉचमैन ने मजदूरों को जान से मारने की कोशिश की, लोहे की रोड होकि लाठी डंडों से बुरी तरह से मजदूरों को पिटा गया। जिसको लेकर मजदूर काफी आक्रोश में है काम बंद करने की धमकी दे रहे हैं। पुलिस प्रशासन से अपील कर रहे हैं बिल्डर के खिलाफ केस रजिस्टर करने की मांग कर रहे हैं। मजदूरों ने बताया कि मुकेश नाटा नाम का बिल्डर काफी पावरफुल है पहले भी कई मजदूरों को मार चुका है आए दिन इसके साथ मजदूरों की कुछ ना कुछ ठनी रहती है मार्केट में रखेंहुए पार्सल के ऊपर खुद ही आग लगवाता है मजदूरों का ऐसा कहना है सीसीटीवी कैमरा चैकिंग करवाने के बात पर झगड़ा हुआ कैमरा चेक करने नहीं दिया अपने गुरगो को बुलाकर और खुद स्वयं बुरी तरह से मजदूरों को पीटा, जिससे कई मजदूर हॉस्पिटल्स में भारती है।

सैनिक के परिवार की मंजूरी और स्वर्गीय निर्मलाबेन की पूर्व प्रतिज्ञा के बाद, सफल दान ने लाखों लोगों को प्रेरित किया

सूरत।

धार्मिक परंपरा और सामाजिक भावना के कारण भारत में मृत्यु के बाद देहदान का चलन आसानी से देखने को नहीं मिलता है. हिंदू धर्म में मृत्यु के बाद उचित दाह संस्कार के महत्व के कारण ज्यादातर लोग दान देने से कतराते हैं। उस समय भारतीय नौसेना में पूर्व लेफ्टिनेंट ओम प्रकाश सूद की दिवंगत पत्नी मूल रूप से हिमाचल प्रदेश की रहने वाली थीं और 10 साल से सूरत में बस गईं थीं। निर्मलाबेन सूद का दान देने का संकल्प दूसरों के लिए प्रेरणा है।

82 वर्षीय स्वर्गीय निर्मलाबेन को परिवार के पूर्व निर्णय और सहमति के तहत न्यू सिविल स्थित सरकारी मेडिकल कॉलेज में मेडिकल छात्रों की पढ़ाई के लिए दान दिया गया था। सूरत में अपनी बेटी के साथ रहने वाली दिवंगत निर्मलाबे ने देहदान जैसा अनोखा दान देकर एक नेक मिसाल कायम की है। सूद परिवार की जीवन और मृत्यु के बाद भी समाज और देश के काम आने की सद्भावना हजारों सैन्य परिवारों की देशभक्ति और जनसेवा भावना को दर्शाती है।

यूआरसी एवं ईसीएस पॉलीक्लिनिक समन्वयक एवं पूर्व वायुसेना अधिकारी एसएस चंपावत की प्रेरणा से सूद परिवार द्वारा लिए गए निर्णय के बाद राजकीय मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. रागिनी वर्मा ने देहदान स्वीकार किया। इस दान के माध्यम से चिकित्सा की पढ़ाई कर रहे मेडिकल छात्र चिकित्सा के क्षेत्र में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

यूआरसी और ईसीएस पॉलीक्लिनिक के समन्वयक और पूर्व सेना अधिकारी एस.एस. चंपावते ने वर्षों पहले अंगदान और अंगदान के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता के लिए सूद परिवार की सराहना करते हुए कहा कि समाज की रूढ़िवादी मान्यताओं को पीछे छोड़ने का निर्णय हजारों लोगों के लिए प्रेरणा है। सूरत भर में रहने वाले सैन्य परिवारों का। जोड़ा गया है। यहां बता दें कि ओम प्रकाश सूद ने 1971 के युद्ध में अहम भूमिका निभाई थी।

मंगरोल तालुका के बोरिया गांव के ग्रामीण विकसित भारत संकल्प यात्रा के रथ का भव्य स्वागत करते हुए

सूरत । केंद्र और राज्य सरकार की प्रमुख योजनाओं का लाभ गांव-गांव तक पहुंचाने के इरादे से सूरत के मंगरोल तालुका के बोरिया गांव में भारत संकल्प यात्रा का रथ विकसित हुआ. जहां ग्रामीणों ने संकल्प यात्रा रथ का भव्य स्वागत किया और विकसित भारत संकल्प यात्रा का सामूहिक संकल्प लिया.

इस अवसर पर केंद्र एवं राज्य सरकार के पोषण अभियान, पीएम किसान वय योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना, विश्वकर्मा योजना, आयुष्यमान कार्ड, जल जीवन मिशन योजना, अटल पेंशन योजना, प्राकृतिक कृषि, आई.सी.डी. सहित विभिन्न विभागों की योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। जैसे एस विभाग, पशुपालन के लिए योजनाएं।

इस अवसर पर गणमान्य व्यक्तियों द्वारा शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ वितरित किया गया। साथ ही पोषण अभियान, पीएमजेवाई, सखी मंडल, कृषि विभाग, स्वास्थ्य विभाग, आईसीडीएस विभाग के लाभार्थियों ने अपने अनुभव साझा किये.

इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्री दिनेशभाई सुरती, नेता श्री सीताबेन चौधरी, तालुका पंचायत सदस्य श्री मुकेशभाई गमीत, जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. काजलबेन, चिकित्सा अधिकारी जंखना बेन, विस्तार अधिकारी श्री गोविंदभाई चौधरी, आयुर्वेदिक डॉ. हेमाली बेन , आईसीडीएस पर्यवेक्षक योगिताबेन.सी.राठोड, बोरिया ग्राम पंचायत सदस्य महेशभाई चौधरी, वासमो विभाग अधिकारी श्री जयेंद्र भाई सुरती और आंगनवाड़ी सहायिका बहनें, स्वास्थ्य कर्मचारी और अन्य विभागों के अधिकारी बड़ी संख्या में ग्रामीण और लाभार्थी उपस्थित थे।

महुवा तालुका के खांडल गांव की दीवालीबेन हलपति को पीएम आवास से छत्रछाया मिली

सूरत।

दीवालीबेन का सपना था कि वह अपने कच्चे घर को मजबूत घर में बदल दें। महुवा तालुक के खांडल गांव की दीवालीबेन हलपति को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत एक घर के लिए मंजूरी दी गई थी। जिला ग्राम विकास एजेंसी, सूरत से घर निर्माण के लिए 1.20 लाख रुपये की सहायता के साथ घर बनाने का कठिन काम आसान हो गया। साथ ही मनरेगा योजना के तहत 90 दिन का रोजगार मिला, जिसमें घर बनाने की मजदूरी के रूप में 17,620 रुपये अलग से मिले. सरकार की मदद से दिवलिबेन जैसी आम महिला का घर बनाने का सपना साकार हुआ.

लाभार्थी दीवालीबेन भागुभाई हलपति कहते हैं कि पहले मेरा घर मिट्टी का था और छत देशी पाइपों से बनी थी, इसलिए जब मानसून में भारी बारिश होती थी, तो पानी टपकने से बहुत मुश्किल होती थी।

हमारे ग्राम पंचायत के सरपंचश्री ने हमें प्रधानमंत्री आवास योजना के बारे में बताया, जिसके तहत जिला ग्राम विकास एजेंसी सूरत द्वारा प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किया गया था। हमें पहली किस्त के रूप में तीस हजार रुपये अग्रिम दिए गए थे। राशि से मकान का काम शुरू करने के बाद मुझे अपने मकान के लिंटल लेवल तक पहुंचने के लिए दूसरी किस्त में पचास हजार रुपए मिले। भवन का पूरा काम पूरा होने के बाद चालीस हजार रुपये की तीसरी किस्त प्राप्त हुई, जिसे मैंने और मेरे पति ने स्वीकृत किया और अपनी बचत जोड़ी और अपने सपनों का घर बनाया।

प्रधानमंत्री आवास योजना और मनरेगा योजना के माध्यम से आवास का निर्माण हुआ है, अच्छे मकान बनने से गांव में हमारा रुतबा बढ़ा है और अब रहना पहले की तरह मुश्किल नहीं रहा। इस प्रकार, सरकार की प्रधानमंत्री आवास योजना और मनरेगा योजना हमारे लिए एक सौभाग्यशाली विकल्प है।

उन्होंने आगे कहा कि सरकार हम जैसे गरीबों और वंचितों को विभिन्न योजनाओं का लाभ दे रही है। हमारे दोनों बेटे सरकारी शैक्षिक सहायता के माध्यम से चिकित्सा क्षेत्र में अध्ययन कर रहे हैं। सरकार की निःशुल्क शिप कार्ड योजना से बड़ा बेटा केयूर बीएएमएस के चौथे सेमेस्टर में और छोटा बेटा हर्षित एमबीबीएस के दूसरे सेमेस्टर में पढ़ रहा है। सरकार की मदद से बेटे भी पढ़ाई कर रहे हैं और का सपना एक घर भी पूरा हो गया है, जिसके लिए उन्होंने सरकार का आभार व्यक्त किया।

सीए इंटरमीडिएट और सीए फाइनल के बाद सीए फाउंडेशन में भी पैनोरमिक एजुकेशन के छात्रो का रहा बेहतरीन प्रदर्शन

सुरत भुमि, सूरत।

वेसू स्थित पैनोरमिक एजुकेशन से एक या दो नही बल्कि 20 विद्यार्थीयो ने 400 में से 300+ के ऊपर अंक लाकर अपनी योग्यता को साबित कर , माता पिता को गर्व महसूस करवाया। 20 विद्यार्थियो में मनन छेड़ा ने 400 में से 340 व महक गिलरा ने 339 अंक प्राप्त किये। गणित जैसे कठीन विषय में महक गिलरा ने 98/100 अंक प्राप्त कर यह दर्शाया कि भविष्य मे देश की अर्थव्यवस्था को संभालने के लिए हमारी यंग जनरेशन रुचि दिखा रही है। सभी विद्यार्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता के आशीर्वाद और शिक्षकों के उचित मार्गदर्शन को दिया। दिसंबर में आयोजित सीए फाउंडेशन परीक्षा में पूरे भारत में 24.98% छात्र उत्तीर्ण हुए, जबकि पैनोरमिक एजुकेशन में 67% छात्र उत्तीर्ण हुए।

जा सकती है। इसके अलावा, अर्थशास्त्र में दिव्यांश केडिया ने 100 में से 99 लाकर अथवा पैनोरेमिक एजुकेशन से कुल 10 विद्यार्थियों ने स्कोर 90 से ऊपर लाकर यह साबित किया है कि लगातार अभ्यास से सारी कठिनाइयों पर जीत हासिल की जा सकती है।

ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ने 2024 की तीसरी तिमाही एवं नौ महीनों के परिणामों की घोषणा की

गुरुग्राम । भारत की प्रमुख इंटीग्रेटेड सप्लाई चेन और लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशन प्रोवाइडर, ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ने आज 31 दिसंबर 2023 को समाप्त तीसरी तिमाही और नौ महीनों के अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा कर दी है। इस तिमाही में कंपनी के कुल रेवेन्यू में पिछले वर्ष की इसी तिमाही की तुलना में 2.2त्न की वृद्धि दर्ज की गई है। वहीं, इस अवधि के दौरान कंपनी मुनाफे में सालाना आधार पर 0.3त्न की वृद्धि दर्ज की गई है।

स्टैंडअलोन (एकीकृत)

वित्तीय परिणाम की खास बातें ः वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही बनाम वित्त वर्ष 2023 की तीसरी तिमाही

वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही में कंपनी का परिचालन से रेवेन्यू सालाना आधार पर 2.2% बढ़कर 8,999 मिलियन रुपए रहा

एबिटा वित्त वर्ष 2023 की तीसरी तिमाही के 1,376 मिलियन से बढ़कर 1,386 मिलियन रही

एबिटा मार्जिन सालाना आधार पर 15.62% की जगह 15.40% रहा

कर पश्चात लाभ वित्त वर्ष 2023 की तीसरी तिमाही के 953 मिलियन रुपये से बढ़कर 956 मिलियन रुपये रहा। इसमें सालाना आधार पर 0.3% फीसदी की बढ़त हुई है।

वित्त वर्ष वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही में कंपनी का पीएटी मार्जिन 10.62% दर्ज किया गया। जबकि, वित्त वर्ष 2023 की तीसरी तिमाही में कंपनी का पीएटी मार्जिन 10.82% था।

कंसोलिडेटेड (समेकित)

वित्तीय नतीजे की खास बातें : वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही बनाम वित्त वर्ष 2023 की तीसरी तिमाही

वित्त वर्ष वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही में कंपनी का परिचालन से रेवेन्यू सालाना आधार पर 3.7% बढ़कर 10,020 मिलियन रुपए रहा

एबिटा वित्त वर्ष 2023 की तीसरी तिमाही के 1,316 मिलियन रुपये की जगह 1,276 मिलियन रुपये रहा

एबिटा मार्जिन सालाना आधार पर 13.61% की जगह 12.73% रहा

कर पश्चात लाभ वित्त वर्ष 2023 की तीसरी तिमाही के 865 मिलियन रुपये की जगह 802 मिलियन रुपये रहा

वित्त वर्ष वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही में कंपनी का पीएटी मार्जिन 8.00% रहा है। जबकि, वित्त वर्ष 2023 की तीसरी तिमाही में कंपनी का पीएटी मार्जिन 8.95% था

बीएसवी ने एकेडमिक इनिशिएटिव्स 2024 के माध्यम से स्वास्थ्य के सुझावों का प्रचार करने के महत्व पर जागरुकता फैलाने के लिये एफओजीएसआई के साथ गठबंधन किया

मुंबई।

भारत में अग्रणी बायोफार्मा टिकल कंपनी भारत सीरम्स एण्ड वैक्सीन्स लिमिटेड (बीएसवी) ने फेडरेशन ऑफ ऑब्टे ट्रिक एण्ड गायनेकोलॉजिकल सोसायटीज ऑफ इंडिया (एफओजीएसआई) की स्टडी ऑन फीमेल ब्रेस्ट कमिटी के साथ गठबंधन किया है। यह गठबंधन रिश्ता इनिशिएटिव 2024 के माध्यम से स्तनपान एवं प्रसव के बाद की देखभाल पर जागरूकता बढ़ाने के लिये किया गया है। रिश्ता पहल स्त्रपान से स्वास्थ्य को मिलने वाले फायदों पर चिकित्सा-सहायकों को शिक्षित करते हुए स्त्रपान के लिये अनुकूल एवं सहयोगी परितंत्र को बढ़ावा देने की एक कोशिश है। इसमें नई माताओं की भावनात्मक एवं मानसिक तंदुरुस्ती का ध्यान भी रखा जाता है।

रिश्ता 2024 प्रशिक्षण के दो फॉर्मेट्स पर केन्द्रित है: एक कार्यक्रम चिकित्सा पेशेवरों को ''ट्रेन द ट्रेनर'' प्रोग्राम के माध्यम से शिक्षित करने पर केन्द्रित है। अपने पहले चरण में यह छह शहरों में पायलट के तौर पर चलेगा। अनुभवी गायनेकोलॉजिस्ट्स सत्रों का संचालन करेंगे और इसमें नई दिल्ली, बरेली, पटना, लखनऊ, फरीदाबाद और देहरादून को शामिल किया जाएगा। दूसरे कार्यक्रम में चिकित्सा-सहायकों के लिये ऑनलाइन प्रशिक्षण होगा। इसमें स्तनपान की तकनीकों पर प्रशिक्षण सात वेबिनारों के माध्यम से मातृभाषाओं में दिया जाएगा।

एफओजीएसआई के प्रेसिडेंट डॉ. जयदीप टांक ने बताया, ''हमने स्वास्थ्य रक्षा पेशेवरों के लगातार प्रशिक्षण एवं कौशल विकास पर जोर दिया है। यह प्रसव के दौरान एवं नवजात शिशु की देखभाल में गुणवत्ता बढ़ाने की एफओजीएसआई की रणनीति के अनुरूप है। रिश्ता 2024 को लेकर हम बीएसवी के साथ गठजोड़ करते हुए खुश हैं, जोकि महिलाओं की स्वास्थ्य रक्षा में एक अग्रणी कंपनी है। हम लगातार शिक्षा प्रदान करेंगे और स्वास्थ्य रक्षा प्रदाताओं को नवजात शिशुओं की अत्याधुनिक देखभाल प्रदान करने के लिये नई-नई प्रगतियों एवं सबसे बेहतरीन अभ्यासों पर अपडेट रखेंगे।

इंडिया बिजनेस, बीएसवी के सीओओ आलोक खेत्री के अनुसार, ''महिलाओं की सेहत के लिये एक प्रतिबद्ध कंपनी होने के नाते 'हेल्दी भारत' बनाने की कोशिशें करना हमारी जिम्मेदारी है। इसके अनुसार हम एफओजीएसआई के साथ गठजोड़ कर और रिश्ता के साथ जुड़कर बहुत खुश हैं। रिश्ता पहल नवजात शिशुओं और माताओं की सेहत के लिये स्तनपान के महत्वक को बढ़ावा देती है। हमें विश्वास है कि ऐसे गठजोड़ स्तमनपान के सुरक्षित अभ्यासों और स्तनपान की परेशानियों का जल्दी पता लगाने पर जागरूकता फैलाने में हमारी मदद करेंगे। यह व्यकवहार कौशल विकसित करने पर फोकस करेंगे, जैसे कि नई माताओं के साथ स्तहनपान की चिंताओं पर बात करते हुए संवेदनशील एवं समानुभूति वाला संवाद करना। ''

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)